केंद्रीय रक्षा मंत्री से डॉ कौशल ने मुलाकात कर किया पौधा भेंट

नव प्रदेश संवाददाता

पलामू। नई दिल्ली सत्रह अकबर रोड स्थित केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर ट्री मैन ऑफ झारखंड व विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वनरखी मूवमेंट के प्रणेता डॉ कौशल किशोर जायसवाल और छतरपुर पूर्वी से जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल ने पर्यावरण धर्म के तहत हिमाचल का कपूर का पौधा केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भेट कर स्वागत किया।

केंद्रीय रक्षा मंत्री से बातचीत के दौरान डॉ कौशल ने कहा कि प्रकृति के सुखद संयोग से आज समाज के दो महान रक्षकों को एक साथ बैठने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। बस दोनों रक्षक में इतना फर्क है कि माननीय मंत्री जी के निर्देशन में देश की सरहद की रखवाली हो रहा है जबकि पर्यावरणविद के पौधरोपण व वितरण अभियान से धरती और ब्रह्मांड के 84 लाख योनी जीवों की सुरक्षा हो रही है।

बनरखी मूवमेंट के प्रणेता कौशल ने कहा कि कपूर एक औषधीय पौधा है। हाई ग्रीन पौधा होने के कारण इससे छाया भी अधिक मिलता है और इसका औषधीय उपयोग विक्स बनाने में भी किया जाता है। केंद्रीय मंत्री से मुलाकात के दौरान डॉ कौशल व जिला पार्षद अमित कुमार ने क्षेत्र के समस्याओं के सम्बंध में जानकारी साझा किया वहीं राज्य में आसान विस चुनाव पर भी विस्तृत चर्चा हुई। मौके पर सूरज कुमार जायसवाल भी उपस्थित थे।

केंद्रीय रक्षा मंत्री से डॉ कौशल ने की मुलाकात, भेंट किया पौधा

संवाददात

मेदिनीनगर। नई दिल्ली सत्रह अकबर रोड स्थित केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर ट्री मैन ऑफ झारखंड व विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वनरखी मूवमेंट के प्रणेता डॉ कौशल किशोर जायसवाल और छतरपुर पूर्वी से जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल ने पर्यावरण धर्म के तहत हिमाचल का कपूर का पौधा केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भेट कर स्वागत किया।केंद्रीय रक्षा मंत्री से बातचीत के दौरान डॉ कौशल ने कहा कि प्रकृति के सुखद संयोग से आज समाज के दो महान रक्षकों को एक साथ बैठने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।बस दोनों रक्षक में इतना फर्क है कि माननीय मंत्री जी के निर्देशन में देश की सरहद की रखवाली हो रहा है जबकि पर्यावरणविद के पौधरोपण व वितरण अभियान से धरती और ब्रह्मांड के 84 लाख योनी जीवों की सुरक्षा हो रही है।बनरखी मूवमेंट के प्रणेता कौशल ने कहा कि कपूर एक औषधीय पौधा है।

डॉ कौशल ने शिवराज सिंह चौहान के साथ किया पौधरोपण

दुनियां के तमाम लोगों को डॉ कौशल से सीख लेने की है जरूरत : शिवराज सिंह चौहान

आजाद सिपाही संवाददाता

पलामु। देश के राजधानी दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय अतिथि भवन पूसा में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के आवासीय परिसर में विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्म गुरु और वनराखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद डॉ कौशल किशोर जायसवाल ने मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं पलामू छतरपुर पूर्वी के जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल के साथ पर्यावरण धर्म के प्रार्थना के साथ हिमाचल के कपूर का पौधा लगाया। मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पर्यावरणविद कौशल किशोर

जायसवाल से बातचीत के बाद उनके कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आज देश को जरूरत है डॉ कौशल किशोर जायसवाल के कार्यों से सीख लेने की। श्री सिंह ने उनसे नर्मदा नदी के किनारे भी पौधरोपण करने की बातें कही। वनराखी मूवमेंट के प्रणेता डॉ कौशल ने बताया है कि उनके द्वारा निःशुल्क पौधा वितरण सह रोपण के 58 वां वर्ष और पर्यावरण धर्म वनराखी मूवमेंट 48 वां बर्ष पूरा होने के उपरांत इस वर्ष का रशियन कंट्री अजरबैजान के राजधानी बाकू से वृक्षों पर रक्षा बंधन और निशुल्क पौधा वितरण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया है। मौके पर डॉ कौशल ने घोषणा किया कि इस वर्ष विश्व के पांच देश और देश के 10 राज्यों में अभियान चलाकर निःशुल्क पौधा वितरण ,रोपण और वृक्षों पर रक्षाबंधन कर कार्यक्रम चलाए जाएंगे। मौके पर जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल के साथ सूरज कुमार जायसवाल और हनुमान प्रसाद मौजूद थे।

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 02 अगस्त, 2024
www.azadsipahi.in
10

दुनिया के सभी लोगों को डॉ कौशल किशोर से सीख लेने की जरूरत: शिवराज सिंह चौहान

पर्यावरणविद ने केंद्रीय कृषि मंत्री के साथ उनके आवासीय परिसर में किया पौधरोपण

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। राजधानी दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय अतिथि भवन पूसा में स्थित केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के आवासीय परिसर में विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्म गुरु व वनराखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद डॉ कौशल किशोर जायसवाल ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान व पलामू छतरपुर पूर्वी के जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल के साथ पर्यावरण धर्म के प्रार्थना के साथ हिमाचल के कपूर का पौधा लगाया। वहीं, केंद्रीय मंत्री ने पर्यावरणविद डॉ कौशल किशोर जायसवाल से बातचीत के बाद उनके कार्यों की सराहना की। कहा कि आज देश को जरूरत है डॉ कौशल किशोर जायसवाल के कार्यों से सीख लेने की। उन्होंने उनसे नर्मदा नदी के किनारे भी पौधरोपण करने की बातें कही। वहीं, वनराखी मूवमेंट के प्रणेता डॉ कौशल किशोर ने बताया है कि उनके द्वारा निःशुल्क पौधा वितरण सह रोपण के 58 वां वर्ष और पर्यावरण धर्म वनराखी मूवमेंट 48 वां बर्ष पूरा होने के उपरांत इस वर्ष का रशियन देश अजरबैजान की राजधानी बाकू से वृक्षों पर रक्षा बंधन और निःशुल्क पौधा वितरण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है। इस अवसर पर डॉ कौशल किशोर ने घोषणा की कि इस वर्ष विश्व के पांच देश और देश के 10 राज्यों में अभियान चलाकर निःशुल्क पौधा वितरण, रोपण और वृक्षों पर रक्षाबंधन कर कार्यक्रम चलाए जाएंगे। इस मौके पर जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल के साथ सूरज कुमार जायसवाल और हनुमान प्रसाद मौजूद थे।

दुनियां के तमाम लोगों को डॉ कौशल से सीख लेने की है जरूरत : शिवराज सिंह

पर्यावरणविद डॉ कौशल ने कृषि मंत्री के साथ उनके आवासीय परिसर में किया पौधरोपण

प्रातः आवाज

पलामू : देश के राजधानी दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय अतिथि भवन पूसा में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के आवासीय परिसर में विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्म गुरु व वनराखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद डॉ कौशल किशोर जायसवाल ने मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं पलामू छतरपुर पूर्वी के जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल के साथ पर्यावरण धर्म के प्रार्थना के साथ हिमाचल के कपूर का पौधा लगाया। मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल से बातचीत के बाद उनके कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आज देश को जरूरत है डॉ कौशल किशोर जायसवाल के कार्यों से सीख लेने की। श्री सिंह ने उनसे नर्मदा नदी के किनारे भी पौधरोपण करने की बातें कही। वनराखी मूवमेंट के प्रणेता डॉ कौशल ने बताया है कि उनके द्वारा निःशुल्क पौधा वितरण सह रोपण के 58 वां वर्ष और पर्यावरण धर्म वनराखी मूवमेंट 48 वां बर्ष पूरा होने के उपरांत इस वर्ष का रशियन कंट्री अजरबैजान के राजधानी बाकू से वृक्षों पर रक्षा बंधन और निशुल्क

पौधा वितरण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया है। मौके पर डॉ कौशल ने घोषणा किया कि इस वर्ष विश्व के पांच देश और देश के 10 राज्यों में अभियान चलाकर निःशुल्क पौधा वितरण ,रोपण और वृक्षों पर रक्षाबंधन कर कार्यक्रम चलाए जाएंगे। मौके पर जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल के साथ सूरज कुमार जायसवाल व हनुमान प्रसाद मौजूद थे।

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी को पर्यावरणविद् कौशल ने भेंट किया पौधा, एसपी आवास में लगाए पौधे

थर्ड आई न्यूज ⏭ डालटनगंज

पलामू पुलिस अधीक्षक के आग्रह पर सोमवार को उनके आवासीय परिसर में पौधा रोपण किया गया, जबकि नई दिल्ली स्थित केंद्रीय महिला, बाल विकास एवं शिक्षा मंत्री अन्नपूर्णा देवी से मिलकर विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष कौशल किशोर जायसवाल और छतरपुर पूर्वी से जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल ने पर्यावरण धर्म के तहत हिमाचल का कपूर का पौधा भेंट कर मुलाकात की।

केंद्रीय मंत्री से बातचीत के दौरान डॉ कौशल ने कहा कि विश्व के पहला पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर का निर्माण उनके पैतृक गांव छतरपुर के डाली बाजार में अंतिम चरण में है। उन्होंने मंदिर का फोटो समर्पित करते हुए कहा कि वे अपनी निजी लागत पर पिछले 58 वर्षों से देश दुनिया के लोगों को पर्यावरण बचाने का अभियान चला रखा है।

उन्होंने बताया कि आज दुनिया का सबसे बड़ा शत्रु प्रदूषण को भागने के उद्देश्य वे रात दिन एक कर पौधा रोपण और वृक्षों पर रक्षाबंधन कर लोगों को जागरूक कर रहे है। ताकि प्रदूषण की विभीषिका से देश व दुनियां के लोगों को समय रहते बचाया जा सके।

कहा कि झारखंड के वन विभाग द्वारा संचालित स्थाई और अस्थाई नर्सरी विकसित करना लगभग बंद हो गया है, जिससे लोगों को पर्याप्त पौधा नहीं मिल पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में लोगों को पौधे बाजारों में उच्चे दामों में लेना मजबूरी हो गया है। उन्होंने सरकार से पुनः नर्सरी विकसित कर लोगों को पौधा उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि लोगों को सस्ते व अच्छे किस्म के पौधे उपलब्ध हो सके।

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी को पौधा भेट करते डॉ कौशल पार्षद अमित

कौशल ने कहा कि कपूर एक औषधीय गुणों से भरा पौधा है। इसीलिए उन्होंने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भी कपूर का पौधा भेट में दिया और लगाया है। नई दिल्ली से लौटने के दौरान राजस्थान से ट्रेनिंग कर लौट रही झारखंड स्तरीय महिला समूह कोऑर्डिनेटर रांची कांके की मेघा मैडम, खूंटी की ललिता मैडम, रामगढ़ गोला की ज्योति मैडम और दुमका की लक्की मैडम को डालटनगंज स्टेशन पर नेपाल के रुद्राक्ष, थाईलैंड प्रजाति के आम के पौधा देकर उन्हें सम्मानित करते हुए विदा किया। वहीं सोमवार को पलामू पुलिस अधीक्षक के विशेष अनुरोध पर उनके आवास प्रांगण में नेपाल का रुद्राक्ष और कर्नाटक का फल लगा हुआ चीकू का पौधा लगाया।

मौके पर सूरज कुमार जायसवाल, पुलिस कर्मी संजय कुमार, सूरज कुमार जायसवाल, संतोष प्रजापति, सत्य सिंह व रामू उपस्थित थे।

राज्यपाल व केंद्रीय मंत्री के हाथों आइकॉन ऑफ झारखंड अवार्ड से नवाजे गए डॉ. कौशल

मेदिनीनगर। रांची के होटल रेडिसनब्लू में झारखंड के प्रतिक सम्मानित समारोह कार्यक्रम का उद्घाटन सुबे के राज्यपाल संतोष गंगवार और केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने दीप प्रज्वलित कर संयुक्त रूप से किया। उक्त अवसर पर ट्री मैन ऑफ झारखंड व विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वनराखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद डॉ कौशल किशोर जायसवाल के द्वारा चलाया गया पर्यावरण धर्म के पहला मूल मंत्र के अनुसार किसी भी शुभ कार्य में पौधा लगाने या दान करने का विधान है। उसी के तहत अतिथियों को हिमाचल का कपूर का पौधा देकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राज्यपाल संतोष गंगवार और केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने पर्यावरणविद ट्री मैन डॉ कौशल किशोर जायसवाल को पर्यावरण के क्षेत्र में लंबे अरसे से उत्कृष्ट व उल्लेखनीय कार्य की सराहना करते हुए आइकॉन ऑफ झारखंड अवार्ड से सम्मानित कर उन्हें बधाई दी।

आइकॉन ऑफ़ झारखंड अवार्ड से नवाजे गए डॉ कौशल, राज्यपाल व केंद्रीय मंत्री ने किया सम्मानित

राज्यपाल व केंद्रीय मंत्री से अवार्ड लेते कौशल किशोर जायसवाल

थर्ड आई न्यूज ⏭ डालटनगंज

रांची के होटल रेडिसनब्लू में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सुबे के राज्यपाल संतोष गंगवार और केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने दीप प्रज्जवलित कर संयुक्त रूप से किया। मौके पर पर्यावरण के क्षेत्र में लंबे समय से कार्य करने पर विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष कौशल किशोर जायसवाल को आइकॉन ऑफ़ झारखंड अवार्ड से नवाजा गया। राज्यपाल संतोष गंगवार और केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने उन्हें सम्मानित किया। कौशल ने अतिथियों को हिमाचल के कपूर का पौधा दिया।

बता दें कि इससे पहले कौशल किशोर प्राइड ऑफ़ झारखंड अवार्ड से झारखंड के विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो ने सम्मानित किया था। वही 24 मई को अचीवर अवार्ड से अज़रबैजान के राजधानी बाकू में अवार्ड मिला। विश्व के टूरिस्ट डायरेक्टर साउथ ईस्ट रौशन के हाथों सम्मान मिला था। इसी तरह 1 जून 24 को दिल्ली लोधी रोड स्थित इंडियन हैवी ट्रेड सेंटर गुलमोहर में यूएसए के मेरीलैंड स्टेट यूनिवर्सिटी की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में आठ देश के उच्च पद पर आसीन अतिथियों की उपस्थिति में डॉक्टरेट की उपाधि से चांसलर के हाथों सम्मान पाने का अवसर प्राप्त हुआ था। वही 14 जुलाई 24 को थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एशिया अचीवर और भारत के गौरव अवॉर्ड से वहां के पूर्व उप प्रधानमंत्री कॉर्नर देमोरेंसी और स्पीकर पॉल नरूला ने सम्मानित किया था। उन्होंने यह भी बताया कि सुबे के तीन राज्यपाल ने अब तक चार चार अवार्ड दे चुके हैं। इस वर्ष देश विदेश में पांच और जीवन काल का 66 अवार्ड मिलने से रिश्तेदारों, शुभचिंतकों व परिवार में भारी खुशी का माहौल है।

केन्द्रीय मंत्री के हाथों सम्मानित हुए कौशल किशोर जयसवाल

मेदिनीनगर। स.वर्षा। सूबे की राजधानी रांची के बीएनआर चाणक्य होटल में आयोजित सम्मान समारोह में वनराखी मूवमेंट के अगुआ सह विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पर्यावरण धर्म गुरु व पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल को पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए प्राइड ऑफ झारखंड की उपाधि से नवाजा गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत सरकार के जनजातीय मामले के केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने पर्यावरणविद कौशल किशोर के कार्यों की सराहना करते हुए मोमेंटो व शॉल देकर सम्मानित किया। कौशल किशोर ने 1967 से जंगल लगाओ जंगल बचाओ अभियान चलकार अबतक नेपाल, भूटान समेत असम से कन्याकुमारी तक देश के 22 राज्यों के 108 जिलों में अभियान चलाकर गांव एवं स्कूल, कॉलेजों में लोगों के बीच पौधों का वितरण सह रोपन किया तथा पर्यावरण धर्म पर गोष्ठी के आयोजन में पर्यावरण धर्म के 8 मूल ज्ञान मंत्रों की शपथ दिलाते हुए पर्यावरण धर्म के पाठ पढ़ाया। 12 लाख वन वृक्षों पर राखियां बांध व बंधवा कर वन राखी मूवमेंट में शामिल लोगों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित कर अब तक 45 लाख पौधों का वितरण का कीर्तिमान बनाया है।

कार्यक्रम में पूरे राज्यभर से पहुंचे लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने उनसे प्रकृति को प्रदूषण से बचाने की मुहिम से जुड़कर पौधा लगाने और उसे बच्चे की तरह देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल लोगों से आने वाली पीढ़ी को प्रदूषण की जहर से बचाने के लिए पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्रो को अपने जीवन मे अपनाने की नसीहत दी। कहा कि विश्व का पहला पर्यावरण धर्म मंदिर पलामू जिले के छतरपुर प्रखंड के कौशल नगर में बन रहा है। सम्मान समारोह के मौके पर दैनिक हिंदुस्तान के स्थानीय संपादक विवेक कुमार, रीजनल बिजनेस हेड राजू मिलन, राजनीतिक संपादक चंदन मिश्रा, डीजीएम अभिजीत सेन, एजीएम नीतीश कुमार सहित राज्यभर के सैकड़ों बुद्धिजीवी और गणमान्य लोग उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने पर्यावरणविद कौशल को किया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। रांची के बीएनआर चाणक्य होटल में आयोजित सम्मान समारोह में वनराखी मूवमेंट के अगुआ सह विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष कौशल किशोर जायसवाल को पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए प्राइड ऑफ झारखंड नामक उपाधि से नवाजा गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत सरकार के जनजातीय मामले के केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने पर्यावरणविद कौशल किशोर के कार्यों की सराहना करते हुए मोमेंटो देकर व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।। तब पूरा हॉल उनके सम्मान में तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। 1967 से जंगल लगाओ जंगल बचाओ अभियान में लगातार पौधों का वितरण सह रोपन व पर्यावरण धर्म के 8 मूल ज्ञान मंत्रों

को शपथ दिलाते हुए पर्यावरण धर्म का पाठ पढ़ाया । 12 लाख वन वृक्षों पर राखियां बांध व बंधवा कर वन राखी मूवमेंट में शामिल लोगों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित कर अब तक 45 लाख पौधों का वितरण कर कीर्तिमान बनाया। कार्यक्रम में पूरे राज्यभर से पहुंचे लोगों को संबोधित करते हुए ,उन्होंने उनसे प्रकति को प्रदूषण से बचाने की मुहिम में जुड़कर पौधा लगाने और उसे बच्चे की तरह देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल लोगों से आने वाली पीढ़ी को प्रदूषण की जहर से बचाने के लिए पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्रो को अपने जीवन मे अपनाने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि विश्व का पहला पर्यावरण धर्म मंदिर पलामू जिले के छतरपुर प्रखंड के कौशल नगर में बन रहा है। उन्होंने कार्यक्रम में पर्यावरण से जुड़े कई रोचक जानकारियों की चर्चा कर लोगों को जागरूक किया।

राज्यपाल के हाथों सम्मानित हुए कौशल

मेदिनीनगर। स.वर्षा। रांची राज्य भवन में 30 अप्रैल को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का ऐतिहासिक 100 वें एपिसोड के समापन पर पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए पलामू के ट्री मैन पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। 30 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम के 100 वें एपिसोड में शामिल होने के लिए राजभवन में राज्यभर के सैकड़ों सामाजिक कार्यकर्ताओं को आमंत्रित किया गया था। पलामू प्रमंडल से सामाजिक कार्यकर्ता एवं विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल को भी राज्यभवन में आमंत्रित किया गया था।

इस अवसर पर राज्यपाल ने मन की बात कार्यक्रम को समापन के बाद कौशल किशोर जायसवाल द्वारा निजी खर्च पर निशुल्क पौधा वितरण सह रोपन, वनों पर रक्षाबंधन और पर्यावरण धर्म पर आधरित गोष्ठी का आयोजन किया। इस दौरान कौशल किशोर ने राज्यपाल को यह कहते हुए आवेदन समर्पित किया कि पलामू प्रमंडल, रांची एवं नेतरहाट पहाड़ के नीचे होने एवं कर्क रेखा के ऊपर से गुजरने के कारण तथा बड़े पैमाने पर प्रकृति के दोहन से हुए जलवायु परिवर्तन से देश का सबसे अधिक गर्म होने वाला जिलों में शुमार हो गया है। इसके लिए उन्होंने केंद्र सरकार के पलामू प्रमंडल के लिए अलग से विशेष पैकेज देने का अनुरोध किया, ताकि जन और जानवरों को पीने के लिए ग्रामीण क्षेत्र और वन क्षेत्र में पानी उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने सरकार से जल संरक्षण के लिए भी कारगर कदम उठाने की मांग की है, ताकि बेतहाशा घट रहे भूमिगत जलस्तर को नियंत्रित किया जा सके।

पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए राज्यपाल के हाथों सम्मानित हुए पर्यावरणविद कौशल किशोर

रांची: राज भवन में 30 अप्रैल को देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम का ऐतिहासिक 100 वां एपिसोड के समापन पर पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए पलामू के लाल ट्री मैन पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल को महामहिम राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। 30 अप्रैल को प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के 'मन की बात' कार्यक्रम के बेमिसाल 100 वां एपिसोड में शामिल होने के लिए रांची राजभवन में राज्यभर के सैकड़ों सामाजिक कार्यकर्ताओं को निमंत्रण भेज कर बुलाया गया था। पलामू प्रमंडल से सामाजिक एवं विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वन राखी मूवमेंट के प्राणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल को भी राज्यभवन में आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर महामहिम राज्यपाल ने 'मन की बात' कार्यक्रम को समापन के बाद पलामू के लाल कौशल किशोर जायसवाल के द्वारा निजी खर्च पर निःशुल्क पौधा वितरण सह रोपन वनों पर रक्षाबंधन और पर्यावरण धर्म पर गोष्ठी का आयोजन में अबतक 56 वर्षों में 50 लाख पौधों का अभियान चलाकर ब्लैक शैडो जोन पलामू क्षेत्र समेत देश के 22 राज्यों के 108 जिलों और विदेशों में भी जाकर पौधा लगाने और जल, जंगल बचाने के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए महामहिम ने उन्हें मोमेंट्रो देकर सम्मानित किया। इस दौरान वन राखी मूवमेंट के प्राणेता कौशल ने राज्यपाल को यह कहते हुए आवेदन भी समर्पित किया कि पलामू प्रमंडल , रांची एवं नेतरहाट पहाड़ के नीचे होने एवं कर्क रेखा के ऊपर से गुजरने के कारण तथा बड़े पैमाने पर प्रकृति के दोहन से हुई जलवायु परिवर्तन से देश का सबसे अधिक गर्म होने वाला जिला में शुमार हो गया है। अपने आवेदन में यह भी उल्लेख किया है कि वर्ष 2000 में पानी पंचायत नीति को पूरे देश में लागू करने के लिए केंद्र सरकार को समय–समय पर अवगत कराता रहा। आज पूरे देश में पानी पंचायत नीति लागू हो गई है। उसी के तहत जल जीवन मिशन का कार्य पूरे देश में युद्ध स्तर पर केंद्र सरकार द्वारा चलाया जा रहा है। इसके लिए उन्होंने केंद्र सरकार के प्रति कृतज्ञता जाहिर करते हुए पलामू प्रमंडल के लिए अलग से विशेष पैकेज देने का अनुरोध किया है ताकि जन और जानवरों को पीने के लिए ग्रामीण क्षेत्र और वन क्षेत्र में पानी उपलब्ध कराया जा सके।

पलामू के पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल को राज्यपाल ने किया सम्मानित

प्रधानमंत्री के 100वें एपिसोड पर राजभवन से विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को बुलाया गया था राजभवन मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

खबर मन्त्र संवाददाता

मेदिनीनगर/रांची। रांची राजभवन में 30 अप्रैल को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का ऐतिहासिक 100 वां एपिसोड के समापन पर पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए पलामू के पर्यावरणविद कौशल

संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वन रत्नी मूवमेंट के

का आयोजन में अबतक 56 वर्षों में 50 लाख पौधों का अभियान चलाकर ब्लैक

पर्यावरणविद कौशल का एक करोड़ पौधारोपण करने का है लक्ष्य

5 जून 2023 विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष

प्रभात मंत्र संवाददाता

मेदिनीनगर : पलामू के डाली गांव के रहने वाले कौशल किशोर जायसवाल पिछले 56 वर्षों से पर्यावरण संरक्षण अभियान चला रहे है। इस अभियान के तहत पर्यावरणविद शिविर आयोजित कर निःशुल्क पौधा वितरण व रोपण करते आ रहे है। इतना ही नहीं इस अभियान के तहत वनों की रक्षा के लिए वन वृक्षों पर राखी भी बांधने की परंपरा चलती आ रही है। जिसे वन राखी मूवमेंट का नाम दिया गया है।कौशल किशोर बताते है इस अभियान के तहत अब तक 50 लाख से अधिक पौधों का निशुल्क वितरण के साथ पौधा रोपण भी किया जा चुका है। इसके अलावे 15 लाख से अधिक वन वृक्षों पर रक्षाबंधन कर पर्यावरण धर्म पर गोष्ठी आयोजित कर लोगों को जागरूक भी किया जाता है। पर्यावरणविद कौशल नेपाल, भूटान सहित देश के 22 राज्यों के लोगों को पर्यावरण धर्म के 8 मूल ज्ञान मंत्रों की शपथ लोगों को दिलाई गई है। साथ ही पर्यावरण धर्म की पाठ भी पढ़ाया गया है। विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह वन राखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल अपने निजी खर्चों पर विश्व का पहला पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर का निर्माण अपने पैतृक गांव डाली बाजार के कौशल नगर स्थित जैविक पार्क में करा रहे है। श्री कौशल किशोर डाली गांव में करोड़ों की लागत से जैविक उद्यान व पार्क

विकसित किए हैं। जिसमें 22 देशों के 200 से अधिक विभिन्न प्रजाति के पौधे लगे है। इस अभियान के तहत पर्यावरण व प्रकृति को बचाने के लिए पूरी सक्रियता के साथ काम चल रहे है। 70 वर्षीय कौशल आज भी पूरे उत्साह के साथ इस कार्य में तन्मयता से लगे हुए है। श्री कौशल कहते है कि वे अपना पूरा जीवन पर्यावरण व जनकल्याण के लिए समर्पित कर दिया है। लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता के साथ साथ वैवाहिक समारोह में भी शामिल लोगों को उपहार स्वरूप उन्हें पौधा देकर जागरूक किया जाता है। इतना ही नहीं श्री कौशल जन्मोत्सव और श्राद्ध कर्म में भी पौधा लगाकर लोगों को प्रेरित करते है। कौशल को अब तक इस क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के एवज में देश व विदेश में 54 अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। जिसमें इसी वर्ष प्राइड ऑफ झारखंड का अवार्ड केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा के द्वारा एवं झारखंड का गौरव नामक अवार्ड केंद्रीय राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी और सुबे के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के हाथों मिला है। इसके अलावे पलामू प्रमंडलीय आयुक्त जटाशंकर चौधरी, पलामू उपायुक्त अंजलायुत दोड्डे, पुलिस अधीक्षक चंदन सिन्हा एवं राजभवन में राज्यपाल के द्वारा सम्मान मिला है। पर्यावरण धर्मगुरु अपने जीवन में प्रदूषण से आजादी का जंग जीतने के लिए 10 देशों में पर्यावरण धर्म और वन राखी मूवमेंट का प्रचार जारी रखते हुए एक करोड़ पौधा लगाने का लक्ष्य रखा है।

पर्यावरणविद ने प्रमंडलीय आयुक्त से की मुलाकात

मेदिनीनगर। स.वर्षा। विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल और छतरपुर जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल ने प्रमंडलीय आयुक्त मनोज कुमार जायसवाल से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान पर्यावरणविद श्री कौशल ने आयुक्त को सिंगापुर का फिडल लिफ्ट बेडरूम का प्रदूषण मुक्त का पौधा देकर मुलाकात को यादगार बनाया। श्री कौशल ने पर्यावरण के क्षेत्र में अपने द्वारा पिछले 56 वर्षों से चलाए जा रहे अभियान और सिंगापुर तथा मलेशिया में पर्यावरण के क्षेत्र में किए गये अपने कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने वन राखी मूवमेंट, डाली में पार्क और जैविक उद्यान्न में विश्व का पहला पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर निर्माण के बारे में बताया तथा अवलोकन करने का नेवता दिया। आयुक्त ने डाली पंचायत बाजार पहुंचने की सहमति दी।

अभियान आगे भी चलाया जाएगा।

हो गए हैं। उन्होंने जिला शिक्षा अधीक्षक से सभी विद्यालयों में विभागीय जांच करवा कर दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध तत्काल कारवाई करने का अनुरोध किया है।

पूर्व मुख्यमंत्री मरांडी व केंद्रीय मंत्री अनपूर्णा के हाथों झारखंड का गौरव सम्मान से नवाजे गए पर्यावरणविद कौशल

पर्यावरण धर्म के 8 मूल मंत्रों के तहत अतिथियों को बुके नहीं पौधा देने का है विधान : कौशल व पूनम

मेदिनीनगर । रेडिसनब्लू होटल में आयोजित कार्यक्रम में सूबे के पहले मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल को झारखंड का गौरव नामक सम्मान से सम्मानित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी , विशिष्ट अतिथि राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी और राज्य के वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव , संसदीय मंत्री आलमगीर आलम एवं रांची के सांसद संजय सेठ ने कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया। विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वन राखी मूवमेंट के प्राणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल ने बाबूलाल मरांडी को और वीपीएसए संस्था के प्रधान सचिव सह छतरपुर के पंचायत डाली बाजार के मुखिया पूनम जायसवाल ने केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी को बेडरूम में रखने वाले विदेशी पौधा फिड्ललीप देकर कार्यक्रम को यादगार बनाया। इसके उपरांत बाबूलाल मरांडी और अन्नपूर्णा देवी ने पर्यावरणविद कौशल किशोर और मुखिया पूनम जायसवाल को झारखंड का गौरव नामक सम्मान और प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस सम्मान से सम्मानित होते ही उनके जीवन काल में एक और सम्मान जुड़ गया। अबतक उन्हें देश और विदेश के सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों द्वारा 50 पुरस्कार व सम्मान मिल चुका है। उनके अभियान के 56 वर्षों में अबतक 50 लाख पौधे वितरण व रोपण करने का कीर्तिमान शामिल है।

वन राखी मूवमेंट के प्राणेता कौशल ने कहा है कि दूर दृष्टि, कड़ी मेहनत और पक्का इरादा के साथ रात - दिन एक करके उन्होंने मिशन की शुरुआत किया था। उन्होंने कहा कि समाज सेवा से केवल मानव की सेवा होती है परंतु पर्यावरण सेवा से इस ब्रह्मांड के 84 लाख योनि जीवों की सुरक्षा होती है। उन्होंने कहा है कि बचपन से आज तक जंगल लगाओ जंगल बचाओ अभियान चलाकर तीसरा विश्वयुद्ध जल संकट और चौथा विश्वयुद्ध ऑक्सीजन संकट को टालने का प्रयास किया है। प्रदूषण से आजादी दिलाने के लिए शुरू किया गया इस अभियान से लोगों में काफी जागरूकता आयी है। इस जागरूकता का ही प्रतिफल है कि आज अधिकांश कार्यक्रमों का शुभारंभ पौधरोपण से किया जा रहा है। इतना ही नहीं सरकार ने भी पौधरोपण पर विशेष ध्यान दिया है। आज हर कोई उनके अभियान की सराहना करता है।

मुखिया पूनम ने कहा है कि प्रदूषण से आजादी पाना है तो लोगों को अपने धर्म के साथ पर्यावरण धर्म के 8 मूल मंत्रों को भी अपनाना होगा। सम्मान समारोह में छतरपुर पूर्वी के जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल, प्रो अरुण कुमार जायसवाल, कोमल जायसवाल, शिल्पा जायसवाल, आराध्या जायसवाल, आशिका जायसवाल, आद्रिका एवं अनुषा भी शामिल थे।।

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने किया सम्मानित

झारखंड विधानसभा अध्यक्ष गौरव अवार्ड से सम्मानित

पर्यावरणविद कौशल को वर्ष 2023 में सिंगापुर में मिल चुके हैं कई अवार्ड

[illegible]

रांची के रेडिसन ब्लू होटल में आयोजित झारखंड के गौरव सम्मान समारोह में सूबे के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्म गुरु व वनराखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल को शॉल ओढ़ा कर और दो अलग-अलग मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

पर्यावरणविद व धर्मगुरु कौशल किशोर को इस एक वर्ष में आठ और जीवन में अबतक देश, विदेश में 57 वां अवार्ड मिल चुका है। वन राखी मूवमेंट के प्रणेता कौशल ने कहा है कि उन्हें केवल इस वर्ष पार अक्टूबर से अगस्त 2023 तक उन्हें आठ अवार्ड मिला है। उन्होंने बताया कि इसवर्ष उन्हें सूबे के राज्यपाल, विधानसभा अध्यक्ष, कई केंद्रीय मंत्रियों, जिले के आयुक्त, उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक सहित कई स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा उन्हें अवार्ड मिला है। उन्होंने यह भी बताया उन्हें इस वर्ष फोर्टिस में भी आइकॉन ऑफ हिंदुस्तान नामक अवार्ड से सम्मानित किया गया है। जो जीवन में गौरव का क्षण है। इस अवसर पर रांची सांसद संजय सेठ, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीपी सिंह, राज्यसभा सांसद दिपक प्रकाश, महुआ माजी, हटिया विधायक नवीन जायसवाल, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर सहित राज्य के प्रमुख व्यक्तियों की उपस्थिति में हुआ संपन्न।

प्राइड ऑफ झारखंड की उपाधि से केंद्रीय मंत्री के हाथों रांची में नवाजे गए वनराखी मूवमेंट के अगुआ सह पर्यावरणविद कौशल किशोर

अबतक 47 बार सम्मानित हो चुके हैं पर्यावरणविद आज 48वां सम्मानय मिला है : कौशल

देशप्राण संवाददाता

मेदिनीनगर : सूबे की राजधानी रांची के बीएनआर चाणक्य होटल में एक दैनिक की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में वनराखी मूवमेंट के अगुआ सह विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पर्यावरण धर्म गुरु व पर्यावरणविद कौशल किशोर जावसवाल को पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए प्राइड ऑफ झारखंड नामक उपाधि से नवाजा गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत सरकार के जनजातीय मामले के केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने पर्यावरणविद कौशल किशोर के कार्यों की सराहना करते हुए मोमेंटो देकर व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। तब पूरा हॉल उनके सम्मान में तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। 1967 से जंगल लगाओ जंगल बचाओ अभियां में लगातार अबतक नेपाल भूटान समेत असाम से कन्याकुमारी तक देश के 22 राज्यों के 108 जिलों में अभियान चलाकर गांव एवं स्कूलों , कॉलेजों में जाकर ना सिर्फ लोगों के बीच पौधों का वितरण सह रोपन व पर्यावरण धर्म पर गोष्ठी के

आयोजन में पर्यावरण धर्म के 8 मूल ज्ञान मंत्रों को शपथ दिलाते हुए पढ़ाया पर्यावरण धर्म के पाठ और 12 लाख वन वृक्षों पर राखियां बांध व बंधवा कर वन राखी मूवमेंट में शामिल लोगों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित कर अब तक 45 लाख पौधों का वितरण कर कीर्तिमान बनाया।

कार्यक्रम में पूरे राज्यभर से पहुंचे लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने उनसे प्रकति को प्रदूषण से बचाने की मुहिम में जुड़कर पौधा लगाने और उसे बच्चे की तरह देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल लोगों से आने वाली पीढ़ी को प्रदूषण की जहर से बचाने के लिए पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्रो को अपने जीवन मे अपनाने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि विश्व का पहला पर्यावरण धर्म मंदिर पलामू जिले के छतरपुर प्रखंड के कौशल नगर में बन रहा है। उन्होंने कार्यक्रम में पर्यावरण से जुड़े कई रोचक जानकारियों की चर्चा कर लोगों को जागरूक किया।

सम्मान समारोह के मौके पर दैनिक हिंदुस्तान के स्थानीय संपादक विवेक कुमार, राजू मिलन, संपादक चंदन मिश्रा, अभिजीत सेन,नीतीश कुमार सहित राज्यभर के सैकड़ों बुद्धिजीवी और गणमान्य लोग उपस्थित थे।

जिंदा रहने के लिए पौधरोपण बेहद जरूरी: कौशल

पर्यावरण संरक्षण अभियान की शुरूआत करने पत्नी के साथ विदेश रवाना हुए पर्यावरणविद
- पर्यावरण धर्म के तहत यात्रा का शुभारंभ करने से पूर्व डीसी को पौधा देकर किया स्वागत
- दिल्ली के स्कूलों में पौधरोपण कर पर्यावरणविद ने बच्चों को पर्यावरण धर्म के प्रति किया जागरूक

आजाद सिपाही संवाददाता

पलामू डीसी शशि रंजन को पौधा देते पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल।

मेदिनीनगर। शहर के टाउन हॉल में गुरुवार और दिल्ली के पहाड़गंज के राजकीय कन्या विद्यालय में शनिवार को विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल व पंचायत डाली बाजार की मुखिया पूनम जायसवाल ने निःशुल्क पौधा वितरण सह रोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि निःशुल्क पौधा वितरण व रोपण के 57वां वर्ष और पर्यावरण धर्म व वन राखी मूवमेंट के 47वां वर्ष पूरा होने पर इस वर्ष भी पांच देशों और देश के 10 राज्यों में अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। इस दौरान लोगों को पर्यावरण धर्म व वन राखी मूवमेंट की जानकारी उपलब्ध कराते हुए कहा कि पौधरोपण कर हम प्रदूषण दूर कर पर्यावरण व प्रकृति की रक्षा करेंगे। इतना ही नहीं इस अभियान के तहत लोगों को जलवायु परिवर्तन, भीषण गर्मी और जल संकट पर काबू पाने के तरीकों को बताकर जागरूक किया जाएगा। ताकि ग्लोबल वार्मिंग के कहर से उन्हें बचाया जा सके। साल 2023 में इस अभियान का शुभारंभ सिंगापुर और मलेशिया में पौधा रोपण और वृक्षों पर रक्षाबंधन कर किया गया था। इस वर्ष रशियन कंट्री के अजहरबाजान की राजधानी बाकू से पौधा रोपण व रक्षाबंधन कर अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष का भी चयन किया जाएगा, ताकि पर्यावरण धर्म का प्रचार अभियान पूरे विश्व में किया जा सके। कौशल किशोर ने पर्यावरण धर्म के तहत उपहार स्वरूप देख के पांच प्रजाति के 10 पौधे अजरबाईजान के लोगों को देंगे। जिसमें कल्पतरु, सफेद चंदन, लाल चंदन, कपूर और थाईलैंड प्रजाति के आम का पौधा शामिल है। पर्यावरण धर्मगुरु कौशल ने कहा कि लोगों को जिंदा रहने व आने वाले पीढ़ी को जल संकट, भीषण गर्मी, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण जैसी महान शत्रु से मुक्ति पाना है तो उन्हें पर्यावरण धर्म के 8 मूल ज्ञान मंत्रों को दुनिया के सभी लोगों को अपने दिनचर्या में शामिल करना होगा। विद्यालय के इंचार्ज रुचि बजाज ने इस नेक कार्य के लिए पर्यावरणविद् कौशल और मुखिया पूनम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कौशल किशोर जायसवाल जैसा सपूत को जन्म देकर झारखंड की धरती पवित्र हो गयी है। कार्यक्रम में सूरज कुमार जायसवाल, स्कूल की शिक्षिका पिंकी, विधि, अंजू, सुमन, प्रतिभा और निशा आदि उपस्थित थीं।

पर्यावरणविद डॉ कौशल किशोर थाईलैंड में एशिया एचीवर्स आवॉर्ड से सम्मानित

नव प्रदेश संवाददाता

पलामू। छः दिवसीय विदेश यात्रा के दौरान थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक स्थित होटल हॉलिडे इन में आयोजित कार्यक्रम में विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वनराखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद ट्री मैन ऑफ झारखंड डॉ कौशल किशोर जायसवाल को वहां के पूर्व उप प्रधानमंत्री कॉर्न देमोरेंसी के हाथों एशिया एचीवर्स व भारत गौरव नामक अवार्ड से नवाजे गए। डॉ कौशल ने बताया कि उनके द्वारा चलाया गया निःशुल्क पौधा वितरण व रोपण के 58वां वर्ष और वनराखी मूवमेंट के 48 वां वर्ष पूरा होने पर थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के होटल हॉलीडे ईन में मोटिवेशनल स्पीकर पॉल नरूला की ओर से आयोजित सम्मान समारोह का उद्घाटन थाईलैंड के पूर्व उप प्रधानमंत्री कॉर्न देमोरेंसी, पॉल

नरूला, डॉ राजू खान, डॉ,जफर और पर्यावरणविद डॉ कौशल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया ।

पूर्व उप प्रधानमंत्री कॉर्न देमोरेंसी ने एशिया एचीवर्स व भारत के गौरव अवार्ड से डॉ कौशल को सम्मानित करते हुए कहा डॉ कौशल द्वारा पर्यावरण के क्षेत्र में लंबे अरसे से जो निःशुल्क कार्य किया जा रहा है वह दुनियां के लोगों के लिए मिल का पत्थर साबित हुआ है।

उन्होंने कहा कि भारत थाईलैंड दोनों देशों की मित्रता लंबे अरसे से चलते आ रहा है और आगे भी जारी रहेगा।

डॉ कौशल को विदेशों में छठा और जीवन का 65वां अवार्ड मिला है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण धर्म के अनुसार अतिथियों को पौधा देने का विधान है। कार्यक्रम में डॉ कौशल और उनके पुत्र अरुण कुमार जायसवाल एवं रोहित जायसवाल ने सभी अतिथियों को भारत से अपने साथ ले गए पौधा भेंट कर उनका सम्मान किया। डॉ कौशल ने कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों को भारत आने का आमंत्रण भी दिया। अतिथियों ने पर्यावरण धर्म गुरु को बधाई देते हुए ट्री मैन का आमंत्रण स्वीकार कर अपनी सहमति जताई।

वन राखी मूवमेंट के प्रणेता डॉ कौशल ने बैंकॉक में अपने संस्था का विस्तार करते हुए निःशुल्क पौधा वितरण व रोपण और वृक्षों पर रक्षाबंधन कर 2024 का वनराखी मूवमेंट का शुभारंभ किया।

छः दिवसीय विदेश यात्रा से अवार्ड लेकर लौटने पर उनके पड़ोसियों, परिजनों एवं शुभचिंतकों ने पर्यावरणविद डॉ कौशल व पुत्र अरुण जायसवाल का डालटनगंज स्टेशन पर भव्य स्वागत किया। मौके पर डाली बाजार पंचायत के मुखिया पूनम जायसवाल, छतरपुर पूर्वी से जिला परिषद अमित कुमार जायसवाल, कोमल जायसवाल, शिल्पा जायसवाल, सूरज, विकास, आराध्या, आशिविका, आद्रिका, अनुषा, सत्य सिंह, संतोष, रामू, छोटू मौजूद थे।

समाचार सार

लाल पर्यावरणविद डॉ. कौशल किशोर जायसवाल छह दिवसीय विदेश यात्रा पर

पलामू : थाईलैंड के राजधानी बैंकॉक के होटल हॉलीडे ईन में वहां के मोटीवेशनल स्पीकर पॉल नरूला द्वारा आयोजित सम्मान समारोह का उद्घाटन पूर्व उप प्रधानमंत्री कॉर्न देमोरेंसी के साथ ट्री मैन ऑफ झारखंड पर्यावरणविद डॉ कौशल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

वनराखी मूवमेंट का आगाज आज

मेदिनीनगर, संवाददाता। पर्यावरणविद डॉ कौशल किशोर जायसवाल के वनराखी मूवमेंट का 48 साल लंबा सफर सोमवार को रक्षाबंधन के दिन पूरा होगा। उन्होंने अपने पैतृक गांव डाली बाजार के पड़ोस में स्थिल साही के जंगल में पेड़ों पर रक्षाबंधन करते हुए ग्रामीणों के साथ वनराखी मूवमेंट के 49वां वर्ष की शुरुआत करेंगे। उन्होंने आम नागरिकों ने रक्षाबंधन के दिन प्रकृति को भी सशक्त बनाने का अपील की है।

बैंकॉक में गुरुवार को दीप प्रज्वलित करते थाईलैंड के उप पूर्व प्रधानमंत्री, स्पीकर, डॉ कौशल किशोर जायसवाल और अन्य। ● हिन्दुस्तान

छह दिवसीय विदेश यात्रा से अपने पैतृक गांव लौटने के रास्ते से डॉ कौशल किशोर जायसवाल ने बताया कि थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के होटल हॉलीडे ईन में वहां के मोटीवेशनल स्पीकर पॉल नरूला की ओर से आयोजित सम्मान समारोह का उद्घाटन पूर्व उप प्रधानमंत्री कॉर्न देमोरेंसी के साथ ट्री मैन ऑफ झारखंड के रूप में उन्होंने संयुक्त रूप से किया। समारोह में पर्यावरण को लेकर वैश्विक चिंता पर गंभीर चर्चा हुई और प्रत्येक व्यक्ति से अपने-अपने स्तर से पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रयास करने पर बल दिया गया।

श्री जायसवाल के कार्य मिल का पत्थर साबित होंगे : कॉर्न देमोरेंसी

थाईलैंड के पूर्व उप प्रधानमंत्री ने डॉ कौशल किशोर जायसवाल को किया सम्मानित

थाईलैंड में एशिया एचीवर्स व भारत के गौरव अवार्ड से नवाजे गए पलामू के पर्यावरणविद डॉ कौशल

प्रातः आवाज

पलामू : छह दिवसीय विदेश यात्रा के दौरान थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक स्थित होटल हॉलिडे इन में आयोजित कार्यक्रम में विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वनराखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद ट्री मैन ऑफ झारखंड डॉ कौशल किशोर जायसवाल को वहां के पूर्व उप प्रधानमंत्री कॉर्न देमोरेंसी के हाथों एशिया एचीवर्स व भारत गौरव नामक अवार्ड से नवाजे गए। डॉ कौशल ने बताया कि उनके द्वारा चलाया गया निशुल्क पौधा वितरण व रोपण के 58 वां वर्ष और

वनराखी मूवमेंट के 48 वां वर्ष पूरा होने पर थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के होटल हॉलीडे ईन में मोटिवेशनल स्पीकर पॉल नरूला की ओर से आयोजित सम्मान समारोह का उद्घाटन थाईलैंड के पूर्व उप प्रधानमंत्री कॉर्न देमोरेंसी, पॉल नरूला, डॉ राजू खान, डॉ जफर और पर्यावरणविद डॉ कौशल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। पूर्व उप प्रधानमंत्री कॉर्न देमोरेंसी ने एशिया एचीवर्स व भारत के गौरव अवार्ड से डॉ कौशल को सम्मानित करते हुए कहा डॉ कौशल द्वारा पर्यावरण के क्षेत्र में लंबे अरसे से जो निःशुल्क कार्य किया जा रहा है वह दुनियां के लोगों के लिए मिल का पत्थर साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत थाईलैंड दोनों देशों की मित्रता लंबे अरसे से चलते आ रहा है और आगे भी जारी रहेगा। डॉ कौशल को विदेशों में छठा और जीवन का 65 वां अवार्ड मिला है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण धर्म के अनुसार अतिथियों को पौधा देने का विधान है। कार्यक्रम में डॉ कौशल और उनके पुत्र अरुण कुमार जायसवाल एवं रोहित जायसवाल ने सभी अतिथियों को भारत से अपने साथ ले गए पौधा भेंट कर उनका सम्मान किया। डॉ कौशल ने कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों को भारत आने का आमंत्रण भी दिया। अतिथियों ने पर्यावरण धर्म गुरु को बधाई देते हुए ट्री मैन का आमंत्रण स्वीकार कर अपनी सहमति जताई। वन राखी मूवमेंट के प्रणेता डॉ कौशल ने बैंकॉक में अपने संस्था का विस्तार करते हुए निशुल्क पौधा वितरण व रोपण और वृक्षों पर रक्षाबंधन कर 2024 का वनराखी मूवमेंट का शुभारंभ किया। छः दिवसीय विदेश यात्रा से अवार्ड लेकर लौटने पर उनके पड़ोसियों, परिजनों एवं शुभचिंतकों ने पर्यावरणविद डॉ कौशल व पुत्र अरुण जायसवाल का डालटनगंज स्टेशन पर भव्य स्वागत किया। मौके पर डाली बाजार पंचायत के मुखिया पूनम जायसवाल, छतरपुर पूर्वी से जिला परिषद अमित कुमार जायसवाल, कोमल जायसवाल, शिल्पा जायसवाल, सूरज, विकास, आराध्या, आशिविका, आद्रिका, अनुषा, सत्य सिंह, संतोष, रामू व छोटू मौजूद थे।

प्रातः आवाज

संपादकीय

पर्यावरणविद डॉ कौशल को इंटरनेशनल सेमिनार में किया गया सम्मानित

बढ़ते प्रदूषण को नहीं रोका गया तो समाप्त हो जाएगा मानव जीवन लीला : डॉ कौशल

सम्मान ग्रहण करने के बाद इंटरनेशनल मंच के माध्यम से अपने 26 मिनट के संबोधन के दौरान डॉ कौशल ने कहा कि दुनियां में बढ़ते प्रदूषण और बदलते जलवायु परिवर्तन को अगर समय रहते नहीं रोका गया तो डायनासोर की तरह मानव का जीवन लीला भी समाप्त होने में देर नहीं लगेगी।

प्रभात मंत्र संवाददाता

मेदिनीनगर : थाईलैंड के बैंकॉक स्थित हॉलिडे इन में आयोजित इंटरनेशनल सेमिनार इंडो थाई फ्रेंडशिप एशिया समिट को वहां के पूर्व उप प्रधानमंत्री कॉर्न देमोरेंसी और पलामू के लाल ट्री मैन ऑफ झारखंड डॉ कौशल किशोर जायसवाल विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वनराखी मूवमेंट के प्रणेता ने संयुक्तरूप से उद्घाटन किया। इसके बाद उप प्रधानमंत्री ने डॉ कौशल के द्वारा पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय व उत्कृष्ट कार्य करने के लिए उन्हें एशिया एचीवर्स व भारत गौरव अवार्ड देकर सम्मानित किया। सम्मान ग्रहण करने के बाद इंटरनेशनल मंच के माध्यम से अपने 26 मिनट के संबोधन के दौरान डॉ कौशल ने कहा कि दुनियां में बढ़ते प्रदूषण और बदलते जलवायु परिवर्तन को अगर समय रहते नहीं रोका गया तो डायनासोर की तरह मानव का जीवन लीला भी समाप्त होने में देर नहीं लगेगी। उन्होंने उस मंच के माध्यम से दुनियां के तमाम लोगों से जलवायु परिवर्तन व पर्यावरण प्रदूषण की विभीषिका से बचने के लिए अपने धर्मो के साथ पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्रों को अपने जीवन के दिनचर्या में शामिल करने की अपील की। उन्होने कहा कि स्वयं और आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित करने के लिए पर्यावरण धर्म को अपनाना ही विकल्प है। इंटरनेशनल सेमिनार में जुटे कई महारथियों ने अपने संबोधन में पर्यावरणविद डॉ कौशल के इस अपील की न सिर्फ समर्थन व सराहना की बल्कि सभी को अपने दैनिक जीवन में इसे आत्मसात करने का भी मुखालफत किया।

थाईलैंड में एशिया एचीवर्स व भारत के गौरव अवार्ड से नवाजे गए पर्यावरणविद

उप प्रधानमंत्री कॉर्न देमोरैंसी से अवार्ड लेते ट्री मैन डॉ. कौशल

थर्ड आई न्यूज ⏭ डालटनगंज

छह दिवसीय विदेश यात्रा के दौरान थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक स्थित होटल हॉलिडे इन में आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरणविद ट्री मैन ऑफ झारखंड कौशल किशोर जायसवाल वहां के पूर्व उप प्रधानमंत्री कॉर्न देमोरैंसी के हाथों एशिया एचीवर्स व भारत गौरव अवार्ड से नवाजे गए।

कौशल ने बताया कि उनके द्वारा चलाया गया निःशुल्क पौधा वितरण व रोपण के 58वां वर्ष और वनराखी मूवमेंट के 48वां वर्ष पूरा होने पर मोटिवेशनल स्पीकर पॉल नरूला की ओर से आयोजित सम्मान समारोह का उद्घाटन थाईलैंड के पूर्व उप प्रधानमंत्री कॉर्न देमा. रैंसी, पॉल नरूला, डॉ. राजू खान, डॉ. जफर और पर्यावरणविद कौशल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया।

पूर्व उप प्रधानमंत्री ने कौशल को सम्मानित करते हुए कहा कि कौशल द्वारा पर्यावरण के क्षेत्र में लंबे वर्षो से जो निःशुल्क कार्य किया जा रहा है, वह दुनिया के लोगों के लिए मिल का पत्थर साबित हुआ है। भारत थाईलैंड दोनों देशों की मित्रता लंबे वर्षों से चलते आ रहा है और आगे भी जारी रहेगा।

डॉ. कौशल को विदेशों में छठा और जीवन का 65वां अवार्ड मिला है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण धर्म के अनुसार अतिथियों को पौधा देने का विधान है। कार्यक्रम मे डॉ. कौशल और उनके पुत्र अरुण कुमार जायसवाल एवं रोहित जायसवाल ने सभी अतिथियो को भारत से अपने साथ ले गए पौधे भेंट कर उनका सम्मान किया। कौशल ने कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों को भारत आने का आमंत्रण भी दिया। अतिथियों ने आमंत्रण स्वीकार कर अपनी सहमति जताई। श्री कौशल ने संस्था का विस्तार करते हुए निःशुल्क पौधा वितरण व रोपण और पौधों पर रक्षाबंधन कर 2024 का वनराखी मूवमेंट का शुभारंभ किया।

अवार्ड लेकर लौटने पर उनके पड़ोसियों, परिजनों एवं शुभचिंतकों ने पर्यावरणविद कौशल व उनके पुत्र अरुण जायसवाल का डालटनगंज स्टेशन पर स्वागत किया।

मौके पर डाली बाजार पंचायत की मुखिया पूनम जायसवाल, छतरपुर पूर्वी से जिला परिषद अमित कुमार जायसवाल, कोमल जायसवाल, शिल्पा जायसवाल, सूरज, विकास, आराध्या, आशिविका, आद्रिका, अनुषा, सत्य सिंह, संतोष, रामू, छोटू मौजूद थे।

वनराखी मूवमेंट अभियान को 50 देशों तक पहुंचाने का लक्ष्य

मेदिनीनगर, संवाददाता। थाईलैंड के बैंकॉक स्थित हॉलिडे इन में गत सप्ताह आयोजित इंडो थाई फ्रेंडशिप एशिया समिट में एशिया एचीवर्स और भारत गौरव अवार्ड पाकर लौटे पलामू निवासी पर्यावरणविद डॉ कौशल किशोर जायसवाल उत्साह में है। रक्षाबंधन के दिन से प्रारंभ उनके अपने वनराखी मूवमेंट के 49वें वर्ष के पहले सप्ताह में अधिक से अधिक पौधा लगाने और वनराखी करने का लक्ष्य में वे तल्लीन हैं। उन्होंने बताया कि वनराखी मूवमेंट के 50वें वर्ष में 50 देशों तक अभियान को पहुंचाने के लक्ष्य पर वे काम कर रहे हैं।

बैंकाक में पूर्व उप प्रधानमंत्री कॉर्न देबॉरेसी के साथ सेमिनार का उद्घाटन करने वाले पर्यावरणविद डॉ कौशल किशोर जायसवाल को ट्री मैन ऑफ झारखंड के रूप में इंटरनेशनल सेमिनार में सम्मानित किया गया है। इस दौरान उन्होंने इंटरनेशनल मंच के माध्यम से दुनियां में बढ़ते प्रदूषण और बदलते जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए करूण अपील की। साथ ही चेताया कि ऐसा नहीं करने पर मानवता को खत्म होने से कोई रोक नहीं पाएगा।

अवार्ड के साथ डॉ कौशल किशोर जायसवाल।

Environmentalist Dr Kaushal said in the inauguration of Thailand International Seminar after Nepal, Bhutan, Singapore, Malaysia, Russia

If climate change and increasing pollution are not stopped, then human life will end like dinosaurs: Dr Kaushal

If climate change and increasing pollution are not stopped, then human life will end like dinosaurs: Dr Kaushal

DN ■ Palamu

(Neel Kamal Shukla)

The International Seminar Indo Thai Friendship Asia Summit organized at Holiday Inn, Bangkok, Thailand was jointly inaugurated by former Deputy Prime Minister Korn Demorancy and Palamu's Lal Tree Man of Jharkhand Dr Kaushal Kishore Jaiswal, National President of Vishwavidyalaya Paryavaran Sanrakshan Abhiyan, Environmental Dharmaguru and founder of Vanrakkhi Movement. After this, the Deputy Prime Minister honored Dr Kaushal by giving him Asia Achievers and Bharat Gaurav Award for doing remarkable and excellent work in the field of environment. After receiving the honour, during his 26-minute address through the international platform, Dr Kaushal said that if the increasing pollution and changing climate in the world is not stopped in time, then like the dinosaurs, it will not take long for the life of humans to end. Through that platform, he appealed to all the people of the world to include the eight basic knowledge mantras of environmental religion along with their religions in their daily life to avoid the horrors of climate change and environmental pollution. He said that adopting environmental religion is the only option to protect oneself and the coming generation. Many experts gathered in the international seminar not only supported and appreciated this appeal of environmentalist Dr Kaushal in their addresses but also opposed everyone to adopt it in their daily lives.

डॉ. कौशल एशिया अचीवर और भारत गौरव अवॉर्ड से सम्मानित

भास्कर न्यूज़ | मेदिनीनगर

थाईलैंड के बैंकॉक स्थित हॉलिडे इन में आयोजित इंटरनेशनल सेमिनार इंडो थाई फ्रेंडशिप एशिया समिट को पूर्व उप प्रधानमंत्री कॉर्न देमोरेंसी एवं ट्री मैन ऑफ झारखंड सह विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वनराखी मूवमेंट के प्रणेता डॉ. कौशल किशोर जायसवाल ने उदघाटन किया। इसके बाद उप प्रधानमंत्री ने डॉ. कौशल द्वारा पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय व उत्कृष्ट कार्य करने के लिए उन्हें एशिया एचीवर्स व भारत गौरव अवार्ड देकर सम्मानित किया। सम्मान ग्रहण करने के बाद डॉ. कौशल ने कहा कि दुनियां में बढ़ते प्रदूषण और बदलते जलवायु परिवर्तन को अगर समय रहते नहीं रोका गया तो डायनासोर की तरह मानव का जीवन लीला भी समाप्त होने में देर नहीं लगेगी। उन्होंने मंच के माध्यम से दुनियां के तमाम लोगों से जलवायु परिवर्तन व पर्यावरण प्रदूषण की विभीषिका से बचने के लिए धर्मों के साथ पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्रों को जीवन में शामिल करने की अपील की।

डायनासोर की तरह समाप्त हो जाएगा मानव जीवन

संसू, जागरण • मेदिनीनगर (पलामू): दुनिया में बढ़ते प्रदूषण व बदलते जलवायु परिवर्तन को समय रहते नहीं रोका गया तो डायनासोर की तरह मानव जीवन लीला समाप्त होने में देर नहीं लगेगी। ये बातें पलामू के लाल ट्री मैन आफ झारखंड विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. कौशल किशोर जायसवाल ने कही। वे थाईलैंड की राजधानी बैंकाक स्थित हालीडे इन में आयोजित इंटरनेशनल सेमिनार ईटी थाई फ्रेंडशिप एशिया समिट को उद्घाटनकर्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। 26 मिनट के संबोधन के दौरान डा कौशल ने मंच के माध्यम से दुनिया के तमाम लोगों से जलवायु परिवर्तन व पर्यावरण प्रदूषण की

बैंकाक में हुए सेमिनार में बोलते डा .कौशल किशोर जायसवाल • सौ . डा . कौशल

विभीषिका से बचने के लिए अपने-अपने धर्मों के साथ पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्रों को जीवन के दिनचर्या में शामिल करने की अपील की। स्वयं व भावी पीढ़ी को सुरक्षित करने के लिए पर्यावरण धर्म को अपनाना ही विकल्प है। इंटरनेशनल सेमिनार में जुटे कई महारथियों ने अपने संबोधन में पर्यावरणविद डा कौशल की इस अपील का समर्थन के साथ सभी को अपने दैनिक जीवन में इसे आत्मसात करने की आग्रह किया। इससे पूर्व थाईलैंड के पूर्व उप प्रधानमंत्री कार्न देम्बीरैसी ने डा कौशल के पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए एशिया एवॉर्ड्स व भारत गौरव अवार्ड देकर सम्मानित किया।

पर्यावरणविद डॉ कौशल ने थाईलैंड में इंटरनेशनल सेमिनार के उद्घाटन पर कहा

बढ़ते प्रदूषण को नहीं रोका गया तो समाप्त हो जाएगा मानव जीवन

मेदिनीनगर। स.वर्षा।

थाईलैंड के बैंकॉक स्थित हॉलिडे इन में आयोजित इंटरनेशनल सेमिनार इंडो थाई फ्रेंडशिप एशिया समिट का उदघाटन वहां के पूर्व उप प्रधानमंत्री कॉर्न देमोरेंसी और पलामू के लाल ट्री मैन ऑफ झारखंड डॉ. कौशल किशोर जायसवाल ने किया। इसके बाद उप प्रधानमंत्री ने डॉ कौशल के द्वारा पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय व उत्कृष्ट कार्य करने के लिए उन्हें एशिया एचीवर्स व भारत गौरव अवार्ड देकर सम्मानित किया। सम्मान ग्रहण करने के बाद इंटरनेशनल मंच के माध्यम से अपने संबोधन में डॉ कौशल ने कहा कि दुनियां में बढ़ते प्रदूषण और बदलते जलवायु परिवर्तन को अगर समय रहते नहीं रोका गया तो डायनासोर की तरह मानव का जीवन लीला भी समाप्त होने में देर नहीं लगेगी। उन्होने कहा कि स्वयं और आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित करने के लिए पर्यावरण धर्म को अपनाना ही विकल्प है।

डॉ कौशल ने केंद्रीय महिला व बाल शिक्षा मंत्री को किया पौधा भेंट

मेदिनीनगर। पलामू पुलिस अधीक्षक के आवासीय परिसर में पौधारोपण किया गया, जबकि नई दिल्ली तीन मूर्ति 11 लाइन स्थित केंद्रीय महिला, बाल विकास एवं शिक्षा मंत्री अन्नपूर्णा देवी से मिलकर ट्री मैन ऑफ झारखंड व विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वनरखी मूवमेंट के प्रणेता डॉ कौशल किशोर जायसवाल और छतरपुर पूर्वी से जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल ने पर्यावरण धर्म के तहत हिमाचल का कपूर का पौधा भेट कर इस मुलाक. ात को यादगार बनाया। केंद्रीय मंत्री से बातचीत के दौरान डॉ कौशल ने कहा कि विश्व के पहला पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर का निर्माण उनके पैतृक गांव छतरपुर के डाली बाजार में अंतिम चरण में है। उन्होंने मंदिर का फोटो समर्पित करते हुए कहा कि वे अपनी निजी लागत पर पिछले 58 वर्षों से देश दुनिया के लोगों को पर्यावरण बचाने का अभियान चला रखा है। उन्होंने बताया कि आज दुनिया का सबसे बड़ा शत्रु प्रदूषण को भागने के उद्देश्य वे रात दिन एक कर पौधारोपण और वृक्षों पर रक्षाबंधन कर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। ताकि प्रदूषण की विभीषिका से देश व दुनियां के लोगों को समय रहते बचाया जा सके। डॉ कौशल ने कहा कि झारखंड के वन विभाग द्वारा संचालित स्थाई और अस्थाई नर्सरी विकसित करना लगभग बंद हो गया है, जिससे लोगों को पर्याप्त पौधा नहीं मिल पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में लोगों को पौधे बाजारों में उच्चे दामों में लेना मजबूरी हो गया है। वहीं सोमवार को पलामू पुलिस अधीक्षक के विशेष अनुरोध पर उनके आवास प्रांगण में नेपाल का रुद्राक्ष और कर्नाटक का फल लगा हुआ चीकू का पौधा लगाया। मौके पर सूरज कुमार जायसवाल, पुलिस कर्मी संजय कुमार, संतोष प्रजापति, सत्य सिंह व रामू उपस्थित थे।

यूएसए के मैरीलैंड स्टेट यूनिवर्सिटी की ओर से पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल को मिला डॉक्टरेट की मानद उपाधि

पर्यावरणविद कौशल को मिली जीवन की 64 वां और इस वर्ष का तीसरा अवार्ड

नवप्रदेश संवाददाता

पलामू। दिल्ली के इंडिया हैबिटेग सेंटर गुलमोहर में यूएसए के मैरीलैंड स्टेट यूनिवर्सिटी की ओर से आयोजित मानद उपाधि पुरस्कार वितरण समारोह में चांसलर डॉ जॉन एल कालारस, वाइस चांसलर डॉ सौफी नुवानी व देश के कई शीर्ष अधिकारी सहित विदेशी दर्जनों अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में देश के प्रख्यात पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से नवाजा गया। पर्यावरणविद कौशल को पर्यावरण सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए उन्हें डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की मानद उपाधि देकर सम्मानित किया गया है। उक्त अवसर पर उनकी धर्मपत्नी सह मुखिया पूनम जायसवाल व सूरज जायसवाल भी उपस्थित थे। साथ ही उक्त कार्यक्रम में दुनियां के विभिन्न क्षेत्रो में असाधारण कार्य करने वाले कई महान हस्तियों को भी सम्मानित किया गया।

पर्यावरणविद ने पर्यावरण धर्म के प्रावधानों के तहत सम्मान समारोह के मौके पर अफगानिस्तान के डॉ तानजिरे और ऑस्ट्रेलिया के डॉ पिक गैफनी को कपूर का पौधा देकर उनका सम्मान किया। श्री कौशल ने उन्हें अपनी जन्मभूमि पर नवनिर्मित पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित भी किया। पर्यावरणविद कौशल को मिले डॉक्टरेट की उपाधि से उनके परिजनों, रिश्तेदारों, मित्रों व शुभचिंतकों में अपार हर्ष है। डॉक्टरेट की उपाधि लेकर लौटे श्री कौशल के शुभचिंतकों व परिजनों ने डालटनगंज रेलवे स्टेशन पर उनका भव्य स्वागत किया। स्वागत करने वालों प्रो अरुण कुमार जायसवाल, छतरपुर पूर्वी के जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल, कोमल जायसवाल, शिल्पा जायसवाल, आराध्या जायसवाल, आशिविका जायसवाल आद्रिका जायसवाल, अनुषा जायसवाल, समेत कई लोग शामिल थे। वहीं कई शुभचिंतकों ने उनके इस उपलब्धि पर उन्हें शुभकामनाएं भेजी है।

पर्यावरणविद कौशल को मिला जीवन का 64वां और इस वर्ष का तीसरा अवार्ड

पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल को मिला डॉक्टरेट की मानद उपाधि

प्रातः आवाज

पलामू : दिल्ली के इंडिया हैबिटेग सेंटर गुलमोहर में यूएसए के मैरीलैंड स्टेट यूनिवर्सिटी की ओर से आयोजित मानद उपाधि पुरस्कार वितरण समारोह में चांसलर डॉ जॉन एल कालारस, वाइस चांसलर डॉ सौफी नुवानी व देश के कई शीर्ष अधिकारी सहित विदेशी दर्जनों अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में देश के प्रख्यात पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से नवाजा गया। पर्यावरणविद कौशल को पर्यावरण सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए उन्हें डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की मानद उपाधि देकर सम्मानित किया गया है। उक्त अवसर पर उनकी धर्मपत्नी सह मुखिया पूनम जायसवाल व सूरज जायसवाल भी उपस्थित थे।

साथ ही उक्त कार्यक्रम में दुनियां के विभिन्न क्षेत्रो में असाधारण कार्य करने वाले कई महान हस्तियों को भी सम्मानित किया गया। पर्यावरणविद ने पर्यावरण धर्म के प्रावधानों के तहत सम्मान समारोह के मौके पर अफगानिस्तान के डॉ तानजिरे और ऑस्ट्रेलिया के डॉ पिक गैफनी को कपूर का पौधा देकर उनका सम्मान किया। श्री कौशल ने उन्हें अपनी जन्मभूमि पर नवनिर्मित पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित भी किया। पर्यावरणविद कौशल को मिले डॉक्टरेट की उपाधि से उनके परिजनों, रिश्तेदारों, मित्रों व शुभचिंतकों में अपार हर्ष है। डॉक्टरेट की उपाधि लेकर लौटे श्री कौशल के शुभचिंतकों व परिजनों ने डालटनगंज रेलवे स्टेशन पर उनका भव्य स्वागत किया। स्वागत करने वालों प्रो अरुण कुमार जायसवाल, छतरपुर पूर्वी के जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल, कोमल जायसवाल, शिल्पा जायसवाल, आराध्या जायसवाल, आशिविका जायसवाल आद्रिका जायसवाल, अनुषा जायसवाल, समेत कई लोग शामिल थे। वहीं कई शुभचिंतकों ने उनके इस उपलब्धि पर उन्हें शुभकामनाएं भेजी है।

पर्यावरणविद ने अजरबैजान से किया निःशुल्क पौधारोपण व वितरण अभियान का शुभारंभ

पर्यावरण रक्षा की शपथ दिलाते कौशल किशोर।

थर्ड आई न्यूज ⏭ डालटनगंज

'रसियन कंट्री अजरबैजान के राजधानी बाकू के एक होटल मेरीओट में आयोजित सम्मान समारोह में भारत से आये वैसे प्रख्यात लोगों को सम्मानित किया गया, जो समाजसेवा के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा व परिश्रम के बल पर एक अलग पहचान बनाई व ख्याति प्राप्त की है।

सम्मान समारोह का शुभारंभ अजरबैजान के टूरिस्ट डायरेक्टर विश्व के साउथ ईस्ट रौशन व झारखंड पलामू के लाल ट्री मैन से विख्यात विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्म गुरु व वन राखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल ने अपनी धर्मपत्नी सह मुखिया पूनम जायसवाल एवं खडवानी और मौनिका लुइस के साथ संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया।

पर्यावरण धर्म के तहत अतिथियों को पौधा देते हुए पर्यावरणविद ने कहा कि दुनिया को बड़ी दुर्घटना होने से बचाना है तो विश्व के तमाम लोगों को अपना धर्म के साथ–साथ पर्यावरण धर्म के आठ मूल मंत्र को अपनाना होगा। इससे पहले निःशुल्क पौधा वितरण व रोपन के 58वां वर्ष और पर्यावरण धर्म और वनराखी मूवमेंट के 48वां वर्ष पूरा होने पर पौधों पर रक्षाबंधन कर वर्ष 2024 के पौधारोपण व वितरण अभियान का शुभारंभ किया। पिछले वर्ष इस अभियान की शुरुआत पर्यावरणविद कौशल ने सिंगापुर व मलेशिया से किया था।

मौके पर संस्था के कई लोग उपस्थित थे।

epaper.khabarmantra.net

यूएसए के मैरीलैंड स्टेट यूनिवर्सिटी ने पर्यावरणविद कौशल किशोर को दी डॉक्टरेट की मानद उपाधि

- चांसलर ने देश-विदेश के दर्जनों अतिथियों संग पर्यावरणविद को दी डॉक्टर ऑफ फिलोसफी की उपाधि
- मानद उपाधि पुरस्कार वितरण समारोह में शामिल अफगानिस्तान के डॉ तानजिरे व ऑस्ट्रेलिया के विकगैफनी को कौशल ने दिया पौधा
- पर्यावरणविद कौशल को मिला जीवन का 64वां और इस वर्ष का तीसरा अवार्ड

पर्यावरणविद को उपाधि देते अतिथि व परिवार संग कौशल किशोर जायसवाल

खबर मन्त्र संवाददाता

मेदिनीनगर, पलामू। देश की राजधानी नई दिल्ली के लोधी रोड स्थित इंडिया हैबिटेग सेंटर गुलमोहर में यूएसए के मैरीलैंड स्टेट यूनिवर्सिटी की ओर से आयोजित मानद उपाधि पुरस्कार वितरण समारोह में चांसलर डॉ जॉन एल कालारस, वाइस चांसलर डॉ सौफी नुवानी व देश के कई शीर्ष अधिकारी सहित विदेशी दर्जनों अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में देश के प्रख्यात पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से नवाजा गया।

पर्यावरणविद कौशल को पर्यावरण सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए उन्हें डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की मानद उपाधि देकर सम्मानित किया गया है। उक्त अवसर पर उनकी धर्मपत्नी सह मुखिया पूनम जायसवाल व सूरज जायसवाल भी उपस्थित थे। साथ ही उक्त कार्यक्रम में दुनियां के विभिन्न क्षेत्रो में असाधारण कार्य करने वाले कई महान हस्तियों को भी सम्मानित किया गया।

US varsity confers honorary PhD degree to Jharkhand environmentalist

Palamu, July 16 : Jharkhand-borne noted Environmentalist Kaushal Kishore Jaiswal was awarded an honorary doctorate of Philosophy by Maryland State University, USA, in a ceremony organised in national capital, Delhi.

The 62-year-old environmentalist was given a warm welcome at Daltonganj railway station by government official and other dignitaries of Palamau district, along with family members, on Monday morning.

Jaiswal was given the honorary doctorate certificate by Maryland State University Chancellor Dr. John L. Kalara and Vice Chancellor Dr. . Soufi Nuvanu for planting more than 50 lakh saplings in three countries. Jaiswal's wife, along with other notable names from different fields and varsities, were present during the program.

During the event, Jaiswal honoured Dr. Tanjir from Afghanistan and Dr. . Pic Gaffney from Australia by presenting them with camphor plants. The duo was also invited to visit Jaiswal's birthplace to be part of the inauguration ceremony of the newly constructed Environmental Dharma Knowledge Temple.

Jaiswal, a transporter by profession, had started his green mission in the year 1966. Speaking to the media, he said that he started his mission at the age of 12 by planting his first sapling on his birthday, and since then, his mission has covered more than 70 districts in 18 states.

"In 1966, the state was in a drought-like situation, and then my father told me it was due to deforestation. At that moment, I decided to plant trees to save forests," said Jaiswal.

He further added that in the last 52 years, he has planted more than 57 lakh saplings across India, Nepal, and Bhutan. The 62-year-old environmentalist has successfully planted lakhs of saplings without any aid from the government or private agencies.

Talking about his modus operandi, Jaiswal said, "I used to distribute saplings to farmers in the weekly local markets."

Environmentalist Kaushal started the free plantation and distribution campaign from Azerbaijan : Russia

DN ■ Palamu

In the felicitation ceremony organized at Hotel Marriott in Baku, the capital of Russian country Azerbaijan, eminent people from India were honored who have created a different identity and gained fame on the basis of their excellent talent and hard work in various fields of social service. The felicitation ceremony was inaugurated by the tourist director of Azerbaijan, South East Roshan of the world and the Lal Tree Man of Palamu of Jharkhand, the national president of the world-wide environmental protection campaign, environmentalist Kaushal

Kishore Jaiswal, along with his wife and head Poonam Jaiswal, Khadwani and Monika Louis. After the inauguration of the ceremony, while giving saplings to the guests under the environmental religion, environmentalist Kaushal said that if the world has to be saved from a major accident, then all the people of the world will have to adopt the eight basic mantras of environmental religion along with their religion. He also said that if his words are ignored, then like the dinosaurs, it will not take long for the life of 84 lakh lives on earth and the universe to end. Earlier, on completion of 58th year of free sapling distribution and plantation and 48th year of environment religion and Vanrakkhi Movement, he tied Rakshabandhan on trees and started the plantation and distribution campaign of the year 2024. Last year, this campaign was started by environmentalist Kaushal from Singapore.

Bird Park | Night Light Park & More

अजरबैजान में अचीवर अवॉर्ड से नवाजे गए पर्यावरणविद कौशल व मुखिया पूनम

पर्यावरणविद कौशल किशोर को अबतक के जीवन मिल चुका है 63 अवॉर्ड

पर्यावरणविद ने अपनी संस्था को विस्तार करते हुए अजरबैजान में किया कमेटी गठित

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर पलामू। चार दिवसीय विदेश यात्रा से अपनी धर्मपत्नी सह मुखिया पूनम जायसवाल के साथ लौटे पर्यावरणविद कौशल किशोर को उनके लोगों ने भव्य स्वागत किया। श्री कौशल को रशियन कंट्री अजरबैजान में आयोजित समारोह में अचीवर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। जिससे उनके लोगों में खुशी का माहौल है। रशियन कंट्री से अलग हुये अजरबैजान की राजधानी बाकू के होटल मेरीओट में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था। सम्मान समारोह का उद्घाटन विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वनरखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल और धर्मपत्नी व डाली पंचायत के मुखिया पूनम जायसवाल अजरबैजान देश के टूरिस्ट सेल के डायरेक्टर रौशन, मोनिका लुइस, खडवानी के साथ संयुक्तरूप से किया था। समारोह के उद्घाटन के उपरांत पर्यावरण धर्म के अनुसार अतिथियों को पौधा देने का विधान है। इसी तहत कर्नाटक का चंदन और हिमाचल का कपूर का पौधा पर्यावरणविद कौशल व मुखिया पूनम के द्वारा सभी अतिथियों को भेंट किया। अतिथियों ने कपूर का पौधा के पत्ता को टुकड़ा कर सूंघने पर बहुत प्रसन्नता जाहिर की। इस अवसर पर अतिथियों ने पर्यावरणविद को बधाई देते हुये ट्री मैन से संबोधित किया। ट्री मैन कौशल सभी लोगों को बताया कि वे अपनी जन्मभूमि पर अपने निजी खर्चे पर भारत के झारखंड राज्य के पलामू जिले के छतरपुर अनुमंडल के डाली बाजार पंचायत के कौशल नगर में विश्व का पहला पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर का निर्माण करा रहे हैं जिसका निर्माण कार्य आखिरी चरण पर है। उसका उद्घाटन राज्यपाल के द्वारा होना तय हुआ है। उन्होंने वहां के लोगों को उस कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण दिया। वन राखी मूवमेंट के प्रणेता कौशल ने अजरबैजान देश के राजधानी बाकू के लिटिल वेनेस में आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरणविद कौशल ने बताया कि उनके द्वारा चलाया गया निःशुल्क पौधरोपण अभियान और वनराखी मूवमेंट के 48 वां वर्ष और पौधा विरण व रोपण के 58 वां वर्ष पुरा होने पर वहां भी संस्था का विस्तार किया। जिसके तहत अजरबैजान के राष्ट्रीय अध्यक्ष समरीन जैदी और मोनिका लुइस उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। इस अवसर पर पौधों का वितरण व वृक्षों पर रक्षाबंधन किया गया। चार दिवसीय विदेश यात्रा से लौटने पर घर में परिजनों व शुभचिंतकों ने पर्यावरणविद कौशल व मुखिया पूनम जायसवाल का भव्य स्वागत किया। मौके पर प्रो अरुण कुमार जायसवाल, छतरपुर से जिला परिषद अमित कुमार जायसवाल कोमल जायसवाल, शिल्पी जायसवाल, आराध्या जायसवाल आशिविका जायसवाल, आद्रिका जायसवाल व अनुषा जायसवाल मौजूद थे।

पर्यावरणविद कौशल ने नवदंपति व बारातियों को पौधा देकर दी विदाई

वर वधू व बराती को पौधे देते पर्यावरणविद कौशल किशोर

थर्ड आई न्यूज ▶▶ डालटनगंज

विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वन राखी मूवमेंट के प्रणेता मेदिनीनगर के पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल ने उत्तरप्रदेश के सोनभद्र जिले के विंढमगंज में आयोजित शादी समारोह में शामिल सभी बरातियों एवं नवदंपति को पौधा देकर उनके सफल वैवाहिक जीवन की कामना की।

पलामू जिले के छतरपुर के ग्राम पंचायत डाली बाजार निवासी रघुनाथ प्रसाद जायसवाल के पुत्र आलोक कुमार जायसवाल एवं विंढमगंज के महेंद्र जायसवाल की पुत्री सत्या जायसवाल की शादी विंढमगंज में सम्पन्न हुई।

पर्यावरणविद ने आशीर्वाद स्वरुप सभी बरातियों व वर–वधू को थाईलैंड प्रजाति के बराहमासी आम का पौधा देकर आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित रखने के लिए आधुनिक सुख सुविधाओं का कम से कम उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि शिव के समान वृक्ष और ऑक्सीजन के सिलेंडर के समान पौधे होते है, जिससे धरती और ब्रह्मांड के 84 लाख योनि जीवों की रक्षा होगी। पर्यावरणविद ने कहा कि पौधे पृथ्वी पर साक्षात देव है, जिनकी पूजा सदियों से होते आ रही है।

समारोह में कंचन देवी, मधु देवी, पंडित शंभू मिश्रा, नंदलाल तिवारी, योगेंद्र प्रसाद, रघुवंश प्रसाद, दीनानाथ प्रसाद, गिरीश कुमार, रविंद्र प्रसाद, धीरज जायसवाल, संजय जायसवाल, रामजी प्रसाद, सुमित कुमार, अमन कुमार, लखन प्रसाद, वीरेंद्र प्रसाद, सूरज, गोकुल राज, दीपक, प्रिंस जायसवाल, मृत्युंजय विश्वकर्मा, सयदेव प्रसाद, विजय यादव, रजनी, रिंकी, ललिता, पिंकी, स्वीटी, लवली, गुड्डी, धर्मदेव यादव, सरोज कुमार, अजीत कुमार जायसवाल, राजेंद्र जायसवाल, प्राचीन जायसवाल, नंदू प्रजापति, सविता देवी, नुनी, रानी आदि शामिल थी।

विश्व वानिकी दिवस पर पर्यावरणविद ने लगाए पौधे, वृक्षों पर किया रक्षाबंधन

वनों पर रक्षाबंधन करते पर्यावरणविद व पर्यावरण से जुड़े लोग।

थर्ड आई न्यूज ▶▶ छतरपुर (पलामू)

विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल ने जिले के छतरपुर अनुमंडल के डाली बाजार पंचायत के कौशल नगर परिसर व जैविक पार्क में पौधारोपण व वृक्षों पर रक्षाबंधन कर 54वां विश्व वानिकी दिवस व अपनी पोती आद्रिका का छठी जन्मोत्सव मनाया।

मौके पर श्री कौशल ने पर्यावरण धर्म की प्रार्थना के साथ पौधारोपण कर कार्यक्रम में शामिल लोगों को पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्रों की शपथ दिलाई। कौशल ने कहा कि समय रहते अगर लोग सचेत नही हुए तो कोरोना की कहर से भी ज्यादा तबाही प्रदूषण के जहर से मचेगी। पर्यावरण धर्म से जुड़े लोगों के साथ पर्यावरणविद ने वनों पर राखी बांधकर उसे बचाने की शपथ दिलाई। कौशल ने पर्यावरण प्रेमियों को शॉल देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि प्रकृति से केवल लेना नहीं देना भी सीखें।

अध्यक्षता धर्मदेव यादव ने की, जबकि संचालन छतरपुर पूर्वी जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल के प्रतिनिधि सुचित कुमार ने किया।

धन्यवाद ज्ञापन पूर्व उप मुखिया अफजल अंसारी ने किया।

मौके पर जुबेर अंसारी, सूरज देव यादव, कृष्ण प्रसाद, सत्येंद्र प्रसाद, कामेश्वर राम, कामेश्वर सिंह, रूपेश कुमार, अजय कुमार, श्रवण कुमार, विशाल कुमार समेत कई लोग शामिल थे।

पृथ्वी दिवस पर पर्यावरणविद ने पौधरोपण कर किया हिंडालको के कार्यक्रम का शुभारंभ

पृथ्वी से केवल लेना ही नहीं, देना भी सीखें : कौशल किशोर

- कठौतिया ओपन कास्ट कोल माइंस की ओर से पृथ्वी दिवस पर कजरी मध्य विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

प्रातः आवाज

वृक्षों पर रक्षाबंधन करते व पर्यावरण धर्म की शपथ दिलाते पर्यावरण धर्मगुरु कौशल किशोर

मेदिनीनगर। हिन्डालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड के कठौतिया ओपन कास्ट कोल माइंस की सीएसआर की ओर से पृथ्वी दिवस पर सोमवार को कजरी मध्य विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वन राखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल, विशिष्ट अतिथि पाटन वन क्षेत्र के प्रभारी वनपाल राजु रजक, पंचायती राज पदाधिकारी मनोज मिश्रा ने भाग लिया। पर्यावरणविद ने कार्यक्रम का उद्घाटन पर्यावरण धर्म के प्रार्थना के साथ थाईलैंड प्रजाति के बारहमासी आम का पौधा लगा कर किया। श्री कौशल ने पृथ्वी दिवस पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए हिंडाल्को के सीएसआर की टीम की सराहना की।

उन्होंने कहा कि प्रकृति से हमें सिर्फ लेने नहीं कुछ देने की परंपरा को विकसित करने की जरूरत है। मानवीय भूल के कारण बड़े पैमाने पर वनों को समाप्त कर दिया गया जिसका परिणाम यह है कि पूरा पर्यावरण प्रदूषित हो गया। जिसके कारण आज तापमान लगातार बढ़ रहा है और सुखाड़ अकाल की विभीषिका झेलनी पड़ रही है। इससे बचने के लिये हम सभी को पर्यावरण धर्म के आठ मूल मंत्र अपनाने होंगे। अपने घरों में होने वाले उत्सवों को यादगार बनाने के लिए पौधरोपण कर उसे बचाने का संकल्प लेने की जरूरत है। पर्यावरण धर्म गुरु कौशल ने कहा कि वे 1967 से लगातार पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरुकता कार्यक्रम के साथ पौधरोपण एवं वितरण करते आ रहे हैं। उनके इस उल्लेखनीय कार्यों को आइसीएससी एवं सीबीएसई पाठ्यक्रम में पढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कार्यक्रम का समापन वृक्षों पर रक्षाबंधन कर किया।

प्रभारी वनपाल राजु रजक ने कहा कि आने वाले कल की खुशहाली के लिए सभी को पौधरोपण करना होगा।

पंचायती राज पदाधिकारी मनोज मिश्रा ने लोगों से पौधा लगाने के साथ साथ अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। सीएसआर हेड शोभा रानी मोहंती ने कहा कि जब तक सामूहिक भागीदारी नहीं होगी तब तक पर्यावरण का संरक्षण नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज प्लास्टिक के प्रयोग से सबसे ज्यादा प्रदूषण फैल रहा है। प्लास्टिक मानव जीवन के लिए जहर के समान है। इसलिए प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करने का संकल्प लेने की जरूरत है।

मौके पर हिंडाल्को के दीपनारायण सिंह, विद्यालय के प्रधानाध्यापक अशोक पाठक, अरुण तिवारी, ब्रजेश सिंह, सुहानी कुमारी, अनीता भगत, रेणु देवी, अंजय मेहता सहित कई लोग मौजूद थे।

देश व विदेश में अबतक 61 अवार्ड से सम्मानित हो चुके हैं कौशल किशोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : रांची के बीएनआर, चाणक्य होटल में आयोजित एक सम्मान समारोह में सूबे के विधानसभा अध्यक्ष रविन्द्रनाथ महतो ने प्रख्यात पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल व मुखिया पूनम जायसवाल को प्राइड ऑफ झारखंड अवार्ड देकर सम्मानित किया। इसके पूर्व समारोह का शुभारंभ विस अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर पर्यावरण विद कौशल किशोर जायसवाल व मुखिया पूनम जायसवाल ने विस अध्यक्ष को सिंगापुर के फिडल लिफ्ट और थाईलैंड का बारहमासी आम का पौधा प्रदान किया। समारोह में विधानसभा

अध्यक्ष श्री महतो ने राज्य भरसे आये विभिन्न क्षेत्रो में विख्यात लोगों को बारी- बारी से सम्मानित किया। उन्होंने पर्यावरण के क्षेत्र में विख्यात विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्म गुरु व वनरखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल को शॉल व मोमेंटो देकर सम्मानित किया । इस अवसर पर उनके धर्मपत्नी सह डाली पंचायत के मुखिया पूनम जायसवाल भी उपस्थित थीं। यह उल्लेखनीय है कि पर्यावरणविद व धर्मगुरु कौशल किशोर को अबतक देश, विदेश में 61 अवार्ड मिल चुके हैं। सम्मानित होने के बाद वन राखी मूवमेंट के प्रणेता कौशल ने कहा है कि पिछले 18 माह के भीतर उन्हें नौ अवार्ड मिला है। पर्यावरणविद को सूबे के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, विधानसभा अध्यक्ष, रविंद्र नाथ महतो, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, सुबे के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, सांसद संजय सेठ, राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश समेत पलामू के तत्कालीन प्रमंडलीय आयुक्त जटाशंकर चौधरी, उपायुक्त आंजनयेलु डोडे , पुलिस अधीक्षक चंदन सिन्हा सहित कई राज्यों के कई स्कूलों के प्रिंसिपल द्वारा उन्हें अवार्ड मिल चुका है। उन्होंने यह भी बताया उन्हें पिछले वर्ष मलेशिया में भी आइकॉन ऑफ हिंदुस्तान नामक अवार्ड से सम्मानित किया गया है। उक्त समारोह में उनकी धर्मपत्नी और संस्था के प्रधान सचिव सह डाली बाजार पंचायत के मुखिया पूनम जायसवाल भी दर्जनों कार्यक्रम में उपस्थित होकर साक्षी बनी रहीं जो उनके जीवन में गौरव का क्षण है।

देश व विदेश में अबतक 61 अवार्ड से सम्मानित हो चुके है पर्यावरण धर्म गुरु

प्राइड ऑफ झारखंड अवार्ड से सूबे के विस अध्यक्ष के हाथों नवाजे गए प्रख्यात पर्यावरणविद व मुखिया

उत्कल मेल संवाददाता

पलामू : रांची के बीएनआर, चाणक्य होटल में आयोजित एक सम्मान समारोह में सूबे के विधानसभा अध्यक्ष रविन्द्रनाथ महतो ने प्रख्यात पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल व मुखिया पूनम जायसवाल को प्राइड ऑफ झारखंड अवार्ड देकर सम्मानित किया।इसके पूर्व समारोह का शुभारंभ विस अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मौके पर पर्यावरण विद कौशल किशोर जायसवाल व मुखिया पूनम जायसवाल ने विस अध्यक्ष को सिंगापुर के फिडल लिफ्ट और थाईलैंड का बारहमासी आम का पौधा प्रदान किया। समारोह में

विधानसभा अध्यक्ष श्री महतो ने राज्य भरसे आये विभिन्न क्षेत्रो में विख्यात लोगों को बारी- बारी से सम्मानित किया।उन्होंने पर्यावरण के क्षेत्र में विख्यात विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्म गुरु व वनरखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल को शॉल व मोमेंटो देकर सम्मानित किया । इस अवसर पर उनके धर्मपत्नी सह डाली पंचायत के मुखिया पूनम जायसवाल भी उपस्थित थीं। यह उल्लेखनीय है कि पर्यावरणविद व धर्मगुरु कौशल किशोर को अबतक देश, विदेश में 61 अवार्ड मिल चुके हैं। सम्मानित होने के बाद वन राखी मूवमेंट के प्रणेता कौशल ने कहा है कि पिछले 18 माह के भीतर उन्हें नौ अवार्ड मिला है। पर्यावरणविद को सूबे के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, विधानसभा अध्यक्ष, रविंद्र नाथ महतो, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, सुबे के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, सांसद संजय सेठ, राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश समेत पलामू के तत्कालीन प्रमंडलीय आयुक्त जटाशंकर चौधरी, उपायुक्त आंजनयेलु डोडे , पुलिस अधीक्षक चंदन सिंन्हा सहित कई राज्यों के कई स्कूलों के प्रिंसिपल द्वारा उन्हें अवार्ड मिल चुका है। उन्होंने यह भी बताया उन्हें पिछले वर्ष मलेशिया में भी आइकॉन ऑफ हिंदुस्तान नामक अवार्ड से सम्मानित किया गया है। उक्त समारोह में उनकी धर्मपत्नी और संस्था के प्रधान सचिव सह डाली बाजार पंचायत के मुखिया पूनम जायसवाल भी दर्जनों कार्यक्रम में उपस्थित होकर साक्षी बनी रहीं जो उनके जीवन में गौरव का क्षण है।

विस अध्यक्ष रबिन्द्र नाथ महतो ने पर्यावरणविद कौशल जायसवाल को किया सम्मानित

प्रातः आवाज

मेदिनीनगर। रांची के बीएनआर चाणक्य होटल में आयोजित एक सम्मान समारोह में सूबे के विधानसभा अध्यक्ष रविन्द्रनाथ महतो ने प्रख्यात पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल व मुखिया पूनम जायसवाल को प्राइड ऑफ झारखंड अवार्ड देकर सम्मानित किया। इसके पूर्व समारोह का शुभारंभ विस अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मौके पर पर्यावरण विद कौशल किशोर जायसवाल व मुखिया पूनम जायसवाल ने विस अध्यक्ष को सिंगापुर के फिडल लिफ्ट और थाईलैंड का बारहमासी आम का पौधा प्रदान किया। समारोह में विधानसभा अध्यक्ष श्री महतो ने राज्य भरसे आये विभिन्न क्षेत्रों में विख्यात लोगों को बारी-बारी से सम्मानित किया। उन्होंने पर्यावरण के क्षेत्र में विख्यात विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्म गुरु व वनरखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल को शॉल व मोमेंटो देकर सम्मानित किया। यह उल्लेखनीय है कि पर्यावरणविद व धर्मगुरु कौशल किशोर को अबतक देश, विदेश में 61 अवार्ड मिल चुके हैं। सम्मानित होने के बाद वन राखी मूवमेंट के प्रणेता कौशल ने कहा है कि पिछले 18 माह के भीतर उन्हें नौ अवार्ड मिला है। पर्यावरणविद को सूबे के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, विधानसभा अध्यक्ष, रविंद्र नाथ महतो, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, सुबे के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, सांसद संजय सेठ, राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश समेत पलामू के तत्कालीन प्रमंडलीय आयुक्त जटाशंकर चौधरी, उपायुक्त आंजनयेलु डोडे, पुलिस अधीक्षक चंदन सिंन्हा सहित कई राज्यों के कई स्कूलों के प्रिंसिपल द्वारा उन्हें अवार्ड मिल चुका है। उक्त समारोह में उनकी धर्मपत्नी और संस्था के प्रधान सचिव सह डाली बाजार पंचायत के मुखिया पूनम जायसवाल भी दर्जनों कार्यक्रम में उपस्थित होकर साक्षी बनी रहीं जो उनके जीवन में गौरव का क्षण है।

श्राद्धकर्म में केवल सांकेतिक दान से नहीं बल्कि पौधा दान करने से ही मिलेगी मृतक की आत्मा को शांति : कौशल

प्रातः आवाज

पलामू। रांची के कार्निवाल बैंक्वेट हॉल में हटिया विधायक नवीन जायसवाल की दिवंगत मां शांति जायसवाल के श्राद्धकर्म में शामिल होकर विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वन राखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल ने मृतक की आत्मा की शांति व कार्यक्रम को यादगार बनाने के लिए विधायक नवीन जायसवाल को घर का प्रदूषण मुक्त करने वाला सिंगापुर का पौधा फीडललीफ व थाईलैंड का बारहमासी आम का पौधा दान कर उसे बच्चों की भांति सुरक्षा देकर लगाने व बचाने की अपील की। उन्होंने पौधा समर्पित करते हुए यह भी कहा कि इससे न सिर्फ मृतक की आत्मा को शांति मिलेगी वरना उसकी छाया भी आपके जीवन में मां की आशीर्वाद की तरह अनवरत मिलता रहेगा जिससे आप सदैव प्रगति के पथ पर आगे बढ़ते रहेंगे।

मौके पर दिवंगत शांति जायसवाल के पति शिव शंकर जायसवाल, पुत्र सह हटिया विधायक नवीन जायसवाल पुत्र निशित जायसवाल, गोपाल भगत, विनय जायसवाल, अविनाश जायसवाल, संजीव जायसवाल के अलावे प्रतिपक्ष के नेता अमर बावरी रांची के सांसद संजय सेठ, राज्य सभा सांसद आदित्य साहू, दीपक प्रकाश व भाजपा संगठन के पदाधिकारी पांकी विधायक कुशवाहा शशिभूषण मेहता, डाल्टनगंज विधायक आलोक चौरसिया समेत दर्जनों विधायक एवं हटिया विधानसभा क्षेत्र के हजारों नेता और कार्यकर्ता महिला पुरुष श्राद्धकर्म में शामिल होकर मृतक की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

पलामू

झारखंड सोशल एक्सीलेंस अवार्ड से नवाजे गये पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल

नेपाल, भूटान, सिंगापुर, मलेशिया सहित देश व विदेश के कई प्रांतों में पर्यावरणविद को अब तक मिल चुका है 58 अवार्ड

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। रांची के होटल चाणक्या बीएनआर में आयोजित झारखंड सोशल एक्सीलेंस सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि सूबे के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के साथ रांची सांसद संजय सेठ, राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, डीजीपी अजय सिंह ने संयुक्तरूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। मौके पर अतिथियों ने राज्यभर से आए सामाजिक कार्यकर्ताओं को शॉल व मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

उक्त कार्यक्रम में विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्म गुरु व वनरखी मुवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल को अतिथियों ने शॉल व स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित

किया। सम्मानित होने के बाद अपने संबोधन में पर्यावरणविद व धर्मगुरु कौशल ने देशवासियों को शुभकामना देते हुए कहा है कि दूर दृष्टि, कड़ी मेहनत और पक्का इरादा के साथ किये गये निःस्वार्थ कार्य कभी बेकार नहीं होता है। उन्होंने कहा कि पांच दशक से उनके द्वारा समाजसेवा के क्षेत्र में लगाय गये पौधा अब फल देने लगा है। यही कारण है कि अक्टूबर से सितंबर माह के इस 11 महीने की अवधि में अबतक सूबे के राज्यपाल,विस अध्यक्ष सहित कई नामीगिरामी हस्तियों के हाथ नी अवार्ड मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ हैं।

वन राखी मुवमेंट के प्रणेता कौशल ने कहा है कि इस वर्ष उन्हें सूबे के राज्यपाल, सीपी राधाकृष्णन जी से दो बार, विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, सूबे के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, रांची सांसद संजय सेठ,राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, पलामू प्रमंडलीय आयुक्त जटाशंकर चौधरी, तत्कालीन उपायुक्त ए दोड्डे, पुलिस अधीक्षक चंदन सिन्हा सहित कई स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा उन्हें अवार्ड मिला है।

उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें और उनकी धर्मपत्नी सह डाली बाजार के मुखिया पूनम जायसवाल को इस वर्ष मलेशिया में आयोजित कार्यक्रम में आइकॉन ऑफ हिंदुस्तान नामक अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। जो उनके जीवन में गौरव का क्षण है। कार्यक्रम में रांची विवि के वाईस चांसलर, विधायक सीपी सिंह समेत सूबे के कई गणमान्य लोग शामिल थे।

झारखंड सोशल एक्सीलेंस अवार्ड से नवाजे गये पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल

नेपाल, भूटान, सिंगापुर, मलेशिया सहित देश व विदेश के कई प्रान्तों में पर्यावरणविद को अबतक मिल चुका है 58 अवार्ड

खबर मन्त्र संवाददाता

मेदिनीनगर। रांची के होटल चाणक्या बी एन नार में आयोजित झारखंड सोशल एक्सीलेंस सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि सूबे के स्वास्थ्य मंत्री बना गुप्ता के साथ रांची सांसद संजय सेठ, राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, डीजीपी अजय सिंह ने संयुक्तरूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उदघाटन किया। मौके पर अतिथियों ने राज्यभर से आए सामाजिक कार्यकर्ताओं को शॉल व मोमेंटो देकर सम्मानित किया। उक्त कार्यक्रम में विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्म गुरु व वनरखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल को अतिथियों ने शॉल व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। सम्मानित होने के बाद अपने संबोधन में पर्यावरणविद व धर्मगुरु कौशल ने कहा कि दूर दृष्टि, कड़ी मेहनत और पक्का इरादा के साथ किए गए निःस्वार्थ कार्य कभी बेकार नहीं होता है। उन्होंने कहा कि पांच दशक से उनके द्वारा समाजसेवा के क्षेत्र में लगाये गए पौधा अब फल देने लगा है। यही कारण है कि अक्टूबर से सितंबर माह के इस 11 महीने की अवधि में अबतक सूबे के राज्यपाल, विस अध्यक्ष सहित कई नामीगिरामी हस्तियों के हाथ 9 अवार्ड मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ हैं। उउन्होंने यह भी बताया उन्हें एवं उनकी धर्मपत्नी सह डाली बाजार के मुखिया पूनम जायसवाल को इस वर्ष मलेशिया में आयोजित कार्यक्रम में आइकॉन ऑफ हिंदुस्तान अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। जो उनके जीवन में गौरव का क्षण है।

वन राखी मूवमेंट ने उजड़े जंगल में ला दी हरियाली

पर्यावरणविद व जिला पार्षद ने पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास से की शिष्टाचार मुलाकात

मेदिनीनगर, मनिका, झारखंड,पूर्व मुख्यमंत्री को पौधा देते पर्यावरणविद व पार्षद अमित

विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु वनराखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल ने पलामू प्रमंडल के दौरे पर आए भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान पर्यावरणविद श्री कौशल ने पर्यावरण धर्म के तहत नाइजीरिया के गेस्ट रूम में रखने वाले डीलपलिप के पौधा देकर मुलाकात को यादगार बनाया। श्री कौशल ने पर्यावरण के क्षेत्र में अपने द्वारा पिछले 56 वर्षों से चलाए जा रहे अभियान की विस्तृत जानकारी रघुवर दास को दिया। श्री जायसवाल ने पूर्व मुख्यमंत्री को बताया कि कोरोना काल के बाद देश के कई राज्यों में पर्यावरण धर्म और वन राखी मूवमेंट पर कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। उन्होंने अभी दक्षिण भारत में किये गए कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए नेपाल भूटान समेत हिमाचल उत्तराखंड में कार्यक्रम के आयोजन के सम्बंध में जानकारी दिया।

विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु वनराखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल ने पलामू प्रमंडल के दौरे पर आए भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास से शिष्टाचार मुलाकात की।

उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री से राज्य में सुखाड़ की स्थिति पर भी चर्चा की। साथ ही यह भी कहा कि जन और जानवरों के लिए जल की मुकम्मल व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आदमी तो नल और चापाकल से अपनी प्यास बुझा लेंगे लेकिन वन्य प्राणियों की जान पानी के बगैर नहीं बच पाएगी। उन्होंने वन्य प्राणियों को जल संकट की विभीषिका से बचाने की अपील की।

मौके पर उपस्थित छतरपुर पूर्वी के जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल ने भी पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास जी को बुके देकर मुलाकात की । इस अवसर पर भाजपा के पलामू प्रभारी विनय कुमार जायसवाल, विधायक आलोक चौरसिया, पूर्व विधायक हरे कृष्णा सिंह ,भाजपा प्रशिक्षण प्रदेश अध्यक्ष कुमार मनोज सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष विजयानंद आनंद पाठक ,महापौर अरुणा शंकर, चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष आनंद शंकर, वैश्य प्रदेश अध्यक्ष ज्ञान शंकर, नागेंद्र पांडेय, श्याम बाबू , नवल तुलस्यान, रिंकू दुबे, अरविंद गुप्ता, दिपल,प्रेम कुमार, भाजपा महिला अध्यक्ष सीटू गुप्ता रामा पांडे महावीर साव, पंकज सिंह, भारत बाबू लोग शामिल थे।

Make new year of Vikram Samvat 2080 memorable, environmentalist planted Japanese Kohinoor mango plant under environmental religion

State's first park in Kaushal Nagar built at a personal cost of crores and the world's first environmental religious knowledge temple:Amit and Poonam

DN ■ Palamu

At Mohanlal Khurja and Parvati Devi Park located in Kaushal Nagar of Chhatarpur subdivision of Chhatarpur subdivision of Palamu district, environmentalist Kaushal Kishore Jaiswal, National President of Worldwide Environment Conservation Campaign and pioneer of Environment Religion and Van Rakhi Movement, presented Kohinoor mangoes from Japan on New Year. Welcoming Vikram Samvat 2080 along with our people made it memorable by planting vermilion sapling of Bhutan. Vanbhoj was also organized on the said occasion. The people involved in the Van Bhoj program were administered the oath of the eight basic mantras of the environmental religion by planting saplings along with the prayers of environmental religion. He said that it is the civilization and culture of our country that whenever any religious ritual takes place, it starts with offering prayers to the couple by tying knots with Vedic chants. Vermilion is very important in worship, but due to adulteration not being found right today, people need to plant vermilion on a large scale. So that people can get rid of adulterated vermilion and people can also be saved from its harm.Environmental religious leader Kaushal said that people celebrate Happy New Year in the cold weather. But when there is an immense feeling of spiritual bliss after the arrival of the normal season Rituraj spring and the new makeup of nature.

11 अप्रैल, 2023 थर्ड आई ऑफ झारखण्ड

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा व पूर्व सीएम मरांडी ने कौशल को दिया झारखंड का गौरव सम्मान

बाबूलाल मरांडी कौशल को व अन्नपूर्णा देवी ने पूनम को सम्मानित करते।

एजेंसिया ▶▶ रांची

रांची के रेडिसनब्लू होटल में आयोजित कार्यक्रम में सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल को झारखंड का गौरव नामक सम्मान से सम्मानित किया। कार्यक्रम में राज्य के वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव, संसदीय मंत्री आलमगीर आलम एवं रांची के सांसद संजय सेठ आदि भी शामिल थे।

विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वन राखी मूवमेंट के प्राणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल ने बाबूलाल मरांडी को और वीपीएसए संस्था के प्रधान सचिव सह छतरपुर के पंचायत डाली बाजार के मुखिया पूनम जायसवाल ने केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी को बेडरूम में रखने वाले विदेशी पौधा फिडललीप देकर कार्यक्रम को यादगार बनाया।

इसके उपरांत बाबूलाल मरांडी और अन्नपूर्णा देवी ने पर्यावरणविद कौशल किशोर और मुखिया पूनम जायसवाल को झारखंड का गौरव नामक सम्मान और प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस सम्मान से सम्मानित होते ही उनके जीवन काल में एक और सम्मान जुड़ गया। अबतक उन्हें देश और विदेश के सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों द्वारा 50 पुरस्कार व सम्मान मिल चुका है। उनके अभियान के 56 वर्षों में अबतक 50 लाख पौधे वितरण व रोपण करने का कीर्तिमान शामिल है।

सम्मान समारोह में छतरपुर पूर्वी के जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल, प्रो. अरुण कुमार जायसवाल, कोमल जायसवाल, शिल्पा जायसवाल, आराध्या जायसवाल, आशिका जायसवाल, आद्रिका एवं अनुषा भी शामिल थे।

Under the 8 basic mantras of environmental religion, there is a law to give saplings to the guests, not bouquets: Kaushal and Poonam

Environmentalist honored with Jharkhand's Pride Award in Ranchi by Union Minister Annapurna Devi and former Chief Minister Babulal Marandi

DN ■ Palamu

State's first Chief Minister Babulal Marandi honored environmentalist Kaushal Kishor Jaiswal with an honor named Pride of Jharkhand in a program organized at Radisson Blu Hotel in Ranchi. Chief guest of the program, Union Minister of State for Education Annapurna Devi, special guest former Chief Minister of the state Babulal Marandi and state Finance Minister Rameshwar Oraon, Parliamentary Minister Alamgir Alam and Ranchi MP Sanjay Seth inaugurated the program by lighting the lamp. Environmentalist Kaushal Kishore Jaiswal, national president of the Worldwide Environment Protection Campaign, co-environmental religious leader and founder of Van Rakhi Movement, Babulal Marandi and Poonam Jaiswal, principal secretary of VPSA organization and head of

Chhatarpur's Panchayat Duli Bazar, kept Union Minister Annapurna Devi in the bedroom. Made the program memorable by giving fiddlelip, an exotic plant. After this, Babulal Marandi and Annapurna Devi honored environmentalist Kaushal Kishore and chief Poonam Jaiswal by giving them the pride of Jharkhand and giving them citation and momento. As soon as he was honored with this honor, another honor was added to his lifetime. So far he has received 50 awards and honors from government and non-government institutions of the country and abroad. In the 56 years of his campaign, the record of distribution and planting of 50 lakh saplings has been included so far.

Kaushal, the leader of the One Rakhi Movement, has said that with vision, hard work and determination, he started the mission day and night. He said that only human beings are served by social service, but environmental service protects 84 lakh species of this universe. He has said that from childhood till today, he has tried to avert the third world war water crisis and the fourth world war oxygen crisis by running the campaign to save the jungle. This campaign started to get freedom from pollution has brought a lot of awareness among the people. It is the result of this awareness that today most of the programs are being started with plantation. Not only this, the government has also paid special attention to plantation. Everyone appreciates his campaign.

झारखंड का गौरव सम्मान से नवाजे गये पर्यावरणविद कौशल

मेदिनीनगर। सवर्षा। रांची के रेडिसन ब्लू होटल में आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल को झारखंड का गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी, विशिष्ट अतिथि राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी और राज्य के वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव, संसदीय मंत्री आलमगीर आलम एवं रांची के सांसद संजय सेठ ने कार्यक्रम का उदघाटन दीप प्रज्ज्वलित कर किया। पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल ने बाबूलाल मरांडी को और वीपीएसए संस्था की प्रधान सचिव सह छतरपुर के डाली बाजार पंचायत के मुखिया पूनम जायसवाल ने केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी को बेडरूम में रखने वाले विदेशी पौधा फिडललीप देकर कार्यक्रम को यादगार बनाया। बाबूलाल मरांडी और अन्नपूर्णा देवी ने पर्यावरणविद कौशल किशोर और मुखिया पूनम जायसवाल को झारखंड का गौरव सम्मान, प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

कौशल किशोर ने कहा है कि दूर दृष्टि, कड़ी मेहनत और पक्का इरादा के साथ रात–दिन एक करके उन्होंने मिशन की शुरुआत की थी। समाज सेवा से केवल मानव की सेवा होती है परंतु पर्यावरण सेवा से इस ब्रह्मांड के 84 लाख जीवों की सुरक्षा होती है। बचपन से आज तक जंगल लगाओ जंगल बचाओ अभियान चलाकर तीसरा विश्वयुद्ध जल संकट और चौथा विश्वयुद्ध ऑक्सीजन संकट को टालने का प्रयास किया है। प्रदूषण से आजादी दिलाने के लिए शुरू किये गये इस अभियान से लोगों में काफी जागरूकता आयी है। इसी का प्रतिफल है कि आज अधिकांश कार्यक्रमों का शुभारंभ पौधरोपण से किया जा रहा है। इतना ही नहीं सरकार ने भी पौधरोपण पर विशेष ध्यान दिया है। आज हर कोई उनके अभियान की सराहना करता है। मुखिया पूनम जायसवाल ने कहा है कि प्रदूषण से आजादी पाना है तो लोगों को अपने धर्म के साथ पर्यावरण धर्म के 8 मूल मंत्रों को भी अपनाना होगा। सम्मान समारोह में छतरपुर पूर्वी के जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल, प्रो. अरुण कुमार जायसवाल, कोमल जायसवाल, शिल्पा जायसवाल, आराध्या जायसवाल, आशिका जायसवाल, आद्रिका एवं अनुषा भी शामिल थे।

उज्ज्वल दुनिया

डीसी-एसपी ने पर्यावरणविद कौशल को किया सम्मानित

रांची, बुधवार
19.04.2023

मेदिनीनगर

पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए जिले के डीसी एसपी ने पर्यावरणविद कौशल को किया सम्मानित

खबर मन्त्र संवाददाता

कार्यक्रम में पर्यावरणविद कौशल जायसवाल को सम्मानित करते डीसी, एसपी।

मेदिनीनगर। जिले के पुलिस स्टेडियम में आयोजित कवि सम्मेलन का उदघाटन पलामू के उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे, पुलिस अधीक्षक चंदन सिन्हा, समाजसेवी अजय पांडेय और विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वन रक्षी मूवमेंट के प्राणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल ने संयुक्तरूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में पर्यावरण के क्षेत्र में पिछले 56 वर्षों से देश विदेश के कई राज्यों में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपायुक्त दौड़े एवं विशिष्ट अतिथि पुलिस कप्तान चंदन कुमार सिन्हा ने पर्यावरणविद कौशल किशोर एवं उनकी धर्मपत्नी सह बीपीएसए संस्था के प्रधान सचिव व छतरपुर ग्राम पंचायत डाली बाजार के मुखिया पूनम जायसवाल को पुष्पगुच्छ एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कवि सम्मेलन में देश के विभिन्न हिस्सों से आये नामचीन कवियों ने कार्यक्रम में शामिल लोगों को अपनी अंदाजों से खूब गुदगुदाया। पर्यावरणविद ने कहा कि आज समाज के अधिकांश लोग प्रदूषण के चपेट में हैं और अपने दैनिक कार्यों के निष्पादन में काफी परेशान व तनाव में है वैसी स्थिति में हास्य कवि सम्मेलन तनावों व तन और मन का प्रदूषण को दूर करने में कारगर साबित होता है। उन्होंने कहा कि कवियों के साथ जिले के पुलिस अधीक्षक ने अपने सम्बोधन में ही हास्य रस के कई प्रसंग प्रस्तुत कर समां बांध दिया था। कार्यक्रम में विभिन क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले शहर के कई हस्तियों को भी मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि के द्वारा सम्मानित किया गया।

बीएससी नर्सिंग ट्रेनिंग सेंटर में हुआ पोषणीय कार्यक्रम, विशेष आहार के बारे में दी गयी जानकारी

जनता दरबार

पर्यावरणविद ने तीन अनाथ बेटियों का किया कन्यादान

मुखिया और जिला पार्षद ने भी निभायी रस्म, पौधे देकर बारातियों का किया स्वागत

मेदिनीनगर। स. वर्षा।

पलामू जिले के छतरपुर अनुमंडल क्षेत्र स्थित चेगोना धाम विवाह मंडप में तीन अनाथ कन्याओं का विवाह विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वन राखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल और उनकी धर्मपत्नी डाली बाजार की मुखिया व बीपीएसए संस्था के प्रधान सचिव पूनम जायसवाल एवं उनके पुत्र सह छतरपुर पूर्वी के जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल ने कराया। बिहार के कुटुंमबा निवासी महादेव भुइयां की पुत्री शारदा कुमारी का कन्यादान पर्यावरणविद् कौशल ने किया। शारदा का विवाद केरकी निवासी स्व जेठु भुइयां के पुत्र अखिलेश भुइयां के साथ संपन्न हुआ। इधर, इटकदाग निवासी स्वर्गीय बइमदेव भुइयां की पुत्री बिंदु का कन्यादान मुखिया पूनम जायसवाल ने किया। बिन्दु का विवाह हरिहरगंज के कुलहिया निवासी रमेश भुइयां के पुत्र दीपक भुइयां के साथ हुआ। ब्रहमदेव भुइयां की तीसरी पुत्री इंदु कुमारी का कन्यादान जिला पार्षद अमित कुमार जयसवाल ने किया। उसका विवाह केरकी निवासी जेठु भुइयां के पुत्र विनय भुइयां के साथ संपन्न हुआ।

पर्यावरण धर्मगुरु कौशल ने पर्यावरण धर्म के तहत अपनी शादी की 43 वीं सालगिरह और बड़े पुत्र अरुण कुमार जायसवाल के 41वें जन्मदिन पर और तीन अनाथ कन्याओं के शादी समारोह में पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्रों की शपथ दिलायी। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि यह अदभूत संयोग है कि मेरी शादी 10 मई 80 को हुई, पुत्र की प्राप्ति 10 मई 82 को हुई और 10 मई 23 को तीन दलित दामाद प्राप्त हुए हैं।

इस अवसर पर उप मुखिया अफजाल अंसारी, सुभाष गुप्ता, सुदामा गुप्ता, पंकज सिंह, सुचित कुमार जायसवाल, जुबेर अंसारी, गुलाम गौस, यासीन अंसारी, मुस्ताक अंसारी, करीम अंसारी, चंदन यादव, नंदू विश्वकर्मा, कोमल जायसवाल, शिल्पा जायसवाल, प्रवेश भुइयां, जदु भुईयां, रमेश भुईयां निरंजन भुइयां, धर्मदेव भुइयां, कामदेव भुईयां, आराध्या, आशिका, आद्रिका, अनुषा मौजूद थे।

पर्यावरणविद ने तीन अनाथ कन्याओं की शादी अपने पुत्र के जन्मदिन व स्वयं की शादी का सालगिरह पर कि

कौशल, अमित व, पूनम ने तीनों बारातियों को विदाई में दिया पौधा पानी

छतरपुर। छतरपुर अनुमंडल के चेगवना धाम विवाह मंडप में तीन अनाथ कन्याओं का विवाह विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वन राखी मूवमेंट के प्रनेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल और उनकी धर्मपत्नी सह छतरपुर के ग्राम पंचायत डाली बाजार के मुखिया व बीपीएसए संस्था के प्रधान सचिव पूनम जायसवाल एवं उनके पुत्र सह छतरपुर पूर्वी के जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल ने अलग-अलग तीनों कन्याओं का दान किया जिसमें बिहार के कुटुंमबा निवासी महादेव भुईयां के पुत्री शारदा कुमारी के साथ केरकी निवासी स्व जेठु भुईयां के पुत्र अखिलेश भुईयां के साथ विवाह के लड़की दान पर्यावरणविद ने की। पर्यावरण धर्मगुरु कौशल ने पर्यावरण धर्म के तहत अपने शादी का 43 वां सालगिरह और बड़े पुत्र प्रोपराइटर अरुण कुमार जायसवाल के 41वां जन्मदिन पर और तीन अनाथ कन्याओं की शादी में पर्यावरण धर्म के प्रार्थना के साथ विवाह कराईऔर बारातियों को पर्यावरण धर्म के 8 मूल ज्ञान मंत्रों की दिलाई शपथ और मडवा में शिव के समान वृक्ष पौधों को पूजा कराने के बाद वर वधु से फेरे लगावाए और तीनो के नाम पर पक्षी का भोजन के लिए पीपल का पौधा लगाएं व बारातियों को विदाई में पौधा पानी देखकर उसे अपने बच्चों की तरह बचाने की शपथ दिलाई। कन्यादान मुखिया पूनम जायसवाल ने ईंटकदाग निवासी स्वर्गीय ब्रह्मदेव भुइयां के पुत्री बिंदु का विवाह हरिहरगंज के ग्राम कुलहीया निवासी रमेश भुईयां के पुत्र दीपक भुईयां से कराई व कहां 10 मई 80 में शादी 10 माई 82 पुत्र की प्राप्ति और आज 10 मई 23को तीन दलित दामाद पाकर मैं बहुत ही भाग्यशाली हूं तीसरा कन्यादान जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल ने ईंटकदाग निवासी स्व ब्रह्मदेव भुईयां के पुत्री इंदु कुमारी का विवाह केरकी निवासी स्व जेठु भुईयां के पुत्र विनय भुईयां से कराए और आशीर्वाद दें।इस अवसर पर उप मुखिया अफजाल अंसारी, सुभाष गुप्ता, सुदामा गुप्ता,पंकज सिंह, सुचित कुमार जायसवाल, जुबेर अंसारी, गुलाम गौस, यासीन अंसारी, मुस्ताक अंसारी,करीम अंसारी, चंदन यादव, नंदू विश्वकर्मा, कोमल जायसवाल, शिल्पा जायसवाल, प्रवेश भुइयां,जदु भुईयां, रमेश भुईयां निरंजन भुइयां, धर्मदेव भुइयां, कामदेव भुईयां, आराध्या, आशिका, आद्रिका, अनुषा सामिल थे।

थर्ड आई ऑफ झारखण्ड

विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरणविद ने वन वृक्षों पर बांधी राखियां

पर्यावरण, प्रकृति व प्राण बचाने के लिए अपनाए पर्यावरण धर्म : कौशल

वनों पर राखी बांधते वन राखी मूवमेंट के प्रणेता कौशल व पर्यावरण प्रेमी।

थर्ड आई न्यूज ⏭ छतरपुर (पलामू)

अनुमंडल क्षेत्र के केरकी कला के वनों में विश्व पर्यावरण दिवस के 51वां वर्ष और वन राखी मूवमेंट के 47वां स्थापना दिवस पर प्रकृति, पर्यावरण और प्राण बचाने के लिए वनों में प्रभात फेरी निकाली गयी, जिसमें आसपास के करीब 10 गांव के हजारो पर्यावरण प्रेमी लोग शामिले हुए। विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष कौशल किशोर जायसवाल बतौर मुख्य अतिथि ने पर्यावरण धर्म की प्रार्थना के साथ पक्षियों के भोजन के लिए पीपल का और मधुमक्खियों के भोजन के लिए करंज का पौधा लगाकर कार्यक्रम की शुरुआत की।

पर्यावरणविद कौशल ने कार्यक्रम में शामिल लोगों को पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्रों की शपथ दिलाई, जिसमें तीन साल का बच्चा भी शामिल हुआ।

मौके पर कौशल ने कहा कि बेकाबू गर्मी और जल संकट से निजात पाने के लिए किसानों को वृक्ष खेती करने की जरूरत है। क्योंकि वृक्ष खेती को आकाल सुखाड़ का भय नहीं है। वृक्ष की खेती किसानों के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट की तरह काम आता है। इतना ही नहीं इससे जल और ऑक्सीजन संकट भी उत्पन्न नहीं होगा।

कौशल किशोर ने वन बचाने वाले सभी पर्यावरण प्रेमी महिलाओं के बीच इस वर्ष मच्छरदानी व मिठाई और 500 फलदार पौधा देकर उन्हें सम्मानित किया।

कार्यक्रम में पंचायत के मुखिया भोला सिंह, उप मुखिया अफजाल अंसारी, छतरपुर पूर्वी के जिला पार्षद प्रतिनिधि सुभाष गुप्ता, डाली पंचायत मुखिया प्रतिनिधि, सुचित कुमार जायसवाल, बनारसी देवी बलराम सिंह ने वन राखी मूवमेंट से होने वाले वनों की सुरक्षा और पर्यावरण की सुरक्षा पर अपना विचार व्यक्त किये और पर्यावरण धर्मगुरु से आशीर्वाद लिया।

अध्यक्षता वन सुरक्षा समिति के अध्यक्ष नागेश्वर सिंह ने की। संचालन शिवनाथ सुरीला ने किया।

सिंगापुर व मलेशिया के दौरे पर रवाना होंगे पर्यावरणविद कौशल एवं मुखिया पूनम जायसवाल

मेदिनीनगर। स.वर्षा। पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल और उनकी धर्मपत्नी डाली बाजार पंचायत की मुखिया पूनम जायसवाल इस वर्ष निःशुल्क पौधा वितरण व रोपण एवं वृक्षों पर रक्षाबंधन कार्यक्रम का शुभारंभ सिंगापुर के चांगी विलेज व मलेशिया की राजधानी कुलालंपुर तथा पेनांग की धरती से करेंगे। श्री कौशल ने इसकी जानक. ारी देते हुए कहा कि वे दोनों आज सिंगापुर व मलेशिया के लिए पांच दिवसीय दौरे पर रवाना होंगे। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते श्री कौशल ने बताया कि निःशुल्क पौधा वितरण सह रोपण के 56 वां वर्ष और पर्यावरण धर्म व वन राखी मूवमेंट के 46 वां वर्ष पूरा होने के उपरांत इस वर्ष 2023–24 में विश्व के आधा दर्जन देशों में और देश के 10 राज्यों में व 10 राज्यों के 20 जिलों में दो लाख निशुल्क पौधा वितरण सह रोपण व वृक्षों पर रक्षाबंधन करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

प्रदूषण से जंग जीतने के लिए एक करोड़ पौधरोपण कर लोगों को जागरूक करने का लक्ष्य : कौशल

विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू के डाली गांव के रहने वाले कौशल किशोर जायसवाल पिछले 56 वर्षों से पर्यावरण संरक्षण अभियान चला रहे है। इस अभियान के तहत पर्यावरणविद शिविर आयोजित कर निःशुल्क पौधा वितरण व रोपण करते आ रहे है। इतना ही नहीं इस अभियान के तहत वनों की रक्षा के लिए वन वृक्षों पर राखी भी बांधने की परंपरा चलती आ रही है। जिसे वन राखी मूवमेंट का नाम दिया गया है। कौशल किशोर बताते हैं इस अभियान के तहत अब तक 50 लाख से अधिक पौधों का निःशुल्क वितरण के साथ पौधा रोपण भी किया जा चुका है। इसके अलावे 15 लाख से अधिक वन वृक्षों पर रक्षाबंधन कर पर्यावरण धर्म पर गोष्टी आयोजित कर लोगों को जागरूक भी किया जाता है। पर्यावरणविद कौशल किशोर नेपाल, भूटान सहित देश के 22 राज्यों के लोगों को पर्यावरण धर्म के 8 मूल ज्ञान मंत्रों की शपथ दिलावा चुके हैं। साथ ही पर्यावरण धर्म का पाठ भी पढ़ाया है। विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह वन राखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल अपने निजी खर्चों पर विश्व का पहला पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर का निर्माण अपने पैतृक गांव डाली बाजार के कौशल नगर स्थित जैविक पार्क में करा रहे हैं। कौशल किशोर डाली गांव में करोड़ों की लागत से जैविक उद्यान व पार्क विकसित किए हैं। जिसमें 22 देशों के 200 से अधिक विभिन्न प्रजाति के पौधे लगे हैं। इस अभियान के तहत पर्यावरण व प्रकृति को बचाने के लिए पूरी सक्रियता के साथ काम चल रहे है। 70 वर्षीय कौशल आज भी पूरे उत्साह के साथ इस कार्य में तन्मयता से लगे हुए है । वे कहते है कि वे अपना पूरा जीवन पर्यावरण व जनकल्याण के लिए समर्पित कर दिया है। लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता के साथ साथ वैवाहिक समारोह में भी शामिल लोगों को उपहार स्वरूप उन्हें पौधा देकर जागरूक किया जाता है। इतना ही नहीं कौशल किशोर जन्मोत्सव और श्राद्ध कर्म में भी पौधा लगाकर लोगों को प्रेरित करते हैं। कौशल को अब तक इस क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए देश व विदेश में 54 अवार्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है। जिसमें 2023 में प्राइड ऑफ झारखंड का अवार्ड केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा की ओर से झारखंड का गौरव नामक अवार्ड केंद्रीय राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी और सुबे के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के हाथों मिला है। इसके अलावे पलामू प्रमंडलीय आयुक्त जटाशंकर चौधरी, पलामू उपायुक्त अंजलायुलु दोड्डे, पुलिस अधीक्षक चंदन सिन्हा ,एवं राजभवन में राज्यपाल की ओर से भी सम्मान मिला है। पर्यावरण धर्मगुरु अपने जीवन में प्रदूषण से आजादी का जंग जीतने के लिए 10 देशों में पर्यावरण धर्म और वन राखी मूवमेंट का प्रचार जारी रखते हुए एक करोड़ पौधा लगाने का लक्ष्य रखा है।

मलेशिया और सिंगापुर में आइकॉन ऑफ हिंदुस्तान अवार्ड से नवाजे गए पर्यावरणविद कौशल व मुखिया पूनम

प्रभात मंत्र संवाददाता

मेदिनीनगर : विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वन राखी मूवमेंट के प्राणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल और उनकी धर्मपत्नी सह बीपीएसए संस्था के प्रधान सचिव व छतरपुर अनुमंडल के डाली बाजार पंचायत के मुखिया पूनम जायसवाल ने पांच दिवसीय प्रवास के दौरान मलेशिया और सिंगापुर के विभिन्न राज्यों में निशुल्क पौधा वितरण और वृक्षों पर रक्षाबंधन और पर्यावरण धर्म पर गोष्ठी के आयोजन किया। मलेशिया और सिंगापुर में कौशल ने अपने संस्था का विस्तार करते हुए अश्विनी शर्मा को मलेशिया और शिवांगी को सिंगापुर का राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत किया। श्री

कौशल ने बताया कि अगले वर्ष दोनो राष्ट्रीय अध्यक्ष भारत आकर उनके निशुल्क पौधा वितरण शिविर का उद्घाटन और डाली बाजार के कौशल नगर पार्क में बन रहे पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर का अवलोकन करेंगे। कौशल किशोर ने वर्ष 2023-24 के निःशुल्क पौधा वितरण व रोपण के 57 वां वर्ष एवं वृक्षों पर रक्षाबंधन 47वां वर्ष के लिए कार्यक्रम का शुभारंभ सिंगापुर के चांगी विलेज व मलेशिया की राजधानी कुलालंपुर तथा पेनांग के भगवान बुध के मंदिर की धरती से पौधा रोपण व वितरण वृक्षों पर रक्षाबंधन कर किया। ताकि विश्व में पूर्णतः हरित क्रांति लाया जा सके। उन्होंने हिंदुस्तान कर्नाटक का रक्त चंदन, हिमाचल का कपूर और विलुप्त प्रजाति कल्पतरु का बीस पौधा सिंगापुर और मलेशिया में लगाकर लोगों को पर्यावरण पर मंडरा रहे खतरा से अवगत कराते हुए जागरूक किया। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने पर्यवारण धर्म मे आस्था जताते हुए उसे अपनाने का संकल्प लिया।

उक्त अभियान में मलेशिया, सिंगापुर और हिंदुस्तान के विभिन्न राज्यों से आए पर्यावरण प्रेमी में सिंगापुर के शिवांगी जैयसोंन, मेंयहादास, अश्वनी शर्मा,हैदराबाद तेलंगाना के रेवतमल जैन, महाराष्ट्र मुंबई से अनरूद खंडेलवाल, झारखंड जमशेदपुर शेखरडे, उत्तर प्रदेश गोरखपुर से संजय सारीन, सालनी सिंह बनारस, डॉ उदय प्रताप सिंह, शशी रंजन पटना,चारु सरीन लखनऊ मौजूद थे।

पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट ख्याति कार्य के लिए पर्यावरणविद को मिला विदेश में अवार्ड

मलेशिया और सिंगापुर में आइकॉन ऑफ हिंदुस्तान अवार्ड से नवाजे गए पर्यावरणविद कौशल व मुखिया पूनम

पर्यावरणविद कौशल को देश विदेश में 55 वां अवार्ड के रूप में मिला

अवार्ड लेते पर्यावरणविद कौशल व मुखिया पूनम

@धनंजय तिवारी

प्रतिनिधि, पलामू : विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वन राखी मूवमेंट के प्राणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल और उनकी धर्मपत्नी सह बीपीएसए संस्था के प्रधान सचिव व छतरपुर अनुमंडल के डाली बाजार पंचायत के मुखिया पूनम जायसवाल ने पांच दिवसीय प्रवास के दौरान मलेशिया और सिंगापुर के विभिन्न राज्यों में निशुल्क पौधा वितरण और वृक्षों पर रक्षाबंधन और पर्यावरण धर्म पर गोष्टी के आयोजन किया। मलेशिया और सिंगापुर में कौशल ने अपने संस्था का विस्तार करते हुए अश्विनी शर्मा को मलेशिया और शिवांगी को सिंगापुर का राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत किया। श्री कौशल ने बताया कि अगले वर्ष दोनो राष्ट्रीय अध्यक्ष भारत आकर उनके निशुल्क पौधा वितरण शिविर का उद्घाटन और डाली बाजार के कौशल नगर पार्क में बन रहे पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर का अवलोकन करेंगे। कौशल किशोर ने वर्ष 2023-24 के निःशुल्क पौधा वितरण व रोपण के 57 वां वर्ष एवं वृक्षों पर रक्षाबंधन 47वां वर्ष के लिए कार्यक्रम का शुभारंभ सिंगापुर के चांगी विलेज व मलेशिया की राजधानी कुलालंपुर तथा पेनांग के भगवान बुध के मंदिर की धरती से पौधा रोपण व वितरण वृक्षों पर रक्षाबंधन कर किया । ताकि विश्व में पूर्णतः हरित क्रांति लाया जा सके। उन्होंने हिंदुस्तान से कर्नाटक का रक्त चंदन, हिमाचल का कपूर और विलुप्त प्रजाति कल्पतरु का बीस पौधा सिंगापुर और मलेशिया में लगाकर लोगों को पर्यावरण पर मंडरा रहे खतरा से अवगत कराते हुए जागरूक किया। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने पर्यवारण धर्म मे आस्था जताते हुए उसे अपनाने का संकल्प लिया।

उक्त अभियान में मलेशिया, सिंगापुर और हिंदुस्तान के विभिन्न राज्यों से आए पर्यावरण प्रेमी में सिंगापुर के शिवांगी जैयसोंन , मेंयहादास, अश्वनी शर्मा,हैदराबाद तेलंगाना के रेवतमल जैन, महाराष्ट्र मुंबई से अनरूद खंडेलवाल , झारखंड जमशेदपुर शेखरडे , उत्तर प्रदेश गोरखपुर से संजय सारीन, सालनी सिंह बनारस, डॉ उदय प्रताप सिंह, शशी रंजन पटना,चारु सरीन लखनऊ, मौजूद थे।

मलेशिया और सिंगापुर में आइकॉन ऑफ इंडिया अवार्ड से सम्मानित हुए पर्यावरणविद कौशल व मुखिया पूनम

सम्मानित होते कौशल, पूनम एवं अन्य।

थर्ड आई न्यूज ⏭ डालटनगंज

विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वन राखी मूवमेंट के प्राणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल और उनकी धर्मपत्नी सह बीपीएसए संस्था की प्रधान सचिव व छतरपुर अनुमंडल के डाली बाजार पंचायत की मुखिया पूनम जायसवाल पांच दिवसीय प्रवास के दौरान मलेशिया और सिंगापुर के विभिन्न राज्यों में नि:शुल्क पौधा वितरण और वृक्षों पर रक्षाबंधन और पर्यावरण धर्म पर गोष्टी के आयोजन किया। मलेशिया और सिंगापुर में कौशल ने अपनी संस्था का विस्तार करते हुए अश्विनी शर्मा को मलेशिया और शिवांगी को सिंगापुर का राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत किया। श्री कौशल ने बताया कि अगले वर्ष दोनों राष्ट्रीय अध्यक्ष भारत आकर उनके नि:शुल्क पौधा वितरण शिविर का उद्घाटन और डाली बाजार के कौशल नगर पार्क में बन रहे पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर का अवलोकन करेंगे।

कौशल किशोर ने वर्ष 2023–24 के नि:शुल्क पौधा वितरण व रोपण के 57वां वर्ष एवं वृक्षों पर रक्षाबंधन 47वां वर्ष के लिए कार्यक्रम का शुभारंभ सिंगापुर के चांगी विलेज व मलेशिया की राजधानी कुलालंपुर तथा पेनांग के भगवान बुध के मंदिर की धरती से पौधा रोपण, वितरण व वृक्षों पर रक्षाबंधन कर किया, ताकि विश्व में पूर्णत: हरित क्रांति लाया जा सके। उन्होंने हिंदुस्तान कर्नाटक का रक्त चंदन, हिमाचल का कपूर और विलुप्त प्रजाति कल्पतरु के बीस पौधे सिंगापुर और मलेशिया में लगाकर लोगों को पर्यावरण पर मंडरा रहे खतरे से अवगत कराते हुए जागरूक किया। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने पर्यावरण धर्म में आस्था जताते हुए उसे अपनाने का संकल्प लिया। इस क्रम में कौशल जायसवाल और पूनम जायसवाल को आइकॉन ऑफ इंडिया अवार्ड से सम्मानित किया गया।

इस अभियान में मलेशिया, सिंगापुर और हिंदुस्तान के विभिन्न राज्यों से आए पर्यावरण प्रेमी में सिंगापुर के शिवांगी जैयसौन, अश्वनी शर्मा, हैदराबाद तेलंगाना के रेवतमल जैन, महाराष्ट्र मुंबई से अनरूद खंडेलवाल, झारखंड जमशेदपुर शेखरडे, उत्तर प्रदेश गोरखपुर से संजय सारीन, सालनी सिंह बनारस, डॉ उदय प्रताप सिंह, शशी रंजन पटना, चारु सरीन लखनऊ, मौजूद थे।

आजाद सिपाही
रांची, शनिवार, 17 जून, 2023
www.azadsipahi.in
13

मलेशिया और सिंगापुर में आइकॉन ऑफ हिंदुस्तान अवार्ड से नवाजे गये पर्यावरणविद कौशल किशोर और मुखिया पूनम

मलेशिया-सिंगापुर के लोगों ने बेकाबू गर्मी व जल संकट पर काबू के लिए पर्यावरण धर्म भी अपनाने का लिया संकल्पः कौशल किशोर-पूनम

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वन राखी मूवमेंट के प्राणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल और उनकी पत्नी सह बीपीएसए संस्था के प्रधान सचिव व छतरपुर अनुमंडल के डाली बाजार पंचायत की मुखिया पूनम जायसवाल ने पांच दिवसीय प्रवास के दौरान मलेशिया और सिंगापुर के विभिन्न राज्यों में निःशुल्क पौधा वितरण और वृक्षों पर रक्षाबंधन कर व पर्यावरण धर्म पर गोष्टी आयोजित किया। मलेशिया और सिंगापुर में कौशल किशोर ने अपने संस्था का विस्तार करते हुए अश्विनी शर्मा को मलेशिया और शिवांगी को सिंगापुर का राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत किया। उन्होंने बताया कि अगले वर्ष दोनों राष्ट्रीय अध्यक्ष भारत आकर उनके निःशुल्क पौधा वितरण शिविर का उद्घाटन करने के साथ ही डाली बाजार के कौशल नगर पार्क में बन रहे पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर का अवलोकन करेंगे। कौशल किशोर ने वर्ष 2023-24 के निःशुल्क पौधा वितरण व रोपण के 57 वां वर्ष एवं वृक्षों पर रक्षाबंधन 47वां वर्ष के लिए कार्यक्रम का शुभारंभ सिंगापुर के चांगी विलेज व मलेशिया की राजधानी कुलालंपुर व पेनांग के भगवान बुध मंदिर की धरती से पौधा रोपण व वितरण वृक्षों पर रक्षाबंधन कर किया। ताकि विश्व में पूर्णतः हरित क्रांति लाया जा सके। उन्होंने भारत के कर्नाटक का रक्त चंदन, हिमाचल का कपूर और विलुप्त प्रजाति कल्पतरु का 20 पौधा सिंगापुर और मलेशिया में लगाकर लोगों को पर्यावरण पर मंडरा रहे खतरा से अवगत कराते हुए जागरूक किया। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने पर्यवारण धर्म मे आस्था जताते हुए उसे अपनाने का संकल्प लिया। उक्त अभियान में मलेशिया, सिंगापुर और हिंदुस्तान के विभिन्न राज्यों से आए पर्यावरण प्रेमी में सिंगापुर के शिवांगी जैयसोंन, मेंयहादास, अश्वनी शर्मा, हैदराबाद तेलंगाना के रेवतमल जैन, महाराष्ट्र मुंबई से अनरूद खंडेलवाल, झारखंड जमशेदपुर शेखरडे, उत्तर प्रदेश गोरखपुर से संजय सारीन, सालनी सिंह बनारस, डॉ उदय प्रताप सिंह, शशी रंजन पटना, चारु सरीन लखनऊ मौजूद थे।

Environmentalist Kaushal and Mukhiya Poonam honored with Icon of Hindustan (India) Award in Malaysia and Singapore

- **Environmentalist received award abroad for outstanding reputation work in the field of environment**
- **People of Malaysia and Singapore have resolved to adopt eco-religion to control the uncontrollable heat and water crisis: Kaushal and Poonam**

DN ■ Medininagar

Kaushal Kishore Jaiswal, national president of the Worldwide Environment Protection Campaign and environmentalist and founder of the Van Rakhi Movement, and his wife, co-principal secretary of the BPSA organization and Poonam Jaiswal, head of Dali Bazar Panchayat of Chhatarpur subdivision, visited Malaysia and Singapore during their five-day stay. Organized free sapling distribution in different states and talks on Rakshabandhan and environmental religion on trees. While expanding his organization in Malaysia and Singapore, Kaushal nominated Ashwini Sharma as the national president of Malaysia and Shivangi as the national president of Singapore. Mr. Kaushal told that next year both the national presidents will come to India to inaugurate their free sapling distribution camp and visit the Paryavaran Dharma Gyan Mandir being built in Kaushal Nagar Park of Dali Bazar. Kaushal Kishore inaugurated the program for the 57th year of free distribution and planting of saplings for the year 2023-24 and the 47th year of Raksha Bandhan on trees by planting saplings from the land of Changi Village in Singapore and the capital of Malaysia, Kuala Lumpur and the temple of Lord Mercury in Penang. Rakshabandhan was done on distribution trees. So that a complete green revolution can be brought in the world. He made people aware of the danger hovering over the environment by planting Rakta Chandan of Hindustan Karnataka, camphor of Himachal and twenty saplings of extinct species Kalpataru in Singapore and Malaysia. Expressing their faith in environmental religion, the people involved in the program took a pledge to adopt it.

सप्रेस
कि सच की जीत हो...

पलामू एक्सप्रेस
पलामू | गढ़वा | लातेहार

सूबे के राज्यपाल व विस अध्यक्ष ने पर्यावरणविद कौशल को झारखंड का गौरव अवार्ड देकर किया सम्मानित

सिंगापुर सहित विभिन्न प्रदेशों में अबतक 57 अवार्ड से नवाजे जा चुके है

सत्ता एक्सप्रेस

मेदिनीनगर : रांची के रेडिएशन ब्लू होटल में आयोजित झारखंड के गौरव सम्मान समारोह में सूबे के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो ने विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्म गुरु व वनरखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल को शॉल ओढ़ा कर और दो अलग-अलग मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

पर्यावरणविद व धर्मगुरु कौशल किशोर को इस एक वर्ष में आठ और जीवन में अबतक देश, विदेश में 57 वां अवार्ड मिल चुका है।वन राखी मोमेंट के प्रणेता कौशल ने कहा है कि उन्हें केवल इस वर्ष माह अक्टूबर से अगस्त 2023 तक उन्हें आठ अवार्ड मिला है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष उन्हें सूबे के राज्यपाल, विधानसभा अध्यक्ष, कई केंद्रीय मंत्रियों , जिले के आयुक्त, उपायुक्त , पुलिस अधीक्षक सहित कई स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा उन्हें अवार्ड मिला है।

उन्होंने यह भी बताया उन्हें इस वर्ष मलेशिया में भी आइकॉन ऑफ हिंदुस्तान नामक अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

जो जीवन में गौरव का क्षण है। इस अवसर पर रांची सांसद संजय सेठ, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीपी सिंह, राज्यसभा सांसद विजय प्रकाश, महुआ मांझी, हटिया विधायक नवीन जायसवाल, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर समेत राज्य के प्रमुख व्यक्तियों का उपस्थिति में हुआ संपन्न।

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 26 फरवरी, 2021
www.azadsipahi.com
12

47वें उत्कृष्ट सम्मान पत्र से नवाजे गये पर्यावरणविद कौशल

कौशल किशोर ने कोरोना योद्धा के रूप में समाज सेवा और पर्यावरण के क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया है : हरि नारायण सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर के आबाद गंज स्थित पर्यावरण भवन के आकाश बाग में पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्म एवं वन राखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जयसवाल को दैनिक अखबार आजाद सिपाही के प्रधान संपादक हरिनारायण सिंह ने 47वें उत्कृष्ट सेवा सम्मान का प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मौके पर श्री सिंह ने कहा कि 65 वर्षीय पर्यावरणविद कौशल ने कोरोना काल में भी झारखंड के कई जिलो एवं मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और बंगाल समेत अन्य राज्यों में समाज सेवा की। बिना अपनी जान की परवाह किये समाज और पर्यावरण के क्षेत्र में सेवा देते रहे, वह अपने निजी खर्च पर। इनके समाज सेवा के जज्बा की जितनी भी प्रशंसा की जाये कम होगा। उन्होंने कहा कि देश और राज्य में उत्कृष्ट कार्य करने वालों योद्धाओं को देश हित में सम्मान मिलना चाहिए।

कौशल किशोर को उत्कृष्ट सेवा सम्मान से सम्मानित करते हैं हरिनारायण सिंह और अन्य।

पर्यावरणविद सह धर्मगुरु कौशल ने कहा कि निजी खर्च पर वह वर्ष 1967- 68 से जंगल लगाने और बचाने का कार्य कर रहे हैं। निःशुल्क पौधा वितरण सह रोपन और वनों को कटने से रोकने के लिए 1977- 78 में वन राखी मूवमेंट की शुरुआत की थी। धरती और ब्रह्मांड में रहने वाले 84 लाख योनि जीवों की रक्षा, आनेवाली पीढ़ी को जल संकट और ऑक्सीजन संकट से बचाने के लिए नेपाल, भूटान समेत देश के 21 राज्यों के 80 जिलों में अभियान चलाकर अब तक कुल 40 लाख पौधों का वितरण सह रोपन और छह लाख वृक्षों पर रक्षाबंधन किया है। अभियान में शामिल महिलाओं एव पुरुषों को समय समय पर सम्मानित भी किया जाता रहा है। इन प्रयासों ने पर्यावरण संरक्षण में अहम भूमिका निभायी है।

मौके पर आजाद सिपाही के मैनेजर नामधारी प्रसाद, आजाद सिपाही के पलामू ब्यूरो चीफ जयकांत शुक्ला, संस्था की प्रधान सचिव पूनम जयसवाल, ग्राम पंचायत डाली बाजार के मुखिया अमित कुमार जयसवाल, यूनिक प्लाई के प्रोपराइटर अरुण कुमार जयसवाल, कोमल जयसवाल एवं शिल्पा जयसवाल मौजूद थे।

e-mail : prabhatmantraranchi@gmail.com

रांची, सोमवार, 28 अगस्त 202

राज्यपाल व विस अध्यक्ष ने पर्यावरणविद कौशल को झारखंड का गौरव अवार्ड देकर किया सम्मानित

*** सिंगापुर सहित विभिन्न प्रदेशों में अबतक 57 अवार्ड से नवाजे जा चुके है पर्यावरणविद**

*** पर्यावरणविद कौशल को वर्ष 2023 में सिंगापुर समेत राज्यपाल दोबार,दो केंद्रीय मंत्री,विस अध्यक्ष , सुबे के प्रथम मुख्यमंत्री, रांची सांसद, प्रमंडलीय आयुक्त, पलामू डीसी व एसपी सहित कई स्कूलों के प्रिंसिपल से मिल चुके हैं कई अवार्ड**

प्रभात मंत्र संवाददाता

मेदनीनगर : रांची के रेडिएशन ब्लू होटल में आयोजित झारखंड के गौरव सम्मान समारोह में सूबे के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो ने विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्म गुरु व वनरखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल को शॉल ओढ़ा कर और दो अलग-अलग मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। पर्यावरणविद व धर्मगुरु कौशल किशोर को इस एक वर्ष में आठ और जीवन में अबतक देश, विदेश में 57 वां अवार्ड मिल चुका है।वन रखी मोमेंट के प्रणेता कौशल ने कहा है कि उन्हें केवल इस वर्ष माह अक्टूबर से अगस्त 2023 तक उन्हें आठ अवार्ड मिला है। उन्होंने बताया कि इसवर्ष उन्हें सूबे के राज्यपाल, विधानसभा अध्यक्ष, कई केंद्रीय मंत्रियों , जिले के आयुक्त, उपायुक्त , पुलिस अधीक्षक सहित कई स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा उन्हें अवार्ड मिला है। उन्होंने यह भी बताया उन्हें इस वर्ष मलेशिया में भी आइकॉन ऑफ हिंदुस्तान नामक अवार्ड से सम्मानित किया गया है। जो जीवन में गौरव का क्षण है।इस अवसर पर रांची सांसद संजय सेठ,पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीपी सिंह, राज्यसभा सांसद विजय प्रकाश, महुआ मांझी, हटिया विधायक नवीन जायसवाल, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर समेत राज्य के प्रमुख व्यक्तियों का उपस्थिति में हुआ संपन्न।

एक संदेश
28 अगस्त 2023, सोनवार, रांची
झारखंड

सूबे के राज्यपाल व विस अध्यक्ष ने पर्यावरणविद कौशल को झारखंड का गौरव अवार्ड देकर किया सम्मानित

एक संदेश संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू): रांची के रेडिएशन ब्लू होटल में आयोजित झारखंड के गौरव सम्मान समारोह में सूबे के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो ने विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्म गुरु व वनरखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल को शॉल ओढ़ा कर और दो अलग-अलग मोमेंटो देकर सम्मानित किया। पर्यावरणविद व धर्मगुरु कौशल किशोर को इस एक वर्ष में आठ और जीवन में अबतक देश, विदेश में 57 वां अवार्ड मिल चुका है। वन राखी मोमेंट के प्रणेता कौशल ने कहा है कि उन्हें केवल इस वर्ष माह अक्टूबर से अगस्त 2023 तक उन्हें आठ अवार्ड मिला है। उन्होंने बताया कि इसवर्ष उन्हें सूबे के राज्यपाल, विधानसभा अध्यक्ष, कई केंद्रीय मंत्रियों , जिले के आयुक्त, उपायुक्त , पुलिस अधीक्षक सहित कई स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा उन्हें अवार्ड मिला है। उन्होंने यह भी बताया उन्हें इस वर्ष मलेशिया में भी आइकॉन ऑफ हिंदुस्तान नामक अवार्ड से सम्मानित किया गया है। जो जीवन में गौरव का क्षण है। इस अवसर पर रांची सांसद संजय सेठ, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीपी सिंह, राज्यसभा सांसद विजय प्रकाश, महुआ मांझी, हटिया विधायक नवीन जायसवाल, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर समेत राज्य के प्रमुख व्यक्तियों की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न किया गया ।

पर्यावरणविद ने फीता जोड़कर किया सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन

छतरपुर (पलामू)। स.वर्षा। छतरपुर अनुमंडल के डाली बाजार के बैकुंठपुर धाम (नवाटोली) में रामनवमी पूजा के अवसर पर नवयुवक कमिटी द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल ने फीता जोड़कर किया। उन्होंने कहा कि युवा, खेल, कला और संस्कृति वन और पर्यावरण के अंग ही नहीं बल्कि राष्ट्र के धरोहर भी हैं। इन सबकी हिफाजत की जिम्मेवारी समाज के सभी लोगों का परम कर्तव्य है। पर्यावरण धर्म के 8 मूल ज्ञान मंत्रों का जिक्र करते हुए कहा कि हाल की दिनों में हमारे देश की सभ्यता–संस्कृति पर पाश्चात्य सभ्यता हावी होती जा रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी मूल्क के युवा वहां के विकास की बुनियाद होते हैं। ग्रामीण क्षेत्र में मेला और दुगोला मनोरंजन का प्रमुख साधन होते हैं। इससे कई तरह के असाध्य बीमारियां भी दूर हो जाती हैं। इसलिए मनुष्य को जीवन में भोजन और मनोरंजन दोनों जरूरी है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम दुगोला में व्यास गुड्डू रंगीला (बिहार) और अजीत हलचल (पलामू) के बीच मुकाबला हुआ। श्रोताओं ने गीत–संगीत का जमकर लुफ्त उठाया। कार्यक्रम के आयोजक अरुण पासवान, नवयुवक कमेटी के अध्यक्ष राजू रंजन विश्वकमा और सचिव प्रसाद सिंह थे। अध्यक्षता श्यामदेव पासवान और संचालन श्रवण जायसवाल ने किया। कार्यक्रम में उप मुखिया अफजल अंसारी, मुखिया प्रति. निधि जुबेर अंसारी, रामजी प्रसाद, रघुनाथ प्रसाद, रमेश विश्वकर्मा, राज. श्वर विश्वकर्मा, कृष्णा सिंह, धर्मदेव यादव, भूषण प्रसाद, रामप्रवेश प्रसाद, लल्लू प्रसाद, विकास कुमार, विनोद यादव, श्याम बिहारी सिंह, अर्जुन शर्मा,संतोष प्रसाद, जगदीश राम, द्वारिक ठाकुर, कैलाश यादव, रामजन्म, यासीन अंसारी बिंदा प्रसाद, शमीम अंसारी सहित कई लोग उपस्थित थे।

पति, प्रकृति व पर्यावरण की रक्षा के लिए ही किया जाता है वट सावित्री पूजा : कौशल

उत्कल मेल संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वनराखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल व बीपीएसए संस्था के प्रधान सचिव सह पंचायत डाली बाजार के मुखिया पूनम जायसवाल और छतरपुर पूर्वी के जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल ने वट सावित्री पूजा के अवसर पर मेदिनीनगर के आबादगंज स्थित अपने आवास पर्यावरण भवन के आकाश बाग में पर्यावरण धर्म के प्रार्थना के साथ वट वृक्ष का पौधरोपण किया। उन्होंने सावित्री पूजा पर उपस्थित महिलाओं

को वटवृक्ष ,देवी सावित्री और भगवान सत्यवान के बारे में विस्तृत जानकारी दी। वट सावित्री पूजा कराने के उपरांत पर्यावरणविद श्री कौशल ने पूजा में शामिल सभी महिलाओं को पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्रों को शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में वृक्षों की पूजा परम्परा सदियों से होती आ रही है। परन्तु वट वृक्ष का पूजा का एक अलग ही धार्मिक महत्व है। क्योंकि शास्त्रों के मुताबिक वट वृक्षों पर त्रिदेव ब्रह्मा ,विष्णु महेश का वास होता है। पर्यावरणविद कौशल ने कहा कि अन्य वृक्षों की तुलना में बट वृक्ष का महत्त्व अलग है। धार्मिक मान्यता है कि जिस तरह भगवान बुद्ध को पीपल के पेड़ के नीचे ही ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। उसी प्रकार वट वृक्ष के नीचे ही माता सावित्री को अपने दृढ़ संकल्प और श्रद्धा से यमराज द्वारा अपने मृत पति सत्यवान को दोबारा जिंदा करने में कामयाबी मिली थी। जिला पार्षद अमित जायसवाल ने कहा कि उनके पूजनीय पिता सह पर्यावरण धर्मगुरु ने पृथ्वी , प्रकृति , सृष्टि और पर्यावरण की रक्षा के लिए ही पर्यावरण धर्म की शुरूआत किया है। पर्यावरण धर्म के तहत सभी जाति धर्म सम्प्रदाय के लोग एकत्रित होकर पर्यावरण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी हासिल करते है।

मुखिया पूनम जायसवाल ने कहा कि उनके पूजनीय पति सह पर्यावरणविद ने अपना घर परिवार में रहकर महापुरुषों की तरह निःस्वार्थ अपनी निजी खर्चों पर पृथ्वी से प्रदूषण के सफाया के लिए वनों पर रक्षाबंधन और पौधारोपण कर मानव के साथ-साथ 84 योनि जीवों की आजादी की लड़ाई लड़ रहे है ।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रो अरुण कुमार जयसवाल,कोमल जायसवाल, शिल्पा जायसवाल, ज्योति जायसवाल, रिंकी सिंह, प्रेमलता पांडेय, स्वाति दुबे, खुशी पांडेय, ज्योति सिंह, अनीशा देवी, प्रेमा पांडेय , सकिता ,आकर्ष, आशिका आदि शामिल थे।

पर्यावरणविद कौशल किशोर ने तमिलनाडु में किया पौधारोपण

मेदिनीनगर। सवर्धा। तमिलनाडु के चेन्नई सर्किट हाउस, काजीपुरम जिला के राजीव भेजेनडी मेमोरियल पैलेस, श्रीपेरमबदुर और महाबलीपुरम जिले के सीसोरी टेंपल प्रांगण में विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष कौशल किशोर जायसवाल, सचिव अरविंद कुमार और प्रधान सचिव पूनम जायसवाल, तमिलनाडु के नवमनो. नित प्रदेश अध्यक्ष सोंडी विगरम एवं सचिव सनी कच्छ के साथ पौधा रोपण और वृक्षों पर रक्षाबंधन किया। कार्यक्रम मे अध्यक्ष और सचिव को राखी का माला पहना कर स्वागत किया, वही उपस्थित लोगों को पर्यावरण धर्म की पाठ पढ़ाया। कार्यक्रम के उपरांत स्टेट बैंक के मैनेजर कृष्णा प्रसाद ने पर्यावरण धर्मगुरु व सचिव को सम्मानित किया।

श्राद्ध में पौधरोपण से पितरों के साथ देवता भी होते हैं प्रसन्नः कौशल

संवाददाता

मेदिनीनगर : विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वन राखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल ने जिले के छतरपुर अनुमंडल के अलग -अलग गांवों के दो श्राद्ध कर्मों में शामिल होकर मृतक के नाम पर पौधरोपण कर मृतक की आत्मा की शांति की कामना की। छतरपुर के ग्राम पंचायत डाली बाजार के कौशल नगर में स्व मनजीत राम और मुरुमदाग पंचायत के भीखही निवासी स्व. हरि भुइयां की धर्मपत्नी सरती कुंवर के श्राद्धकर्म में शामिल होकर पर्यावरण धर्म के प्रार्थना के साथ उन्होंने पौधरोपण किया और परिजनों को आर्थिक सहयोग भी दिया। श्री

जायसवाल ने श्राद्धकर्म में शामिल लोगों को पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्रों की शपथ भी दिलाई। इस मौके पर पर्यावरण धर्मगुरु कौशल ने कहा कि लोग अगर माता- पिता की सेवा से वंचित हो जाते हैं तो दुनियां के हरेक पुत्रों को पर्यावरण धर्मगुरु कौशल के द्वारा चलाए गए पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्रों के तहत पौधरोपण कर उसकी सेवा करनी चाहिए। इससे मृतक की आत्मा को शांति मिलती है। वन राखी मूवमेंट के प्रणेता कौशल ने कहा कि हमारी हिन्दू संस्कृति में पौधों को देव तुल्य मानकर उसे पूजा करने का विधान है। क्योंकि एक वृक्ष से समस्त धरती और ब्रह्मांड पर रहने वाले कई जीवों को 10 तरह का लाभ मिलता है। जिसका उपभोग लोग सदियों से करते आ रहे हैं । इसका प्रमाण हमारे धर्म ग्रंथों में उल्लेखित है। ग्राम पंचायत डाली बाजार की मुखिया सह वीपीएसए संस्था की प्रधान सचिव पूनम जायसवाल ने स्व. मनजीत के असामयिक मृत्यु पर उनके घर जाकर परिजनों को न सिर्फ हर संभव मदद करने का भरोसा दिलाया बल्कि हर सुख दुख में उनके साथ खड़ा रहने की प्रतिबद्धता भी दुहरायी।मौके पर स्व. मनजीत राम के पिता नरेश राम और स्व. सरति कुंवर के पुत्र दिनेश भुईयां व मुरुमदाग पंचायत के मुखिया भोला सिंह डाली पंचायत के उप मुखिया अफजाल अंसारी, जुबेर अंसारी, मनोज यादव, अशोक यादव, मुकेश यादव, रामा सिंह, विकास कुमार, अमरेंद्र कुमार रवि, शमीम अंसारी, नारद भुईयां, भरथि भुईयां संतोष उरांव समेत कई लोग उपस्थित थे।

आयुक्त ने पर्यावरणविद् कौशल को किया सम्मानित

सम्मानित करते आयुक्त।

थर्ड आई न्यूज ⏭ डालटनगंज

प्रमंडलीय आयुक्त जटाशंकर चौधरी ने सोमवार को पर्यावरणविद् कौशल किशोर जायसवाल को प्रशस्ति पत्र एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और उनके कार्यों की सराहना की। कौशल किशोर जायसवाल को वनों पर रक्षाबंधन अभियान, पर्यावरण धर्म का संचालन एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में पिछले 56 वर्षों से किए गए उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। आयुक्त ने आशा व्यक्त किया है कि श्री जायसवाल इसी तरह आगे भी पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य करते रहेंगे। उन्होंने अपने संदेश में समाज के सभी लोगों से पृथ्वी और प्रकृति को बचाने के लिए पौधारोपण करने की सलाह दी। ताकि आने वाले समय से आसानी से निबटा जा सके। उन्होंने श्री जायसवाल के उज्जवल भविष्य व स्वस्थ जीवन की कामना की है।

बता दें कि पर्यावरणविद कौशल को देश विदेश में अब तक 48वां सम्मान पत्र मिला है। मौके पर जनसंपर्क उपनिदेशक आनंद, एपीआरओ विजय ठाकुर, छतरपुर पूर्वी के जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल आदि उपस्थित थे।

कौशल ने विश्वकर्मा पूजा और पीएम के जन्मदिन पर दिलाई पर्यावरण धर्म की शपथ

मेदिनीनगर। सवर्धा। पलामू जिले के मेदिनीनगर शहर के बाईपास रोड स्थित पर्यावरण भवन परिसर में विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वन राखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल ने सृजन व निर्माण के अधिष्ठाता देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा की पूजा अर्चना की। इस मौक पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर समस्त देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए उनकी दीर्घायु होने की मंगल कामना की। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्रों की शपथ दिलाई। श्री कौशल ने कहा कि जिस तरह वास्तु व ब्रह्मांड के विकास में शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा का अहम योगदान रहा है, ठीक उसी प्रकार श्रेष्ठ भारत के विकास में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी का योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

पर्यावरण धर्म गुरु कौशल ने कहा कि पर्यावरण धर्म के अनुसार जन्मदिन व कोई भी शुभ कार्य एवं श्राद्ध में पौधा लगाने का पहला विधान है। परंतु विश्वकर्मा पूजा के दिन उनके निर्मित औजारों से प्रकृति के साथ छेड़छाड़ करने का भी विधान नहीं है। यही कारण आज भगवान विश्वकर्मा एवं मोदी जी के जन्मदिन पर पौधरोपण कार्य नहीं कर कार्यक्रम में शामिल लोगों को शपथ दिलाकर उनके बीच पौधा वितरित किया गया, ताकि आज के बाद उसे लगाकर उन दोनों की जयंती को यादगार बनाया जा सके।

इस मौके पर छतरपुर पूर्वी जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल और हेसा प्लाई के प्रोपराइटर अरुण कुमार जायसवाल ने भी भगवान विश्वकर्मा और प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाईयां दी। इस मौके पर अनुज कुमार, बसंत सिंह, गोपाल कुमार, अमरेंद्र कुमार रवि, शमीम अंसारी, मुनेशर मांझी, सत्येंद्र प्रसाद, रामू कुमार, संतोष प्रजापति, छोटू कुमार सहित कई लोग उपस्थित थे।

पर्यावरणविद कौशल ने उपायुक्त को कपूर का पौधा देकर की मुलाकात

मेदिनीनगर। विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु वनराखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल जिले के उपायुक्त ए दोड्डे से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान पर्यावरणविद कौशल ने उपायुक्त को हिमाचल के कपूर का पौधा देकर मुलाकात को यादगार बनाया। कौशल ने पर्यावरण के क्षेत्र में अपने द्वारा पिछले 56 वर्षो से चलाए जा रहे अभियान की विस्तृत जानकारी उपायुक्त को दिया। उन्होंने जिले में सुखाड़ की स्थिति पर भी चर्चा किया।

पर्यावरणविद ने अपने 70 वें जन्मदिन पर कॉलेज में किया पौधरोपण

मेदिनीनगर। स.वर्षा। सूबे की राजधानी रांची के धुर्वा स्थित जगन्नाथ नगर महाविद्यालय के प्रांगण में आयोजित सेमिनार का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल ने राष्ट्रीय गान व पर्यावरण धर्म की प्रार्थना के साथ पौधरोपण कर किया। कार्यक्रम में शामिल कॉलेज के विद्यार्थियों को पर्यावरणविद ने पर्यावरण धर्म की पाठ पढ़ाते हुए कहा कि आधुनिकता की इस दौर में सुख सुविधाओं के उपभोग के लिए बढ़ी वाहनों की संख्या एवं अप्रत्याशित हुई जनसंख्या विस्फोट से ही प्रदूषण बेतहाशा बढ़ा है। इसका खामियाजा समाज के सभी लोगों को भुगतना पड़ रहा है। इतना ही नहीं कोरोना काल में यह साबित हो गया कि जहां वनों की अंधाधुंध कटाई हुई है वहां के लोगों पर कोरोना का कहर उतना ही अधिक बरपा, जिसका गवाह दिल्ली और महाराष्ट्र रहा है।

कौशल ने कहा कि अपने निजी खर्चों पर निःशुल्क पौधा वितरण व रोपण के 57 वां वर्ष तथा पर्यावरण धर्म व वन राखी मूवमेंट (वृक्षों पर रक्षाबंधन) के 47 वां वर्ष पर विश्व के पांच देशों एवं देश के 10 राज्यों के 30 जिलों में 2 लाख पौधों का निशुल्क वितरण, रोपण, वृक्षों पर रक्षाबंधन व पर्यावरण धर्म पर गोष्ठी आयोजन का निर्णय लिया है। विश्व भर में पूर्णतः हरित क्रांति लाया जाय इसके लिए उन्होंने न सिर्फ अपने देश में बल्कि विदेशों में भी अपनी धर्मपत्नी सह डाली पंचायत की मुखिया पूनम जायसवाल के साथ जाकर पौधरोपण कर पर्यावरण बचाने का संदेश दिया है। श्री कौशल अपने जीवन के 70 वां पड़ाव तय करने पर रांची नगर निगम के प्रशासक अमित कुमार के मार्गदर्शन में 70 पौधे लगाए व वितरित किया। इनमें चंदन, कल्पतरु, रुद्राक्ष, कपूर, छतनी, कदम, महोगनी एवं फीडल लिफ् के पौधे शामिल थे। पौधों पर रक्षाबंधन के उपरांत कार्यक्रम की समापन हुई। इस अवसर पर प्रिंसिपल डॉ. अबरार अहमद, डॉ. विद्यानंद चौधरी, नगर निगम के सहायक अभियंता सौरभ कुमार केसरी, राज. कुमार, सईद आलम, प्रभात तिवारी, डीसी मिश्रा, रानी मिंज, देवंती केरकेट्टा, केके दत्ता, नवीन शर्मा, मधुमिता विश्वास, शीला कुमारी, उषा मिश्रा, समेत कॉलेज के सैकड़ो छात्र–छात्राओं ने पौधारोपण एवं वृक्षों पर रक्षाबंधन कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

पलामू 22 अक्टूबर 2023

पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल हुए सम्मानित

मेदिनीनगर। स.वर्षा। शहर के शिवाय ब्लू होटल में आयोजित डांडिया नाईट का उद्घाटन निगम के प्रथम मेयर अरुणाशंकर, छतरपुर के डाली पंचायत की मुखिया पूनम जायसवाल और विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल ने संयुक्तरूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम में पर्यावरण के क्षेत्र में पिछले 57 वर्षों से देश विदेश में उल्लेखनीय कार्य के लिए नगर निगम के प्रथम मेयर अरुणा शंकर ने पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल एवं उनकी धर्मपत्नी सह बीपीएसए संस्था के प्रधान सचिव व डाली बाजार की मुखिया पूनम जायसवाल को पुष्पगुच्छ एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

डांडिया सम्मेलन में पर्यावरणविद ने कहा कि आज समाज के अधिसंख्य लोग प्रदूषण की चपेट में हैं और अपने दैनिक कार्यों के निष्पादन में काफी परेशान व तनाव में हैं। वैसी स्थिति में कला संस्कृति सम्मेलन तनावों व तन और मन का प्रदूषण दूर करने में कारगर साबित होता है। उन्होंने कहा कि आज के परिवेश में ऐसे आयोजन की प्रासंगिकता और बढ़ गयी है। कार्यक्रम में विभिन क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले शहर के कई हस्तियों को भी मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि के द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

रांची संस्करण
प्रातः आवाज

आदर्श सामूहिक

पृथ्वी पर बिना हरियाली लाये खुशहाली की कामना करना बेमानी : कौशल किशोर

प्रातः आवाज

मेदिनीनगर। पलामू जिले के छतरपुर अनुमंडल के डाली बाजार पंचायत के आजाद नगर में गुलाम गौस पत्नी शबाना परवीन के पुत्री तारा नाज के विवाह में बिहार राज्य से औरंगाबाद के कुटुंबा थाना अंतर्गत नवाबगंज से आये 200 बारातियों को विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष पर्यावरण धर्म गुरु पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल ने सभी बारातियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। वहीं उन्हें थाईलैंड प्रजाति के बारहमासी आम का पौधा देकर विदाई किया।

उन्होंने कहा कि इस्लाम धर्मावलंबियों को जन्नत का दरवाजा खुला रखना है तो उन्हें खुदा का आदेश पालन करना होगा। उन्होंने कहा कि खुदा का जो इशारा है वह कुदरत की हरे रंग और धर्म के हर रंग से जुड़ा हुआ है। मक्के मदीने में रोजेका गोमज का रंग भी पिछले 1400 वर्षों से हरा है। उन्होंने यह भी कहा कि उसी अनुसार इस्लाम धर्म की पगड़ी भी हरे रंग की होती है। इतना ही नहीं उनके अखाड़े का रंग भी हरा होता है जो प्रकृति के रंग से जुड़ा हुआ है।

पर्यावरण धर्म गुरु कौशल ने कहा कि पृथ्वी पर बिना हरियाली लाये खुशहाली की कामना करना बेमानी होगा। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने धर्म के साथ-साथ पर्यावरण धर्म के आठ मूल मंत्र को अपने जीवन में उतारने का प्रयास करना होगा। नहीं तो आने वाली पीढ़ी विकलांग हो जाएगी।

गुलाम गौस की पुत्री की शादी में शामिल उप मुखिया नगीना खातून, पूर्व उप मुखिया अफजाल अंसारी, डाली बाजार के मुखिया पूनम जायसवाल एवं उनके प्रतिनिधि जुबेर अंसारी, छतरपुर पूर्वी से जिला परिषद अमित कुमार के प्रतिनिधि सुचित कुमार जायसवाल, लड़की के दादा अमीन इदरीश, शहाबुद्दीन अंसारी, जमीरउद्दीन अंसारी, साकिम अंसारी, कर्मचारी अंसारी, शमीम अंसारी, मुंतज़िर अंसारी, मुस्ताक अंसारी, असगर अंसारी सहित कई लोग शामिल थे।

आजाद सिपाही
रांची, मंगलवार, 28 नवंबर, 2023
www.azadsipahi.in
10

पर्यावरणविद कौशल की बातों की अनदेखी करना लोगों को पड़ेगा महंगा : पांडुरंग हेगड़े

तीन दिवसीय दौरे पर पलामू पहुंचे कर्नाटक के प्रख्यात पर्यावरणविद

पिछले 50 वर्षों से चिपको व वनराखी मूवमेंट से जुड़े हैं हेगड़े पलामू किला सहित कई जगहों पर जाकर किया पौधरोपण व वृक्षों पर रक्षाबंधन

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। कर्नाटक से तीन दिवसीय दौरे पर पलामू पहुंचे प्रख्यात पर्यावरणविद पांडुरंग हेगड़े ने यहां के बढ़ते तापमान पर चिंता जाहिर की है। कहा कि पर्यावरणविद कौशल किशोर की बातों का यहां के लोग अनदेखी करेंगे तो उनके लिए आने वाले समय में काफी महंगा साबित होगा। वे पिछले 50 वर्षों से चिपको व वनराखी मूवमेंट से जुड़कर पर्यावरण के क्षेत्र में कई उल्लेखनीय कार्य किये है। उन्होंने लातेहार जिले के पलामू किला में वनों पर कोलकाता से आए पर्यावरण प्रेमियों के साथ वृक्षों पर रक्षाबंधन कर पर्यावरण पर विशेष चर्चा की। इस दौरान विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वन राखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल एवं कोलकाता से आये लोगों के साथ बरवाडीह के कस्तूरबा विद्यालय और खुरा पंचायत में गुरु नानक देव की जयंती की पूर्व संध्या पर आम का पौधा लगाकर लोगों के साथ पर्यावरण से जुड़ी कई बातों की जानकारी साझा की। अपने संबोधन में पांडुरंग हेगड़े ने प्रमंडल में बढ़ती तापमान पर चिंता जताते हुए कहा कि लोग प्रकृति के साथ अर्थ के लिए अनर्थ कर रहे हैं। जबकि पर्यावरण धर्मगुरु कौशल ने 50 वर्ष पूर्व से कहते आ रहे हैं कि अगर इसी तरह प्रकृति से छेड़छाड़ होते रहा तो लोगों को पानी की बोतल व ऑक्सीजन का सिलेंडर साथ लेकर चलना पड़ेगा। इतने के बाद भी लोग कौशल किशोर की बातों पर अमल नहीं कर रहे हैं। कोरोना की विभीषिका से भी लोग सबक नहीं ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस अभियान में सभी को आगे आना होगा। इसके लिए देश ही नहीं विदेशों में भी जाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के प्रमुख लोगों में वन विभाग से रिटायर अजय कुमार मिश्रा, विक्टर क्रिकेटर, शिवानंद तिवारी, शशि भूषण तिवारी, दीनानाथ राम और कोलकाता से वनरखी मूवमेंट से जुड़े हुए कार्यकर्ताओं में सुशीलीता शाह, कोटाउ चटर्जी, शल्कना चटर्जी, मानस खान, देवयानी दास, सुमित्रा शंकर दत्ता, अंजीत बनर्जी, मौमिता बनर्जी, गोराचंद साहू, बरवाडीह कस्तूरबा की सहायक बार्डन उषा कुजूर, संगीता कुजूर, रूबी कुमारी, संगीता, नाईसा, रीमा, गीता, सुजाता आदि शामिल थे।

चिपको व वनराखी मूवमेंट से जुड़े कर्नाटक के प्रख्यात पर्यावरणविद पांडूरंग हेगड़े तीन दिवसीय दौरे पर पलामू पहुंचे

मेदिनीनगर। कर्नाटक से तीन दिवसीय दौरे पर पलामू आये प्रख्यात पर्यावरणविद पांडुरंग हेगड़े ने यहां के बढ़ते तापमान पर चिंता जताते हुए कहा कि पर्यावरणविद कौशल किशोर की बातों की यहां के लोग अनदेखी करेंगे तो आने वाले समय में उनके लिए काफी महंगा साबित होगा। वे पिछले 50 वर्षों से चिपको व वनराखी मूवमेंट से जुड़कर पर्यावरण के क्षेत्र में कई उल्लेखनीय कार्य किया है। उन्होंने लातेहार जिला के पलामू किला में वनों पर कोलकाता से आए पर्यावरण प्रेमियों के साथ वृक्षों पर रक्षाबंधन कर पर्यावरण पर विशेष चर्चा की। इस दौरान उन्होंने विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वन राखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल एवं कोलकाता से आये लोगों के साथ बरवाडीह के कस्तूरबा विद्यालय और खुरा पंचायत में गुरु नानक देव की जयंती के पूर्व संध्या पर आम का पौधा लगाकर लोगों के साथ पर्यावरण से जुड़ी कई बातों की जानकारी साझा किया। पांडुरंग हेगड़े ने प्रमंडल में बढ़ती तापमान पर चिंता जताते हुए कहा कि लोग प्रकृति के साथ अर्थ के लिए अनर्थ कर रहे हैं। जबकि पर्यावरण धर्म गुरु कौशल ने 50 वर्ष पूर्व से कहते आ रहे हैं कि अगर इसी तरह प्रकृति से छेड़छाड़ होते रहा तब लोगों को पानी की बोतल व ऑक्सीजन की सिलेंडर साथ लेकर चलना पड़ेगा। कार्यक्रम के प्रमुख लोगों में वन विभाग से रिटायर अजय कुमार मिश्रा, विक्टर क्रिकेटर, शिवानंद तिवारी, शशि भूषण तिवारी, दीनानाथ राम, और कोलकाता से वनरखी मूवमेंट से जुड़े हुए कार्यकर्ताओं में सुशीलीता शाह, कोटाउ चटर्जी, शत्कना चटर्जी, मानस खान, देवयानी दास आदि शामिल थे।

Advertisement

गुरु नानक देव की जयंती पर पौधरोपण किया गया

वृक्ष पर रक्षासूत्र बांधकर जयंती मनाते पर्यावरणविद कौशल व अन्य .

छतरपुर. कर्नाटक के प्रख्यात पर्यावरणविद पांडुरंग हेगड़े तीन दिवसीय प्रवास के दौरान पलामू पहुंचे. छतरपुर के कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय व डाली बाजार के प्लस टू हाई स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पर्यावरण धर्म के तहत पौधरोपण कर गुरु नानक देव जी की जयंती मनायी गयी. डाली बाजार में मोहनलाल खुर्जा पार्वती देवी जैविक पार्क में देश व विदेश के करीब 200 से अधिक प्रजातियों के दुर्लभ पौधों का अवलोकन कर कार्यों की काफी सराहना की. पर्यावरणविद हेगड़े ने कहा कि वनराखी मूवमेंट के प्रणेता कौशल किशोर ने जिस तरह से उजड़े वनों में पुनः हरियाली लाने का काम किया है उससे देशवासियों को सीख लेने की जरूरत है. लोगों को पर्यावरण धर्म अपनाने से ही पृथ्वी व प्रकृति की रक्षा हो सकेगी. अगर लोग अपने आप को नहीं रोक पाये, तो आने वाले कल को हम सुरक्षित नहीं रख पायेंगे. इसकी अध्यक्षता कस्तूरबा विद्यालय के वार्डेन किरण सिंह ने की.डाली मुखिया ने मुख्य अतिथि व अध्यक्ष को शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया. मौके पर प्रधानाध्यापक शिवप्रसाद यादव, श्रवण कुमार, पूर्व मुखिया अफजल अंसारी, सुचित कुमार जायसवाल, सत्येंद्र प्रसाद, जुबेर अंसारी आदि मौजूद थे.

कौशल ने किया पर्यावरण धर्म अपनाने का आह्वान

मेदिनीनगर। स. वर्षा। जिले के छतरपुर अनुमंडल अंतर्गत मझौली निवासी निरंजन यादव की पुत्री प्रियंका और चक मनातू के विलास यादव के पुत्र पंकज यादव के शादी समारोह में विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह वनराखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने थाईलैंड प्रजाति के आम का पौधारोपण कर नवविवाहिता के सुखमय वैवाहिक जीवन की कामना की। वहीं ग्राम पंचायत डाली बाजार के अनिल कुमार जायसवाल के पुत्र अंकुश जायसवाल और नगर निवासी प्रवीण जायसवाल की पुत्री प्रियंका जायसवाल का विवाह भी अंबिकापुर के महामाया रिसोर्ट में सम्पन्न हुआ। इस विवाह कार्यक्रम में भी पर्यावरणविद श्री जायसवाल ने वर –वधु और बरातियों को थाईलैंड प्रजाति के बारहमासी आम, लीची, चंदन के पौधे देते हुए कहा कि यदि घरों में लोगों की संख्या बढ़े तो उन्हें स्वस्थ रहने के लिए शिव के समान वृक्ष का होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि बारातियों को दहेज में कुछ मिले या न मिले लेकिन उन्हें पौधा मिलना अति जरूरी है। उन्होंने कोरोना काल का जिक्र करते हुए कहा कि धरती और ब्रह्मांड की 84 लाख योनी जीवों के लिए सबसे जरूरी ऑक्सीजन है। ऑक्सीजन किसी फैक्ट्री में नहीं मिलता है। इसके लिए पौधा लगाना होगा। पर्यावरण धर्म गुरु कौशल ने कहा कि आप हर संपत्ति को अर्जित कर सकते हैं परंतु शुद्ध हवा नहीं। बीमारी से बचने के लिए हर व्यक्ति को चाहिए कि अपने धर्म के साथ–साथ पर्यावरण धर्म के 11 मूल मंत्रों को भी अपने जीवन में उतारने का अथक प्रयास करे। कार्यक्रम में विनोद यादव, पार्वती देवी, भाजपा नेता सह पूर्व सांसद मनोज कुमार, डाली बाजार पंचायत की मुखिया पूनम जायसवाल, संजय यादव, मनोज यादव, उप मुखिया अफजल अंसारी, रामजी प्रसाद, सूचित जायसवाल, सत्येंद्र जायसवाल, संजय यादव, अनिल जायसवाल, ललिता देवी, प्रवीण जायसवाल, सविता देवी, लालू प्रसाद, दीनानाथ, मुकेश प्रसाद, उमेश कुमार, अजय कुमार, मालती देवी, राकेश कुमार , गोविंद प्रसाद, राम जी जायसवाल, सचिन कुमार, कमलेश प्रसाद, मंजू देवी, फुलवा देवी, कमलेश यादव, राजकुमार यादव, हरिराम यादव, प्रसाद सिंह, किशन भैया, रामलाल यादव समेत कई लोग शामिल हुए।

दैनिक भास्कर
पलामू भास्कर 02-01-2024

कायत की जाएगी। आयोजन किया जा रहा है। विकसित अंचल के कर्मी मौजूद थे। मौजूद थे।

पर्यावरणविद ने थाना परिसर में चंदन समेत कई पौधे लगाए

पुलिस से समाज की और वृक्ष से पर्यावरण व प्रकृति की होती है हिफाजत: कौशल

भास्कर न्यूज | मेदिनीनगर

जिले के उंटारी रोड थाना में रविवार को सेवानिवृत्त एएसआई राजकुमार शर्मा को विदाई दी गई। उनके सम्मान में व विदाई समारोह को यादगार बनाने के लिए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वन राखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल ने इंस्पेक्टर प्रियंका आनंद, उंटारी रोड थाना प्रभारी अशोक कुमार, रेहला थाना प्रभारी नेमधारी रजक सहित अन्य लोगों के साथ थाना परिसर में पर्यावरण धर्म के साथ चंदन सहित आम,कदम,लीची और पीपल का पौधा लगाया। पर्यावरणविद कौशल ने कार्यक्रम में शामिल लोगों को पर्यावरण धर्म के आठ मूल मंत्रों की शपथ दिलाई। उन्होंने सेवानिवृत्त राजकुमार शर्मा को थाईलैंड प्रजाति के बारहमासी आम का पौधा, मोमेंटो देकर व शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। पर्यावरण धर्म गुरु कौशल ने कहा कि वृक्ष और पुलिस दोनों ही समाज के लिए कार्य करते हैं। वृक्ष प्रकृति व पर्यावरण को सुरक्षित व संरक्षित रखती है जबकि पुलिस समाज के लोगों की सुरक्षा प्रदान करने के लिए रात दिन प्रयासरत रहती है। दोनों ही समाज के लोगों के लिए कार्य करते हैं जिसके कारण इनमें काफी समानता है। उन्होंने कहा कि समाज व पर्यावरण के लिए वृक्षों और पुलिस का होना नितांत जरूरी है। कौशल ने कहा कि कोरोना काल में उनके द्वारा इसके पहले थाना परिसर में कई प्रजाति के पौधे लगाए गए थे जो आज वह विकसित होकर वृक्ष बन गया है। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल सभी लोगों से पर्यावरण की सुरक्षा के लिए जीवन के हर मौके पर पौधरोपण करने का अनुरोध किया। उन्होंने जिला परिषद सदस्य अरविंद सिंह के साथ शिव संपत धाम परिसर का निरीक्षण कर वहां पौधरोपण करने का आश्वासन दिया । ताकि मंदिर परिसर को और आकर्षक बनाया जा सके। कार्यक्रम में 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक सिंह, पूर्व प्रमुख रामसेवक राम, सब इंस्पेक्टर रमेशचंद्र महतो, एएसआई चंडी प्रकाश, मुन्नालाल जामदा, डॉ. योगेंद्र सिंह, अगस्त तिवारी सहित कई लोग मौजूद थे।

सुंदरलाल बहुगुणा को उनकी जयंती पर पौधारोपण कर किया गया याद

दो बार पलामू के पर्यावरणविद कौशल के घर पहुंचे थे सुंदरलाल बहुगुणा

मेदिनीनगर। स. वर्षा। विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वन राखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल ने अपने मेदिनीनगर स्थित आवासीय परिसर के आकाश बाग में भारत के महान पर्यावरण चिंतक व चिपको आंदोलन के प्रमुख नेता रहे प्रख्यात पर्यावरणविद पदम विभूषित स्व. सुंदरलाल बहुगुणा की 97वीं जयंती मनाई। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण धर्म व उसकी प्रार्थना के साथ थाईलैंड प्रजाति का आम का पौधा लगाकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने उनकी संघर्षपूर्ण जीवनयात्रा को याद किया। कौशल ने कहा कि सुंदरलाल बहुगुणा भारत के एक महान पर्यावरण–चिन्तक एवं चिपको आन्दोलन के प्रमुख नेता थे। उन्होंने हिमालय के पर्वतीय क्षेत्रों में वनों के संरक्षण के लिए संघर्ष किया। उनकी पत्नी व कर्नाटक के पांडुरंग हेगड़े, रामकृष्ण हेगड़े, चंद्रशेखर, धूम सिंह नेगी अमेरिका के जॉर्ज ए जेम्स नेपाल के सरोज शर्मा भी उनके अन्दोलन से जुड़े हुए थे। 1970 के दशक में पहले वे चिपको आन्दोलन से जुड़े रहे और 1980 के दशक से 2004 तक के दशक में टिहरी बाँध के निर्माण के विरुद्ध आन्दोलन से। वे भारत के आरम्भिक पर्यावरण प्रेमियों में से एक थे। उन्होंने कहा कि पलामू प्रवास के दौरान बहुगुणा ने उनके निःशुल्क पौधा वितरण सह रोपण कार्यक्रम का न सिर्फ हिस्सा बने थे बल्कि उन्होंने लावारिस सेवा केंद्र व पानी पंचायत के केंद्रीय कार्यालय का भी शुभारंभ किया था। श्री कौशल ने कहा कि बहुगुणा जी के साथ 1977 में टिहरी के चामा, चमोली के चिपको मूवमेंट से कर्नाटक के अप्पिको आंदोलन समेत देश – विदेश के दर्जनों प्रमुख कार्यक्रमों में शामिल होने का उन्हें भी अवसर मिला था । संस्था की प्रधान सचिव सह ग्राम पंचायत डाली बाजार की मुखिया पूनम जायसवाल ने कहा कि बहुगुणा जी अपने आंदोलन के दौरान अपनी धर्मपत्नी विमला बहुगुणा के साथ दो बार उनके पर्यावरण भवन आवास पर आए थे। छतरपुर पूर्वी से जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल ने कहा कि पलामू प्रवास के दौरान जो लोग बहुगुणा जी से मिलने आते थे उनसे ये कहते थे कि वन और पर्यावरण जीने का आधार है। कार्यक्रम के दौरान संस्था के सचिव अरविंद कुमार जायसवाल, अरुण कुमार जायसवाल, कोमल जायसवाल, शिल्पा जायसवाल, पिंकी सिंह, हेम सिंह, नथुनी सिंह, परमानंद मंडल, गुड़िया कुमारी, आराध्या, आशिका, रामू, ने उनकी तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें याद किया।

वानिकी दिवस से धरती और वनराखी मूवमेंट से संपूर्ण ब्रह्मांड की सुरक्षा: गुरु कौशल जायसवाल

■ पर्यावरणविद ने पौधरोपण व वृक्षों पर रक्षाबंधन कर मनाया विश्व वानिकी दिवस

खबर मन्त्र संवाददाता

छतरपुर पलामू। विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वन राखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल ने जिले के छतरपुर अनुमंडल के डाली बाजार पंचायत के कौशल नगर मोहनलाल खुर्जा पार्वती देवी पार्क जैविक उद्यान में पौधरोपण व वृक्षों पर रक्षाबंधन कर 54 वां विश्व वानिकी दिवस व अपनी पोती आद्रिका का छठी जन्मोत्सव मनाया। उन्होंने पर्यावरण धर्म के प्रार्थना के साथ पौधरोपण कर कार्यक्रम में शामिल लोगों को पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्रों की भी शपथ दिलायी।

वनों पर रक्षाबंधन करते पर्यावरणविद व पर्यावरण से जुड़े लोग।

खास बातें : कार्यक्रम में शामिल लोगों को संबोधित करते हुए श्री कौशल ने कहा कि समय रहते अगर लोग सचेत नहीं हुई तो कोरोना की कहर से भी ज्यादा तबाही प्रदूषण की जहर से मचेगी। पर्यावरण धर्म से जुड़े लोगों के साथ पर्यावरणविद ने वनों पर राखी बांधकर उसे बचाने की शपथ दिलाई। विश्व वानिकी दिवस पर आयोजित गोष्ठी में पर्यावरणविद कौशल किशोर ने अपने संबोधन में कहा कि प्रकृति से केवल लेना नहीं देना भी सीखें क्योंकि अर्थ के लिए हो रहे अनर्थ के कारण कोरोना से भी अधिक भयावह प्रदूषण का खतरा लोगों के सिर पर मंडरा रहा है। विश्व वानिकी दिवस पर उन्होंने ब्रह्माण्ड के सभी जीवों की रक्षा के लिए पौधरोपण करने की अपील की। कार्यक्रम की अध्यक्षता धर्मदेव यादव ने की जबकि संचालन छतरपुर पूर्वी जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल के प्रतिनिधि सुचित कुमार ने किया। वहीं धन्यवाद ज्ञापन डाली पंचायत के मुखिया पूनम जायसवाल के प्रतिनिधि पूर्व उप मुखिया अफजल अंसारी ने की। मौके पर जुबेर अंसारी, सूरज देव यादव, कृष्ण प्रसाद, सत्येंद्र प्रसाद,कामेश्वर राम, कामेश्वर सिंह, रूपेश कुमार, अजय कुमार, श्रवण कुमार, विशाल कुमार समेत कई लोग शामिल थे।

www.epaper.azadsipahi.in

14 अप्रैल, 2024
पैत्र, शुक्ल पक्ष, षष्ठी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
रविवार, वर्ष 09, अंक 173

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

पर्यावरणविद और पार्षद ने पौधरोपण कर मनाया आंबेडकर की 133 वीं जयंती

वृक्षों से सांसों का और बाबा साहब से संविधान का है रिश्ता : पर्यावरणविद और पार्षद अमीत

आजाद सिपाही संवाददाता

छतरपुर। विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु और वन राखी मूवमेंट के प्राणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल और छतरपुर पूर्वी से जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल ने पर्यावरण धर्म के तहत पौधरोपण और वितरण कर संविधान निमार्ता डॉ भीमराव अंबेडकर की 133 वीं जयंती मनायी। पर्यावरणविद और पार्षद ने छतरपुर अनुमंडल के माडवा पंचायत के ग्राम नासो से डॉ भीमराव के जन्मदिन पर निकली शोभा यात्रा में शामिल हुए। वहीं बगैया पंचायत के तेलियाडीह में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद करते हुए पौधा समर्पित किया। उन्होंने खरवारडीह में संत रविदास की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित करने के पश्चात संत रविदास जी के प्रांगण में पर्यावरण धर्म के प्रार्थना के साथ गंगा वर्धन नारियल लगाकर उन्हें थाईलैंड प्रजाति के बारहमासी आम और लीची समर्पित किया। उन्होंने लोगों को पर्यावरण धर्म के 8 मूल ज्ञान मंत्रों की शपथ दिलाते हुए कहा कि पर्यावरण धर्म के पहला मूल मंत्र में जन्मदिन या कोई भी शुभ कार्य एवं श्राद्ध पर पौधा लगा कर उसे बचाने का विधान है। उन्होंने कहा कि जो देता है उसे देवता कहा जाता है। वृक्ष और बाबा साहेब की जीवनी और कार्यशैली में काफी समानता है। दोनों का ही समाज के लिए अतुलनीय योगदान रहा है। छतरपुर पूर्वी के जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल ने बाबा साहब के 133 वां जन्मदिन के अवसर पर देशवासियों को शुभकामना देते हुए कहा है कि बाबा साहब का संविधान को सदैव अनुपालन करना चाहिए क्योंकि उन्होंने कहा है कि भाग्य पर कम और कर्म पर ज्यादा विश्वास करना चाहिए। राजनीतिक के साथ-साथ सामाजिक कार्यकर्ता बनकर गरीब असहायों को हर संभव मदद करनी चाहिए। तभी उनके सपनों को साकार किया जा सकता है। उन्होंने क्षेत्र में बालु और जल की समस्या से जूझ रहे लोगों को कहा कि यह समस्या सरकार की विफलता का प्रतीक है। कार्यक्रम में शामिल महिला पुरुषों ने पर्यावरणविद कौशल किशोर और पार्षद अमित कुमार जायसवाल को गर्मजोशी से स्वागत किया।। ग्रामीणों ने उनकी कार्यों की सराहना की। गाजे बाजे के साथ निकली शोभायात्रा में मांडवा पंचायत और बगया पंचायत के काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।। शोभायात्रा में शामिल प्रमुख लोगों में पूर्व डीआईजी राकेश रंजन मड़वा के पूर्व मुखिया कमलेश राम ,पंचायत डाली बाजार के उप मुखिया अफजाल अंसारी बगया पंचायत के पूर्व मुखिया राजेंद्र यादव , धर्मेंद्र रजक, बृजेश राम अशोक राम संजय राम, रामस्वरूप राम, रवि विश्वकर्मा, नागेंद्र राम, पंकज राम, कपिल राम, जितेंद्र, रमेश, अजय, सुशील, दिनेश, देवव्रत, अजीत, विनोद राम, उषा देवी, राम जन्म राम, उपेंद्र कुमार, अरुण राम, रविंद्र यादव, बिरजा राम, लालू यादव समेत अन्य कई गणमान्य लोग शामिल थे।

पृथ्वी दिवस पर पर्यावरणविद ने पौधरोपण कर किया हिंडालको के कार्यक्रम का शुभारंभ

पृथ्वी से केवल लेना ही नहीं, देना भी सीखें : कौशल किशोर

- कठौतिया ओपन कास्ट कोल माइंस की ओर से पृथ्वी दिवस पर कजरी मध्य विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

प्रातः आवाज

वृक्षों पर रक्षाबंधन करते व पर्यावरण धर्म की शपथ दिलाते पर्यावरण धर्मगुरु कौशल किशोर

मेदिनीनगर। हिन्डालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड के कठौतिया ओपन कास्ट कोल माइंस की सीएसआर की ओर से पृथ्वी दिवस पर सोमवार को कजरी मध्य विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वन रखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल, विशिष्ट अतिथि पाटन वन क्षेत्र के प्रभारी वनपाल राजु रजक, पंचायती राज पदाधिकारी मनोज मिश्रा ने भाग लिया। पर्यावरणविद ने कार्यक्रम का उद्घाटन पर्यावरण धर्म के प्रार्थना के साथ थाईलैंड प्रजाति के बारहमासी आम का पौधा लगा कर किया। श्री कौशल ने पृथ्वी दिवस पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए हिंडाल्को के सीएसआर की टीम की सराहना की।

उन्होंने कहा कि प्रकृति से हमें सिर्फ लेने नहीं कुछ देने की परंपरा को विकसित करने की जरूरत है। मानवीय भूल के कारण बड़े पैमाने पर वनों को समाप्त कर दिया गया जिसका परिणाम यह है कि पुरा पर्यावरण प्रदूषित हो गया। जिसके कारण आज तापमान लगातार बढ़ रहा है और सुखाड़ अकाल की विभीषिका झेलनी पड़ रही है। इससे बचने के लिये हम सभी को पर्यावरण धर्म के आठ मूल मंत्र अपनाने होंगे। अपने घरों में होने वाले उत्सवों को यादगार बनाने के लिए पौधरोपण कर उसे बचाने का संकल्प लेने की जरूरत है। पर्यावरण धर्म गुरु कौशल ने कहा कि वे 1967 से लगातार पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता कार्यक्रम के साथ पौधरोपण एवं वितरण करते आ रहे हैं। उनके इस उल्लेखनीय कार्यों को आइसीएससी एवं सीबीएसई पाठ्यक्रम में पढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कार्यक्रम का समापन वृक्षों पर रक्षाबंधन कर किया।

प्रभारी वनपाल राजु रजक ने कहा कि आने वाले कल की खुशहाली के लिए सभी को पौधरोपण करना होगा।

पंचायती राज पदाधिकारी मनोज मिश्रा ने लोगों से पौधा लगाने के साथ साथ अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। सीएसआर हेड शोभा रानी मोहंती ने कहा कि जब तक सामूहिक भागीदारी नहीं होगी तब तक पर्यावरण का संरक्षण नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज प्लास्टिक के प्रयोग से सबसे ज्यादा प्रदूषण फैल रहा है। प्लास्टिक मानव जीवन के लिए जहर के समान है। इसलिए प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करने का संकल्प लेने की जरूरत है।

मौके पर हिंडाल्को के दीपनारायण सिंह, विद्यालय के प्रधानाध्यापक अशोक पाठक, अरुण तिवारी, ब्रजेश सिंह, सुहानी कुमारी, अनीता भगत, रेणु देवी, अंजय मेहता सहित कई लोग मौजूद थे।

पर्यावरण धर्म के प्रभाव से ही धुलेगा अर्थ के लिए प्रकृति पर हो रहे अनर्थ का पापः कौशल

■ पर्यावरण धर्म गुरु कौशल ने पौधा दान कर तिब्बती बौद्ध भिक्षु के कार्यक्रम का किया शुभारंभ

खबर मन्त्र संवाददाता

कामेश्वरपुर /सरगुजा /छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के मैनपाट कामेश्वरपुर थाना अंतर्गत शुक्रवार को तिब्बत वासियों के गांव स्थित भगवान बुद्ध के विशाल मंदिर में आयोजित नवाह पाठ कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वनरखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल ने पौधा दान कर किया। उन्होंने उक्त मौके पर बौद्ध भिक्षुओं को पर्यावरण धर्म के प्रार्थना व उसके आठ मूल ज्ञान मंत्रों की शपथ दिलाते हुए थाईलैंड प्रजाति के बारहमासी आम का पौधा दान किया। मौके पर पर्यावरण धर्मगुरु कौशल ने कहा कि जिस तेजी से लोग अनाधिकृत रूप से आर्थिक लाभ के लिए प्राकृतिक संसाधनों का शोषण व दोहन कर रहे हैं उसी का परिणाम है कि पृथ्वी का तापमान बेतहासा बढ़ता चला जा रहा है। कहा कि लोगों को अपने धर्म के साथ-साथ पर्यावरण धर्म के 8 मूल ज्ञान मंत्रों को अपने जीवन के दिनचर्या में शामिल करना होगा।

बौद्ध भिक्षुओं को पर्यावरण धर्म की शपथ दिलाते पर्यावरणविद धर्मगुरु कौशल किशोर जायसवाल।

खास बातें : कौशल ने कहा कि जबतक वन्य एवं उसके अलावे रैयती भूमि पर 33% सघन वन तैयार ना हो जाय तबतक जलवायु परिवर्तन कोई रोक नहीं सकेगा। इसके सिवाय दूसरा कोई विकल्प नहीं है। कहा कि 34 वर्षो के बाद उस क्षेत्र के लोग उन्हें बुलाया है। उन्होंने पर्यावरण धर्म के तहत आम का पौधा देकर कार्यक्रम में शामिल लोगों को सम्मानित करते हुए कहा कि पुत्र साथ छोड़ सकता है परंतु पेड़ नहीं। तिब्बत से आये बौद्ध भिक्षु धर्मगुरु दोरजें तेनजिंग और सीतापुर गुतुरमा के भोला गुप्ता ने पर्यावरण के क्षेत्र में एक लंबे अरसे से पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल के उल्लेखनीय कार्यों की काफी सराहना की।

अज़रबैजान में अचीवर अवार्ड से नवाजे गए पर्यावरणविद कौशल किशोर

प्रभात मंत्र संवाददाता

मेदिनीनगर : चार दिवसीय विदेश यात्रा से अपनी धर्मपत्नी सह मुखिया पूनम जायसवाल के साथ लौटे पर्यावरणविद कौशल किशोर को उनके लोगों ने भव्य स्वागत किया। श्री कौशल को रशियन कंट्री अजरबैजान में आयोजित समारोह में अचीवर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। जिससे उनके लोगों में खुशी का माहौल है।रशियन कंट्री से अलग हुए अज़रबैजान की राजधानी बाकू के होटल मेरीओट में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था। सम्मान समारोह का उद्घाटन विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वनरखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल और धर्मपत्नी व डाली पंचायत के मुखिया पूनम जायसवाल अजरबैजान देश के टूरिस्ट सेल के डायरेक्टर रौशन,मोनिका लुइस, खडवानी के साथ संयुक्तरूप से किया था।समारोह के उद्घाटन के उपरांत पर्यावरण धर्म के अनुसार अतिथियों को पौधा देने का विधान है।वन राखी मूवमेंट के प्रणेता कौशल ने अज़रबैजान देश के राजधानी बाकू के लिटिल वेनेस में

आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरणविद कौशल ने बताया कि उनके द्वारा चलाया गया निःशुल्क पौधरोपण अभियान और वनराखी मूवमेंट के 48 वां वर्ष और पौधा विरण व रोपण के 58 वां वर्ष पुरा होने पर वहां भी संस्था का विस्तार किया।। जिसके तहत अजरबैजान के राष्ट्रीय अध्यक्ष समरीन जैदी और मोनिका लुइस उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। इस अवसर पर पौधों का वितरण व वृक्षों पर रक्षाबंधन किया गया। चार दिवसीय विदेश यात्रा से लौटने पर घर में परिजनों व शुभचिंतकों ने पर्यावरणविद कौशल व मुखिया पूनम जायसवाल का भव्य स्वागत किया।मौके पर प्रो अरुण कुमार जायसवाल, छतरपुर से जिला परिषद अमित कुमार जायसवाल, कोमल जायसवाल, शिल्पा जायसवाल, आराध्या जायसवाल, आशिविका जायसवाल, आद्रिका जायसवाल व अनुषा जायसवाल मौजूद थे।

ाज

झारखंड

ाचार पत्र

नवादा

अज़रबैजान में अचीवर अवार्ड से नवाजे गए पलामू के पर्यावरणविद कौशल किशोर व मुखिया पूनम

लोकतंत्र की आवाज

संवाददाता,अरविंद अग्रवाल

छत्तरपुर(पलामू)। चार दिवसीय विदेश यात्रा से अपनी धर्मपत्नी सह मुखिया पूनम जायसवाल के साथ लौटे पर्यावरणविद कौशल किशोर को उनके लोगों ने भव्य स्वागत किया। श्री कौशल को रशियन कंट्री अजरबैजान में आयोजित समारोह में अचीवर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। जिससे उनके लोगों में खुशी का माहौल है। रशियन कंट्री से अलग हुए अज़रबैजान की राजधानी बाकू के होटल मेरीओट में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था। सम्मान समारोह का उद्घाटन विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वनरखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल व धर्मपत्नी व डाली पंचायत के मुखिया पूनम जायसवाल अजरबैजान देश के टूरिस्ट सेल के डायरेक्टर रौशन, मोनिका लुइस, खडवानी के साथ संयुक्तरूप से किया था।

समारोह के उद्घाटन के उपरांत पर्यावरण धर्म के अनुसार अतिथियों को पौधा देने का विधान है। इसी तहत कर्नाटक का चंदन और हिमाचल का कपूर का पौधा पर्यावरणविद कौशल व मुखिया पूनम के द्वारा सभी अतिथियों को भेंट किया। अतिथियों ने कपूर का पौधा के पत्ता को टुकड़ा कर सूंघने पर बहुत प्रसन्नता जाहिर की। इस अवसर पर अतिथियों ने पर्यावरणविद को बधाई देते हुए ट्री मैन से संबोधित किया। ट्री मैन कौशल सभी लोगों को बताया कि वे अपनी जन्मभूमि पर अपने निजी खर्चे पर भारत के झारखंड राज्य के पलामू जिले के छतरपुर अनुमंडल के डाली बाजार पंचायत के कौशल नगर में विश्व का पहला पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर का निर्माण करा रहे हैं जिसका निर्माण कार्य आखिरी चरण पर है। उसका उद्घाटन राज्यपाल के द्वारा होना तय हुआ है।

उन्होंने वहां के लोगों को उस कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण दिया। वन राखी मूवमेंट के प्रणेता कौशल ने अज़रबैजान देश के राजधानी बाकू के लिटिल वेनेस में आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरणविद कौशल ने बताया कि उनके द्वारा चलाया गया निःशुल्क पौधरोपण अभियान और वनराखी मूवमेंट के 48 वां वर्ष और पौधा विरण व रोपण के 58 वां वर्ष पुरा होने पर वहां भी संस्था का विस्तार किया।।जिसके तहत अजरबैजान के राष्ट्रीय अध्यक्ष समरीन जैदी और मोनिका लुइस उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। इस अवसर पर पौधों का वितरण व वृक्षों पर रक्षाबंधन किया गया। चार दिवसीय विदेश यात्रा से लौटने पर घर में परिजनों व शुभचिंतकों ने पर्यावरणविद कौशल व मुखिया पूनम जायसवाल का भव्य स्वागत किया। मौके पर प्रो अरुण कुमार जायसवाल, छतरपुर से जिला परिषद अमित कुमार जायसवाल, कोमल जायसवाल, शिल्पा जायसवाल, आराध्या जायसवाल, आशिविका जायसवाल, आद्रिका जायसवाल व अनुषा जायसवाल मौजूद थे।

युवा, खेल एवं कला-संस्कृति राष्ट्र की धरोहर और पर्यावरण के अंग हैं : कौशल

पर्यावरणविद व जिला पार्षद ने विजेता व उपविजेता टीमों को कप-पौधा देकर किया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के छतरपुर अनुमंडल के सिलदाग पंचायत के खेल मैदान में क्रिकेट का फाइनल मैच खेला गया। जिसका बतौर मुख्य अतिथि के रूप में विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्म गुरु व बनराखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरण विद कौशल किशोर जायसवाल और छतरपुर पूर्वी से जिला पार्षद अमित जायसवाल ने औपचारिक बैटिंग कर खेल का शुभारंभ किया। पर्यावरणविद कौशल ने कहा कि युवा, खेल, कला, संस्कृति व वन ये सभी पर्यावरण के अंग और राष्ट्र की धरोहर हैं। इनकी रक्षा करना हम सभी का दायित्व है। बढ़ते प्रदूषण, भीषण गर्मी एवं जल संकट से निबटने के लिए समाज के सभी लोगों को अपने धर्म के साथ ही पर्यावरण धर्म के आठ मूल मंत्र को अपनाना होगा। तभी हम इस भयावह स्थिति का सामना करने में कामयाब हो सकते है। वहीं, छतरपुर पूर्वी से जिला पार्षद अमित जायसवाल ने कहा कि भोजन से मनोरंजन कहीं ज्यादा जरूरी है। ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों में प्रतिभा की कमी नहीं है। बस जरूरत है उन्हें उचित प्लेटफार्म मुहैया कराकर उनकी प्रतिभा को निखारने की। कहा कि सरकार खेल को प्रोत्साहित करने के लिए पैसे पानी की तरह बहा रही है। बावजूद इसका लाभ ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभावान खिलाड़ियों को नहीं मिल पा रहा है। कहा कि दोनों टीम के पांच खिलाड़ियों के पैर में जूते नहीं थे। जिन्हें उनके पिता सह पर्यावरणविद ने मैच की समाप्ति पर आर्थिक सहयोग किया। इसके अलावा दोनों टीमों के कप्तान को पर्यावरणविद व जिला पार्षद अमित ने कप के साथ आम व अमरूद का पौधा देकर उत्साहवर्धन किया। उधर, फाइनल मुकाबला तुकतुका बनाम बरछाही के बीच खेला गया। जिसमें टुकटुका की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 12 ओवर में 95 रन बनाये। जवाबी पारी खेलने उतरी बरछाही की टीम मात्र 75 रन पर ऑल आउट हो गयी। मैन आफ द मैच का पुरस्कार राजन कुमार को दिया गया। मौके पर टूर्नामेंट संचालन कमेटी के अध्यक्ष रमन यादव, कोषध्यक्ष छोटू विश्वकर्मा, सचिव पप्पू सिंह, ग्राम पंचायत डाली बाजार के उप मुखिया अफजाल अंसारी, चिरू से सचिन कुमार पांडेय, सिलदाग पंचायत मुखिया पति उमेश कुमार यादव, पंचायत समिति शिवपूजन तिवारी, लव जी, सिंटू, राजद युवा जिला सचिव राकेश कुमार ठाकुर, रोजगार सेवक आलोक सिंह, डॉ रंगीला सिंह, डॉ अखिलेश सिंह आदि उपस्थित थे। वहीं, अंपायर की भूमिका करण स्टार छतरपुर व पप्पू सिंह ने निभाई।

थाईलैंड में एशिया एचीवर्स व भारत के गौरव अवार्ड से नवाजे गये पर्यावरणविद डॉ कौशल

संवाददाता

मेदिनीनगरः थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक स्थित होटल हॉलीडे इन में आयोजित कार्यक्रम में पलामू के पर्यावरण विद डॉ. कौशल किशोर जायसवाल को वहां के पूर्व उप प्रधानमंत्री कॉर्न देमोरेंसी के हाथों एशिया एचीवर्स व भारत गौरव अवार्ड से नवाजा गया। मोटिवेशनल स्पीकर पॉल नरूला की ओर से आयोजित सम्मान समारोह का उद्घाटन थाईलैंड के पूर्व उप प्रधानमंत्री कॉर्न देमोरेंसी, पॉल नरूला, डॉ राजू खान, डॉ. जफर और पर्यावरणविद डॉ कौशल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कॉर्न देमोरेंसी ने एशिया एचीवर्स व भारत के गौरव अवार्ड से डॉ. कौशल को सम्मानित करते हुए कहा कि उनके

द्वारा पर्यावरण के क्षेत्र में लंबे अरसे से जो निःशुल्क कार्य किया जा रहा है वह दुनियां के लोगों के लिए मील का पत्थर साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत और थाईलैंड की मित्रता लंबे अरसे से चली आ रही है और आगे भी जारी रहेगी। डॉ कौशल को विदेशों में छठा और जीवन का 65 वां अवार्ड मिला है। कार्यक्रम में डॉ. कौशल और उनके पुत्र अरुण कुमार जायसवाल एवं रोहित जायसवाल ने सभी अतिथियों को भारत से अपने साथ ले गए पौधा भेंट कर उनका सम्मान किया। डॉ. कौशल ने कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों को भारत आने का आमंत्रण भी दिया। छह दिवसीय विदेश यात्रा से अवार्ड लेकर लौटने पर पड़ोसियों, परिजनों एवं शुभचिंतकों ने पर्यावरणविद डॉ कौशल व पुत्र अरुण जायसवाल का डालटनगंज स्टेशन पर भव्य स्वागत किया। मौके पर डाली बाजार पंचायत के मुखिया पूनम जायसवाल, छतरपुर पूर्वी के जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल, कोमल जायसवाल, शिल्पा जायसवाल, सूरज, विकास, आराध्या, आशिविका, आद्रिका, अनुषा, सत्य सिंह, संतोष, रामू, छोटू मौजूद थे।